राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 78
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 02 अक्टूबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'गांधी और आज का भारत' व्याखान में मुख्यातिथि होंगे उत्तराखंड के राज्यपाल

पेज 5 इवेंट का पैसा हड़पने के मामले में कोर्ट में हाजिर हुई सपना चौधरी, 4 नवंबर को तय होंगे आरोप

पेज 7 बाल्टिक सागर से हर घंटे 23 हजार किलो मीथेन हो रही लीक, यूनाइटेड नेशन ने जताई चिंता

कानपुर में तालाब में गिरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 25 की मौत

उन्नाव में चंद्रिका देवी के दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु, 10 से अधिक घायल; रेस्क्यू जारी

कानपुर। कानपुर के घाटमपुर में साढ़ थाना क्षेत्र के भीतरगांव के पास श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर तालाब में पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से गंभीर रूप से घायल हो गए। 19 शव बाहर निकाल लिए गए हैं। सभी की शिनाख्त हो गई है। घायलों को भीतरगांव सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद कुछ घायलों को गंभीर हालत में हैलट रेफर कर दिया है। ट्रैक्टर-ट्रॉली पर करीब 40 लोग सवार थे।

श्रद्धालुओं की चीख-पुकार सुनकर गांव के लोग मदद को दौड़े। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई है। पुलिस ग्रामीणों के साथ रेस्क्यू करने में जुटी है। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली की रफ्तार काफी तेज थी। अनियंत्रित होने से ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलट गई।

बताया जा रहा है कि ये सभी उन्नाव जिले के चंद्रिका देवी मंदिर में मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। दर्शन कर वापस अपने गांव कोरथा लौट रहे थे।

वापस लौटते समय घाटमपुर के साढ़ और गंभीरपुर गांव के बीच सड़क किनारे एक तालाब में इनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई।

एसपी आउटर तेज स्वरूप सिंह ने बताया कि घाटमपुर के कोर्था गांव में रहने वाले 35 से ज्यादा लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली से उन्नाव बक्सर घाट के पास चंद्रिका देवी दर्शन करने गए थे। देर शाम ट्रैक्टर-ट्रॉली से सभी घर लौट रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ है।

घायलों को 50 हजार और मृतकों के परिजन को दो-दो लाख मुआवजे का ऐलान

मुख्यमंत्री ने कानपुर हादसे में दुख जताया है। साथ की शासन की ओर से सहायता राशि जारी की गई है। हादसे में घायल होने वालों को 50 हजार और मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में खड़गे और थरूर आमने-सामने

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन पत्रों की जांच के आखिरी दिन शनिवार को दोनों उम्मीदवार मलिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर के नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं और अब चुनाव में ये दोनों उम्मीदवार रह गये है। कांग्रेस चुनाव विभाग के प्रभारी मधुसूदन मिस्त्री ने आज यह जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन पत्रों की जांच का काम पूरा हो गया है। जांच के दौरान झारखंड के के एन त्रिपाठी का फार्म प्रस्तावकों के हस्ताक्षर नहीं मिलने तथा अन्य कारणों से निरस्त हुआ है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए निर्वाचन विभाग को कुल 20 फॉर्म प्राप्त हुए है जिनमें से हस्ताक्षर के मिलान नहीं होने तथा हस्ताक्षर रिपीट होने जैसे अन्य कुछ कारणों से चार फॉर्म खारिज किये गये है।

केरल में रेप के दोषी को 142 साल की कैद : 5 लाख जुर्माना भी लगाया

10 साल की बच्ची का दो साल किया यौन शोषण

पत्तनमतिट्टा। केरल की एक अदालत ने 41 साल के व्यक्ति को पास्को एक्ट के तहत 142 साल की सजा सुनाई है। 5 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है। दोषी की कुछ सजाएं मर्ज हो जाएंगी, इसके बाद भी उसे 60 साल जेल में ही गुजारने होंगे। उस पर 10 साल की बच्ची से दो साल तक रेप का आरोप है। मामला राज्य के पत्तनमतिट्टा जिले का है। दोषी आनंदन पीआर उर्फ बाबू पीड़ित का रिश्तेदार है और उसके घर पर ही रहता था। उसने 2019-2021 के दौरान बच्ची का यौन शोषण किया। बच्ची के माता-पिता की शिकायत पर बाबू के खिलाफ 20 मार्च, 2021 को तिरुवल्ला पुलिस ने केस दर्ज किया था।

सौतेली बेटी से रेप के मामले में 30 साल कैद की सजा सुनाई थी

इससे पहले 30 अगस्त को केरल की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सौतेली बेटी के साथ रेप के मामले में पास्को एक्ट के तहत 30 साल की सजा सुनाई थी। दोषी पर 1.5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 32 साल के एक शख्स ने 2018 में इडुक्की जिले में अपनी नाबालिग सौतेली बेटी के साथ रेप किया था। कोर्ट ने नाबालिग की छोटी बहन के बयान के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया था।

मुंबई में 1476 करोड़ का ड्रग्स और कोकीन बरामद

संतरों से लदे ट्रक में छिपाकर ले जा रहे थे, इम्पोर्ट्स भी गिरफ्तार

वाशी। मुंबई डीआरआई ने वाशी के पास एक ट्रक से 198 किलो ड्रग्स और 9 किलो कोकीन बरामद किया है। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत करीब 1,476 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। तस्कर यह ड्रग्स और कोकीन संतरों से लदे ट्रक में छिपाकर ले जा रहे थे। डीआरआई ने इस बारे में जानकारी शेयर की है।

डीआरआई ने इम्पोर्ट्स को भी किया गिरफ्तार

राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के वाशी में एक ट्रक जांच के लिए रोका था।

ट्रक में इम्पोर्ट किए गए संतरों के डिब्बे लदे थे, लेकिन तस्करों ने डिब्बों के अंदर मेथामफेटामाइन और कोकीन छिपा रखा था। ट्रक को जब्त कर लिया गया है, एजेंसी ने माल इम्पोर्ट्स को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को एजेंसी ने मुंबई में ब्लैक कोकीन जब्त की थी। 26 सितंबर को डीआरआई की मुंबई शाखा ने एयरपोर्ट से 13 करोड़ की कोकीन बरामद की थी।

प्रतीक्षा की पीड़ा की कहानी ज़रूर सुने मोदी : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर कोरोना पीड़ित परिवार के बच्चों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए ऐसे बच्चों की मदद करने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया और कहा कि उन्हें कर्नाटक की नन्हीं प्रतीक्षा की मदद ज़रूर करनी चाहिए।

गांधी ने भारत जोडो यात्रा के दौरान कर्नाटक के ठंडवपुरा में कोरोना पीड़ित परिवारों के सदस्यों से बातचीत करते हुए उनकी समस्याएं सुनी। उन्हें इसी दौरान प्रतीक्षा नाम की एक छोटी बच्ची ने बताया कि उसके पिता की कोरोना से मृत्यु हो गई थी और उसकी सुनवाई नहीं हो रही है। उसका कहना है कि वह डॉक्टर बनकर मानवता की सेवा करना चाहती है।

कांग्रेस नेता ने ट्वीट कर मोदी से इस बच्ची की मदद का आग्रह करते हुए कहा प्रधानमंत्री जी, प्रतीक्षा की बात सुनें, जिसने भाजपा सरकार के कोविड कुप्रबंधन के कारण अपने पिता को खो दिया। वह अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने और परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार से मदद की गुहार लगाती है।

गांधी ने कोरोना पीड़ित परिजनों की समस्याएं सुनने के बाद सरकार से सवाल करते हुए पूछा क्या कोविड पीड़ितों के परिवार उचित मुआवजे के पात्र नहीं हैं। आप उन्हें उनके अधिकार से क्यों वंचित कर रहे हैं।

कोविड टीकाकरण में 218.68 करोड़ से अधिक टीके लगे

नयी दिल्ली। देशभर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 218.68 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक दो अरब 18 करोड़ 68 लाख 45 हजार 847 टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 3805 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 38 हजार 293 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.09 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 1.29 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 5069 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4 करोड़ 40 लाख 24 हजार 164 रोगी कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.73 प्रतिशत है।

देश में आया 5जी, पीएम ने की लॉन्चिंग

दिल्ली-मुंबई समेत 8 शहरों में एयरटेल की सर्विस, जीयो अगले साल देशभर में 5जी देगा

नई दिल्ली। देश में यानी एक अक्टूबर से 5जी मोबाइल सर्विसेस की शुरुआत हो गई है। इंडियन मोबाइल कांग्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5जी सर्विसेस लॉन्च कीं। 5जी के आने से इंटरनेट स्पीड 4जी की तुलना में करीब 10 गुना बढ़ जाएगी। दिल्ली के प्रगति मैदान में आज से टेलीकॉम इंडस्ट्री के बड़े इवेंट इंडियन मोबाइल कांग्रेस के छठे एडिशन की शुरूआत हुई है। ये इवेंट 4 दिन तक चलेगा।

एयरटेल ने की 8 शहरों से 5जी की शुरुआत

एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने 8 शहरों से 5जी की शुरुआत का ऐलान किया। इनमें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, वाराणसी, बेंगलुरु, हैदराबाद और सिलीगुड़ी है। एयरटेल का मार्च 2024 तक पूरे देश में 5त्र सर्विस पहुंचाने का प्लान है।

जियो की 5जी सर्विस की शुरुआत 4 शहरों से

रिलायंस ने बीते दिनों अपनी AGM में बताया था वो दिवाली तक 4 शहरों- दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई में 5जीसर्विस शुरू करेगी। वहीं मुकेश अंबानी ने आज इंडियन मोबाइल कांग्रेस में कहा कि जीयो के जरिए दिसंबर 2023 तक देश के हर कोने में 5जी सर्विस पहुंचेगी।

मुकेश अंबानी ने कहा कि 5जी का रोलआउट भारत के दूरसंचार इतिहास में कोई सामान्य घटना नहीं है। देश ने भले ही थोड़ी देर से शुरुआत की हो, लेकिन हम दुनिया की तुलना में उच्च गुणवत्ता वाली और अधिक किफायती 5जी सेवाओं को शुरू करेंगे।

5जी इंटरनेट सेवा के शुरू होने से भारत में काफी कुछ बदलने वाला है। इससे न सिर्फ लोगों का काम आसान होगा, बल्कि एंटरटेनमेंट और कम्युनिकेशन सेक्टर में भी काफी कुछ बदल जाएगा। 5जी के लिए काम कर रही कंपनी एरिक्सन का मानना है कि 5 साल में भारत में 50 करोड़ से ज्यादा 5जी इंटरनेट यूजर की संख्या होने वाली है।

दिल्ली में पॉल्यूशन सर्टिफिकेट बिना नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

प्रदूषण रोकने के लिए केजरीवाल सरकार का विंटर एक्शन प्लान तैयार

नई दिल्ली। अगर आप दिल्ली के नागरिक हैं और आपके पास वैलिड पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट नहीं है, तो आपको 25 अक्टूबर से पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा। ये कहना है दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय का। दिल्ली सरकार ने यह फैसला राजधानी में आगामी सर्दी के मौसम में बढ़ने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए लिया है। इसके लिए दिल्ली में 15 पॉइंट का ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान और विंटर एक्शन प्लान तैयार किया गया है, जिसे सख्ती से लागू किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली सचिवालय में एक ग्रीन वॉर रूम बनाया गया है, जो 24 घंटे काम करेगा। ये वॉर रूम 3 अक्टूबर से लॉन्च हो जाएंगे। गोपाल राय ने पर्यावरण मंत्रालय के सभी विभागों को अलर्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि एनसीआर के इलाकों में GRAP लागू होने में गंभीरता नहीं दिखती है। ग्रीन दिल्ली ऐप के जरिए हम जनभागीदारी को बढ़ाएंगे।

6 अक्टूबर से दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ कैंपेन

गोपाल राय के मुताबिक दिल्ली में 6 अक्टूबर से एंटी डस्ट कैंपेन यानी धूल से होने वाले प्रदूषण के खिलाफ कैंपेन शुरू किया जाएगा। इसके लिए 500 स्क्वेयर मीटर से ज्यादा की कंस्ट्रक्शन साइट्स को वेब पोर्टल पर रजिस्टर किया जाना कंपलसरी है। इसके अलावा पांच हजार स्क्वेयर मीटर से ज्यादा की साइटों पर स्मॉग गन लगाना जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदूषण की रोकथाम के लिए जो भी प्राइवेट एजेंसियां काम करती हैं, उन्हें इसकी तैयारी कर लेनी चाहिए।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार साल के शुरुआत से ही इस पर तैयारी कर रही है। मार्च में कई एजेंसियों से हमने सजेशन मांगे थे। दो मई को सजेशन आ गए थे। 29 सितम्बर को परिवहन, पर्यावरण, पुलिस आदि विभागों के साथ बैठक करके तैयारी शुरू कर दी गई है।

उन्होंने आगे कहा कि 10 अक्टूबर को राजधानी में बायो डिकम्पोजर का छिड़काव शुरू किया जाएगा। इसका छिड़काव पांच हजार एकड़ में होगा। मंत्री के मुताबिक पिछले साल नरेला बवाना, मुंडका इलाके से पराली जलाने की घटना आई थी।

उत्तरप्रदेश : चंदौली में दीवार गिरने से 3 मजदूरों की मौत

ग्रामीणों व पुलिस ने रेस्क्यू कर तीनों के शव निकाले, नींव खुदाई के दौरान हुआ हादसा

चंदौली। चंदौली के बलुआ थाना क्षेत्र के प्रभुपुर गांव में शनिवार को नींव खुदाई के दौरान दीवार ढहने से तीन मजदूर दब गए।

सूचना के बाद पहुंची पुलिस और ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर तीनों के शवों को निकाला। घटना के बाद पुलिस और जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी और गांव पहुंच रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, प्रभु पुर की यादव बस्ती में शनिवार को 3 मजदूर नींव की खुदाई करके मिट्टी में दबी हुई पुरानी ईंटों को निकाल रहे थे, तभी अचानक बगल में निर्मित चारदीवारी मजदूरों के ऊपर गिर पड़ी। जिससे तीनों मजदूर दीवार के मलबे में दब गए।

घटना की जानकारी होने के बाद ग्रामीणों में खलबली मच गई और लोग मजदूरों के बचाव और राहत कार्य में जुट गए। सूचना के बाद बलुआ थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।पुलिस और ग्रामीणों की टीम ने रेस्क्यू कर मजदूरों के शवों को निकाला।

मौके पर पहुंचे सीओ-एडीएम

मौके पर राहत और बचाव कार्य चल रहा है। हालांकि ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि कुछ और लोग भी दीवार के नीचे दबे हुए हो सकते हैं। घटना स्थल पर सीओ राजेश राय और एडीएम मनोज पाठक भी पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

केस में इजाफा : देश में कोविड परीक्षण कराने वालों की संख्या में हुई वृद्धि

नयी दिल्ली। देश भर में कोरोना परीक्षण कराने वालों की संख्या में लगातार इजाफा होता दिखाई दे रहा है, जिससे कोरोना की चपेट में आने वाले लोगों की संख्याओं की पुष्टि करने में आसानी हो रही है।

यहां पिछले 24 घंटों में 2,95,416 कोविड परीक्षण किए गये हैं। जिसके बाद कुल परीक्षणों की संख्या 89.53 करोड़ से अधिक हो चुकी हैं और शनिवार सुबह सात बजे तक 218.68 करोड़ टीके लगाए गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना महामारी संक्रमण के 3,805 नये मामले सामने आए, जिससे अब संक्रमित मरीजों का कुल आंकड़ा बढ़कर 4,45,91,112 हो गया। दैनिक संक्रमण दर 1.29 प्रतिशत है और इसी अवधि में कोविड-19 सक्रिय मामलों के आंकड़ों में 1290 की कमी आई है, जिससे अब संक्रिय मरीजों का आंकड़ा घटकर 38293 रह गया और सक्रिय मामलों की दर 0.09 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस से 5,096 लोग स्वस्थ हुए हैं और देश भर में अब तक कुल 4,40,24,164 लोग कोरोना मुक्त हो चुके हैं और इसी अवधि में कोरोना महामारी से 14 मरीजों की मौत हो गयी, जिससे देश भर में अब मृतकों की संख्या बढ़कर 528655 हो गई और मृत्यु दर 1.19 फीसदी पर बरकरार है और स्वस्थ दर बढ़कर 98.73 प्रतिशत हो गयी है।

पिछले 24 घंटों में आठ राज्यों और तीन केन्द्र शासित प्रदेश में कोराना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके मामलों में कमी देखी गयी है।

अकाउंट ब्लॉक

पीएफआई बैन के खिलाफ ट्वीट के बाद एक्शन, जुलाई में भी हुआ था ब्लॉक

भारत में पाकिस्तान सरकार का ट्विटर अकाउंट फिर बंद

नई दिल्ली। भारत में पाकिस्तान सरकार के ट्विटर अकाउंट को बंद कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत सरकार की कानूनी मांग के बाद ट्विटर ने कार्रवाई की है। पिछले दिनों सरकार के ट्विटर अकाउंट से पीएफआई पर 5 साल के बैन के खिलाफ ट्वीट किए गए थे। इसी वजह से यह कार्रवाई हुई है। हालांकि, इस मामले में भारत सरकार और ट्विटर की ओर से अभी ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दी गई है।

पाकिस्तान सरकार का ट्विटर हैंडल @GovtofPakistan के नाम से है। अब कोई भी भारत में पाकिस्तान सरकार के ट्विटर हैंडल को ओपन कर रहा है तो नोटिस लिखा मिल रहा है कि लीगल डिमांड पर इस अकाउंट को बंद किया गया है। इस कारण ट्विटर हैंडल पर पोस्ट की गई फोटो, वीडियो और टेक्स्ट अब भारत की जनता को नहीं दिख पा रहे हैं। हाल के महीनों में इस तरह की यह दूसरी घटना है। इस अकाउंट को पहले जुलाई में भी बंद किया गया था, लेकिन इसे फिर से बहाल कर दिया गया था।

भारत के खिलाफ नफरत फैलाने वाले 100 से ज्यादा यूट्यूब चैनल ब्लॉक

जून में भारत में ट्विटर ने संयुक्त राष्ट्र, तुर्की, ईरान और मिस्र में पाकिस्तान दूतावासों के आधिकारिक अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। आरोप था कि इन ट्विटर हैंडल से भारत के खिलाफ झूठी खबरें फैलाई जा रही थीं।इसके बाद अगस्त में भारत ने 8 यूट्यूब न्यूज चैनल को ब्लॉक किया था। इनमें से एक पाकिस्तान से संचालित किया जा रहा था।

केंद्र सरकार ने अब तक भारत के खिलाफ नफरत फैलाने वाले 100 से ज्यादा यूट्यूब चैनल, 4 फेसबुक पेज, 5 ट्विटर अकाउंट और 3 इंस्टाग्राम अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है।

सरकार ने 10 यूट्यूब चैनलों के 45 वीडियो ब्लॉक किए

खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर सरकार ने बीते सोमवार को यूट्यूब को 10 यूट्यूब चैनलों से 45 वीडियो को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अनुसार ये वीडियो फेक न्यूज फैलाकर पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को खराब कर रहे थे।

अगस्त में 8 यूट्यूब चैनल्स किए थे ब्लॉक

इससे पहले अगस्त में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश संबंधों और सार्वजनिक व्यवस्था के बारे में दुष्प्रचार करने के लिए 8 यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक कर दिया था। इनमें 7 भारतीय और 1 पाकिस्तानी यूट्यूब न्यूज चैनल शामिल थे। ब्लॉक चैनलों को 114 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया था। इनके 85 लाख 73 हजार यूजर्स हैं। मंत्रालय के अनुसार इन चैनलों पर फेक और भारत विरोधी कंटेंट परोसा जा रहा था।

शार्ट न्यूज

तेलंगाना सरकार ने शिक्षण संस्थानों में एसटी आरक्षण छह प्रतिशत से बढ़ाकर दस प्रतिशत किया

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने दशहरा के अवसर पर शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण को छह प्रतिशत से बढ़ाकर दस प्रतिशत करने की घोषणा की है। इस संबंध में राज्य सरकार ने शुक्रवार को आदेश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने राज्य में एसटी की दस प्रतिशत आबादी को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया है। आदेश के अनुसार यह आरक्षण शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरी में लागू होगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि करीब छह वर्ष पूर्व तेलंगाना विधानसभा में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण को छह प्रतिशत से बढ़ाकर दस प्रतिशत करने संबंधी विधेयक पास किया गया और इसे केन्द्र सरकार को राष्ट्रपति की अनुमति के लिए भेजा गया था। राज्य सरकार और मुख्यमंत्री श्री राव के कई अनुरोध के बावजूद यह विधेयक अभी तक लंबित है।

रक्तदान अमृत महोत्सव में राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड को मिला दूसरा स्थान

नयी दिल्ली/देहरादून। केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से एक अक्टूबर तक देश भर में आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव में उत्तराखंड को रक्तदाता कलेक्शन में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। शनिवार को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर दिल्ली में एम्स सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया द्वारा उत्तराखंड के प्रभारी सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ आर राजेश कुमार को इससे सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व प्रभारी सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार, निदेशक उत्तराखंड रक्त संचरण परिषद डॉ सरोज नैथानी, प्रभारी अधिकारी ब्लड सैल डॉ सुजाता सिंह भी मौजूद रही। स्वैच्छिक रक्तदान में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रदेश को मिली इस उपलब्धि पर प्रभारी सचिव ने सभी अधिकारी, कर्मचारी को बधाई देते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा उत्तराखंड को मिला यह सम्मान गौरव का विषय है। इसके साथ ही प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार के महानिदेशक डॉ अतुल गोयल व एम्स दिल्ली के निदेशक डॉ श्रीनिवासन भी उपस्थित रहे।

लापता नाबालिग युवती लुधियाना से बरामद

नैनीताल। उत्तराखंड के चंपावत से गुमशुदा नाबालिग युवती को पुलिस ने पंजाब से बरामद कर लिया है। युवती को परिजनों को सौंप दिया गया है। चंपावत पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चंपावत के लोहाघाट से एक 17 वर्षीया युवती 24 सितम्बर को लापता हो गयी थी। युवती के परिजनों की ओर से उसकी गुमशुदगी लोहाघाट पुलिस में दर्ज की गयी। युवती की तलाश के लिये मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू) व लोहाघाट पुलिस की एक टीम का गठन किया गया। इस दौरान एससीआरबी व एनसीआरबी से भी सम्पर्क साधा गया। सीसीटीवी फुटेज व मोबाइल सर्विलांस की मदद से युवती की लोकेशन पंजाब के लुधियाना में मिली। इसके बाद एक टीम को लुधियाना रवाना किया गया और युवती को सकुशल बरामद कर लिया गया। एएचटीयू प्रभारी शांति कुमार गंगवार के अनुसार युवती को लोहाघाट लाने के बाद परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

मोटी कमाई के चक्कर में राजमिस्त्री बना स्मैक तस्कर, गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड की हल्द्वानी पुलिस ने एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 103 ग्राम स्मैक बरामद की है। आरोपी राज मिस्त्री का धंधा करता था और अधिक पैसे कमाने के चक्कर में तस्कर बन गया। हल्द्वानी पुलिस के अनुसार आरोपी मिक्की वारसी निवासी नई बस्ती, बनभूलपुरा, हल्द्वानी स्मैक तस्करी के मामले में पहले भी जेल जा चुका है और उस पर पुलिस व विशेष अभियान समूह (एसओजी) की कड़ी नजर थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस व एसओजी की टीम ने आरोपी को शुक्रवार रात को सतवाल पेट्रोल पंप से गिरफ्तार किया। आरोपी ने बताया कि वह बरामद स्मैक को बरेली, बहेड़ी नशे के सौदागरों से खरीद कर लाया है और हल्द्वानी में 4000 से 5000 रुपये प्रति ग्राम बेच कर मोटा मुनाफा कमाता है। आरोपी मोटी कमाई के चक्कर में राजमिस्त्री के धंधे को छोड़कर तस्करी के धंधे में लग गया। पुलिस ने आरोपी के पास से इलैक्ट्रानिक तराजू भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास है और वह पहले भी जेल की हवा खा चुका है। पुलिस आरोपी के दो साथियों सलमान व महर आलम की तलाश कर रही है। आरोपी के खिलाफ हल्द्वानी व बनभूलपुरा थाना में दो अभियोग पंजीकृत हैं। हल्द्वानी पुलिस अभी तक विभिन्न तस्करों से 3.584 किग्रा स्मैक बरामद कर चुकी है।

आन्ध्र प्रदेश में मंडरा रहा चक्रवाती तूफान का खतरा

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है। इस तूफान का दायरा पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर समुद्र तल से 5.1 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, आंध्र प्रदेश के तट से पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान मंडरा रहा है और यह रायलसीमा और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक तक तटीय कर्नाटक में भी अपना असर दिखाने वाला है, क्योंकि यह समुद्र तल से 4.5 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है। बुलेटिन के अनुसार, अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वोत्तर और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी से लगे इलाकों में चक्रवात के बनने की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी

उत्तराखंड में प्रधानाचार्य पर लगा छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप, फरार

नैनीताल। उत्तराखंड के चंपावत में एक शर्मसार करने वाली घटना सामने आयी है। यहां एक सरकारी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य पर अपनी कालेज की एक नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा है। प्रधानाचार्य के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रधानाचार्य फराह है। आरोप है कि राजकीय इंटर कालेज के प्रधानाचार्य लीलांबर बिष्ट ने कल अपने ही कालेज की छात्रा को अकेली देखकर रास्ते में उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। छात्रा इससे घबरा गयी और रोते बिलखते घर पहुंची। उसने परिजनों को इसकी जानकारी दी। पाटी थाना प्रभारी बची सिंह बिष्ट ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर प्रधानाचार्य के खिलाफ देर रात को यौन शोषण संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। इस प्रकरण के बाद अभिभावकों व स्थानीय लोगों में रोष है। लोगों ने प्रधानाचार्य की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वयं पाटी पहुंचकर मामले की जानकारी ली। साथ ही आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिये।

दुष्कर्म, ब्लैकमेल के आरोप में पत्रकार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने स्वयंभू पत्रकार को दुष्कर्म, ब्लैकमेल और वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का भी गठन किया है। अनंतनाग जिले के नदीम अहमद गनी उर्फ नदीम नाडु को शुक्रवार को एक लड़की की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया। लड़की ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने अपने व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए बहला-फुसलाकर जबरन यौन संबंध बनाये। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे बहला-फुसलाकर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें लीं और उसका इस्तेमाल कई बार यौन संबंध बनाने के लिए उसे ब्लैकमेल करने के लिए किया। आरोपी उसे ब्लैकमेल करके सोने के गहने भी ले गया। पुलिस ने कहा कि जब आरोपी ने यह अपराध किया उस समय पीड़िता कश्मीर के एक संस्थान में छात्रा थी। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, इस मामले में और तथ्यों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

राष्ट्रपति ने की स्वच्छ सर्वेक्षण परिणामों की घोषणा, इंदौर लगातार छठे वर्ष सबसे स्वच्छ

नयी दिल्ली। झीलों और महलों का शहर इंदौर देश में एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में लगातार छठे वर्ष सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है। इस मामले में सूरत को दूसरा सबसे स्वच्छ और नवी मुंबई ने तीसरा सबसे स्वच्छ शहर का स्थान पाया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन के आठ साल और एसबीएम-शहरी 2.0 की पहली वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को आजादी के 75 स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के पुरस्कार समारोह में सबसे स्वच्छ राज्यों और शहरों के पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि इंदौर को अन्य शहरों के लिए एक आदर्श बनना चाहिए। राष्ट्रपति ने नागरिकों को 2 अक्टूबर 2022 से शुरू होने वाले तीन सप्ताह के विशेष स्वच्छता अभियान में शामिल होने का आह्वान किया और आशा व्यक्त की कि 2026 तक भारत के सभी शहरी क्षेत्र कचरा मुक्त हो जाएंगे।

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप एस पुरी और आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री कौशल किशोर ने शहरों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा राजधानी में तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के तहत कस्बों एवं शहरों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा स्वच्छता के लिए किए गए अच्छे कार्यों को मान्यता देने के लिए 160 से अधिक पुरस्कार दिए गए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने इस अवसर पर औपचारिक रूप से स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 डैशबोर्ड जारी किया और शीर्ष 12 पुरस्कार प्रदान किए। इंदौर को एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में लगातार छठे वर्ष सबसे स्वच्छ शहर का खिताब मिला है।

ईओडब्ल्यू की तीन स्थानों पर छापामार कार्यवाही

जबलपुर, सागर। मध्यप्रदेश आर्थिक अपराध शाखा की जबलपुर और सागर इकाई ने आज आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर तीन अलग-अलग मामलों में पांच स्थानों पर छापेमार कार्यवाही की। आधिकारिक जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू सागर ने निवाड़ी जिले में जल संसाधन विभाग के कर्मचारी कैलाश चंद्र मिश्रा के परिसर पर छापेमार कार्यवाही की। शुरुआती जांच में ईओडब्ल्यू को आरोपी के परिसरों से वैधानिक आय से करीब 110 फीसदी अधिक संपत्ति की जानकारी मिली है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। दूसरी कार्यवाही ईओडब्ल्यू जबलपुर इकाई ने मंडला के नैनपुर समिति प्रबंधक गणेश जायसवाल के परिसरों पर की। इस दौरान जांच एजेंसी को आरोपी के परिसरों से वैधानिक आय से करीब 600 फीसदी अधिक संपत्ति की जानकारी मिली है। प्रकरण में आरोपी और उसकी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसी प्रकार ईओडब्ल्यू जबलपुर ने मंडला के एक अन्य समिति प्रबंधक राजू जायसवाल के परिसरों पर भी छापेमार कार्यवाही की।

कांग्रेस के द्वारा प्रदेश भर में लगेगीं 500 गांधी चौपाल

भोपाल। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म दिवस 02 अक्टूबर से कांग्रेस पार्टी के द्वारा प्रदेश भर में 500 गांधी चौपाल लगाया जायेगा। चौपाल के प्रदेश प्रभारी भूपेन्द्र गुप्ता ने बताया कि बापू की जन्म जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को 500 गांधी चौपालें लगायीं जायेगी, जिसमें महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर चौपाल शुरू होगी। इसके बाद देश की एकता और समरसता के भजन गाये जायेंगे जो महात्मा गांधी जी की प्रार्थना सभा में गाये जाते थे। गुप्ता ने बताया कि कल भोपाल में प्रात: 10 बजे ग्राम बीलखेड़ा, रातीबड़ में चौपाल आयोजित की जायेगी जिसमें पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, प्रदेश प्रभारी भूपेन्द्र गुप्ता एवं सह प्रभारी जितेंद्र मिश्रा सहित जिला विचार विभाग अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव उपस्थित रहेंगें। कार्यक्रम में महात्मा गांधी की प्रार्थना सभा के भजनों से शुरूआत होगी। इस कार्यक्रम के द्वारा आर्थिक विसमता, गांव के आर्थिक शोषण, बेरोजगारी और मंहगाई जैसे विषयों पर चर्चा होगी। ग्राम स्वराज की अवधारणा, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता केंद्रीय विषय रहेंगे।

धान की अवैध आमद रोकने के लिए 12 उड़न दस्ते तैनात

जालंधर। पंजाब के जालंधर की मंडियों में लगभग 11 लाख टन धान की संभावित आवक के साथ ही जिले भर की मंडियों में शनिवार से धान की खरीद शुरू हो गई है। बाहरी राज्यों से जिले की मंडियों में अवैध धान की आमद रोकने के लिए 12 उड़न दस्ते तैनात किए गए हैं।

जिला उपायुक्त जसप्रीत सिंह ने करतारपुर के विधायक बलकार सिंह और जालंधर पश्चिम के विधायक रमन अरोड़ा के साथ स्थानीय न्यू अनाज मंडी में धान खरीद की शुरुआत की।

उन्होंने कहा कि मंडियों में पहले ही सभी जरूरी इंतजाम किए जा चुके हैं और इस सीजन के लिए पर्याप्त बोरियां भी उपलब्ध हैं। विधायक और उपायुक्त की उपस्थिति में संबंधित अधिकारी ने गिल गांव के किसान राशपाल सिंह द्वारा लाई गई फसल का ढेरी खरीदी। इसी तरह, महतपुर, भोगपुर, शाहकोट और करतारपुर की मंडियों में भी खरीद शुरू की गई, जहां किसानों की फसल निर्बाध तरीके से खरीदी गई।

उपायुक्त ने किसानों से निर्धारित नमी सीमा के भीतर विनिर्देशों के अनुसार धान लाने का आग्रह करते हुए कहा कि धान की खरीद 2060 रुपये प्रति क्विंटल की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जिले में 12 उड़न दस्तों के गठन के साथ जिला प्रशासन फर्जी खरीद, यदि कोई हो, और अन्य राज्यों से अवैध तरीके से फसल की आमद को रोकने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इन दस्तों का नेतृत्व जालंधर कैंट, आदमपुर, भोगपुर, फिल्लौर, नूरमहल, बिलगा, गोराया, शाहकोट, लोहियां खास, नकोदर और महतपुर नाम की विभिन्न बाजार समितियों के तहसीलदार और नायब तहसीलदार करेंगे।

श्री सिंह ने कहा कि ये टीमें मंडियों में सभी खरीद कार्यों की निगरानी करेंगी और जिले में कहीं भी पाए जाने पर अवैध गतिविधियों की रिपोर्ट करेंगी। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासनिक परिसर के कमरा नंबर 14-ए में फर्जी खरीद, अवैध पुनर्चक्रण या खरीद के संबंध में शिकायत दर्ज करने के लिए एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट से जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग

बेंच ने पूछा- दो बच्चों का नियम लागू करने का आदेश कैसे दें, इसकी जरूरत क्यों

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के नवीनतम अनुमानों में कहा गया है कि वैश्विक जनसंख्या 2030 तक लगभग 8.5 मिलियन, 2050 तक 9.7 बिलियन और 2100 तक 10.4 बिलियन तक बढ़ सकती है।

देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस यूयू ललित की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा कि दो बच्चों का नियम लागू करने का आदेश हम कैसे दे सकते हैं? कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने से इनकार करते हुए कहा कि आप बताइए कि इस कानून की जरूरत क्यों हैं? उसके बाद ही हम नोटिस देंगे।

अब इस मामले की 11 अक्टूबर को सुनवाई होगी। दरअसल, भाजपा नेता एवं वकील अश्विनी उपाध्याय, स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती और देवकीनंदन ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग की है।

कोर्ट ने कहा- आदर्श कई हैं, लेकिन आदेश कोर्ट नहीं दे सकता

CJI यूयू ललित और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने दलीलें सुनने के बाद कहा कि दो बच्चों की नीति लागू करने की मांग पर कोर्ट आदेश कैसे दे सकता है। इस पर उपाध्याय ने कहा कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा है। प्रधानमंत्री भी इस मुद्दे को उठा चुके हैं। इसके बाद बेंच उपाध्याय से कहा कि बहुत सी आदर्श चीजें हैं लेकिन हम उस आदेश कैसे दे सकता है। आदेश तभी दिया जा सकेगा जब वह लागू हो सके।

राज्यों को पक्षकार बनाने की गई थी मांग

सुनवाई शुरुआत में उपाध्याय ने याचिका के संबंध में दलील देते हुए कहा कि यह मामला जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित है। केंद्र सरकार इसमें अपना जवाब भी दाखिल कर चुकी है। उपाध्याय ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण का मुद्दा संविधान की समवर्ती सूची में आता है इसलिए उन्होंने एक अर्जी दाखिल की है, जिसमें राज्यों को भी पक्षकार बनाने की मांग की गई है।

मध्यप्रदेश में हवाई सुविधाओं को लेकर शिवराज-सिंधिया की चर्चा

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच आज राज्य में हवाई सेवा से जुड़ी सुविधाओं को लेकर चर्चा हुई। सिंधिया ने अपने भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री निवास पर श्री चौहान से सौजन्य भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच प्रदेश में हवाई सुविधाओं के विस्तारीकरण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने इसके बाद नारियल का पौधा लगाया। पौधारोपण के बाद श्री चौहान ने अपने ट्वीट में कहा कि नारियल सनातन संस्कृति में अत्यंत शुभ एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम है। उन्होंने कहा कि श्री सिंधिया ने उनके प्रतिदिन पौधरोपण के संकल्प में आज सहभागिता की। उन्होंने इसके लिए श्री सिंधिया का आभार भी प्रकट किया।

जिंदगी के अंतिम सांस तक राजस्थान की सेवा करता रहूंगा : गहलोत

बीकानेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि वह राजस्थान के हैं और जहां पैदा हुए उससे दूर नहीं रह सकते और जिंदगी की आखिरी सांस तक कहीं भी, किसी भी पद पर रहे वह प्रदेश की सेवा करते रहेंगे।

गहलोत ने आज यहां मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने एक सवाल पर कहा मैं कहीं भी रहूं, किसी पद पर रहू, राजस्थान का हूं, मारवाड़ का हूं, जोधपुर का हूं, महामंदिर का हूं, जहां मैं पैदा हुआ, उससे कैसे दूर हो सकता हूं। जिंदगी के अंतिम सांस तक कहीं भी रहूं, तो सेवा करता रहूंगा। बार बार जो मैं कहता हूं उसके मायने होते हैं। उन्होंने भाजपा पर राज्य सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसने खूब खरीद फरोख्त के प्रयास कर लिए लेकिन हमारे लोग मजबूत हैं और हम पांच साल पूरे करेंगे। उन्होंने कहा कि अगला बजट युवाओं एवं छात्रों के लिए होगा और वह प्रदेशवासियों से दिल से अपील करना चाहेंगे कि वे उनके कोई सुझाव हो, वे मुझे सीधा भेजे। उन्होंने कहा कि देश का अगला भविष्य युवा पीढ़ी पर है।

उन्होंने प्रदेश के लोगों से विनम्र अपील करते हुए कहा आप बार बार सरकार बदल देते हैं। मेरे अच्छे काम होते हैं। तब भी आप हवा में बह जाते हैं। कभी मोदी की हवा बह जाते हैं। एक बार कर्मचारी मेरे विरोध में हो गए थे। हमारी बातचीत नहीं हो पाई और उन्होंने नाराज होकर गांठ बांध ली थी। अगर बातचीत रहती तो यह स्थिति नहीं बनती।

जोधपुर से जगन्नाथपुरी के लिए वरिष्ठ नागरिकों की ट्रेन 11 अक्टूबर को होगी रवाना

जोधपुर। राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत जोधपुर से जगन्नाथपुरी के लिए वरिष्ठ नागरिकों की ट्रेन 11 अक्टूबर को जोधपुर से रवाना होगी। देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त जतिन गांधी ने बताया कि आगामी 11 अक्टूबर को वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा की ट्रेन में जोधपुर रेलवे स्टेशन से कुल 425 यात्री सवार होंगे। इसमें जोधपुर संभाग के 237 यात्री, बीकानेर एवं चूरू के 70, हनुमानगढ़ एवं गंगानगर के 48 और डूंगरपुर एवं बांसवाड़ा जिले के 70 वरिष्ठ नागरिक यात्रा करेंगे। उन्होंने बताया कि ट्रेन भगत की कोठी रेलवे स्टेशन से प्रात: 10 बजे रवाना होगी। जोधपुर संभाग के समस्त चयनित यात्रियों को दूरभाष एवं एसएमएस द्वारा भी सूचना दी जा रही है।

हरियाणा में पंचायत चुनाव जल्द : सोमवार को चंडीगढ़ में चुनाव आयोग करेगा घोषणा

4 चरणों में 71,763 पदों के लिए वोटिंग होगी

चंडीगढ़। हरियाणा में पंचायत चुनाव की सोमवार को घोषणा होने जा रही है। राज्य चुनाव आयोग के चुनाव आयुक्त धनपत सिंह चंडीगढ़ में इसकी घोषणा करेंगे। इस बार सूबे में 71,763 पदों पर चुनाव होने हैं। राज्य में पहली बार चुनाव आयोग चार चरणों में पंचायत चुनाव कराने जा रहा है।

राज्य निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार, मतदान पार्टी में 4 अधिकारी शामिल होंगे, जिनमें एक पीठासीन अधिकारी तथा 3 मतदान अधिकारी होंगे, ताकि शांतिपूर्वक ढंग से चुनाव करवाएं जा सकें। इसके लिए संबंधित अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी, जिन्हें निष्पक्षता से मतदान करवाना होगा।

पंचायतों के इन पदों पर मतदान

हरियाणा में पंचायतों के 71,763 पदों पर चुनाव होने हैं। इनमें 6,226 पद सरपंचों के हैं ग्राम पंचायतों में पंच के 62,040 पद हैं। 143 पंचायत समितियों में 3086 सदस्यों का चुनाव होगा। वहीं 22 जिला परिषदों में 411 सदस्य हैं। पंचायत समितियों और जिला परिषदों में बाद में चेयरमैन चुने जाएंगे।

मतदान प्रक्रिया की होगी वीडियोग्राफी

पंचायत चुनाव के दौरान अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर वीडियोग्राफी कराने के आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान करके उनकी सुरक्षा के लिए व्यवस्था की जा रही है, ताकि मतदान केंद्रों पर हिंसा, लूट व बूथ कैप्चरिंग आदि की घटनाएं न हों।

गांधी, शास्त्री की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित करेगा लोकसभा

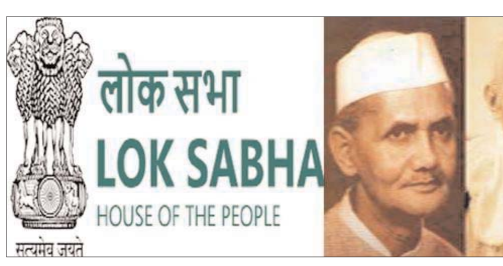

नयी दिल्ली। लोकतंत्र के लिए संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड), लोकसभा सचिवालय, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय तथा केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय के समन्वय से संसद भवन के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर रविवार को यहां एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक कार्यक्रम के लिए देश भर के 28 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों और कॉलेजों से 99 युवा प्रतिभागियों का चयन किया गया है। शिक्षा मंत्रालय तथा युवा मामले और खेल मंत्रालय ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से इनका चयन किया है। इस मौके पर सभी प्रतिभागी संसद के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रीय नेताओं को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे और उनमें से 30 चयनित प्रतिभागियों को देश के विकास में हमारे राष्ट्रीय नेताओं के योगदान के बारे में बोलने के लिए एक मंच प्रदान किया जाएगा। प्रतिभागी युवकों की ओर से सिद्धांतों को दोहराया जाएगा और अपने जीवन के आदर्शों के बारे में बताया जाएगा। बयान में कहा गया है कि संसद के दौरे के दौरान उन्हें दोनों सदनों के चैंबर, संसद पुस्तकालय के साथ-साथ कार्तव्य पथ, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक और राजघाट भी ले जाया जाएगा।

जलवायु परिवर्तन से चुनौती बढी : तोमर

नयी दिल्ली। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने आज कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में हमारी चुनौती और भी बढ़ गयी है और किसानों को पर्याप्त मात्रा में साधनों की उपलब्धता के बावजूद प्रकृति पर निर्भर रहना ही पड़ता है। तोमर ने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के 59वें स्थापना दिवस समारोह को ऑनलाइन सम्बोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश खेती के क्षेत्र में अग्रणी राज्य माना जाता है तो उसकी बुनियाद में कृषि विश्वविद्यालय की , कृषि विज्ञान केंद्रों तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के रूप में एक सुरक्षा कवच किसानों को उपलब्ध कराया है। बीते छह वर्षों से किसानों को हुए फसलों के नुकसान की भरपाई के बतौर 1.22 लाख करोड़ रुपये उन्हें दावे के दिए गए हैं।

मां चामुंडा मंदिर में पूजा करने से भक्तों को कष्टों से मिलती है मुक्ति

एजेंसी

नवादा। बिहार में नवादा जिले के मां चामुंडा मंदिर में पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होने के साथ ही उन्हें कष्टों से मुक्ति भी मिल जाती है। नवादा से करीब 23 किलोमीटर दूर रोह-कौआकोल मार्ग पर स्थित रूपौ गांव में मां चामुंडा मंदिर में पूजा करने से भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण होती है। नवरात्र में यहां भारी संख्या में भक्त पूजा-पाठ करने के लिए आते है। मां चामुंडा देवी के दरबार में नवरात्र के दौरान उपासना से भक्तों को रूप, जय और यश की प्राप्ति होती है। मां चामुंडा देवी के दर्शन एवं पूजन से भक्तों को जीवन की समस्त बाधाओं और कष्टों से मुक्ति मिलती है। मां चामुंडा शक्तिपीठ में सप्तमी को विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। सुबह से ही श्रद्धालु यहां पहुंच कर माता की अराधना में जुट जाते हैं।

चिह्नित राज्य आंदोलनकारी भी करेंगे उत्तराखंड बंद का समर्थन

नयी दिल्ली। उत्तराखंड के चिह्नित आंदोलनकारी भी गांधी जयंती पर अंकिता भंडारी हत्याकांड के विरोध में उत्तराखंड क्रांति दल के राज्य बंद रखने के एलान का समर्थन करेंगे। उत्तराखंड में राज्य निर्माण आंदोलनकारियों के सबसे बड़े संगठन चिह्नित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के केंद्रीय मुख्य संरक्षक एवं प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि उनका संगठन 02 अक्टूबर को उत्तराखंड क्रांति दल द्वारा आयोजित राज्य बंद को पूर्ण समर्थन देगा।

रक्तदान अमृत महोत्सव में 2.5 लाख लोगों ने किया रक्तदान

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि रक्तदान अमृत महोत्सव की सफलता ने मानवता के नेक काम को मजबूत किया है जो कई कीमती जिंदगियों को बचाने में बहुत मदद करेगा।

मांडविया ने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में राष्ट्रीय रक्तदान दिवस 2022 को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान एक नेक कार्य है। उन्होंने कहा, हमारी समृद्ध संस्कृति और सेवा और सहयोग की परंपरा को देखते हुए , राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर, आइए हम सभी किसी और के लिए हमेशा रहने और नियमित रूप से रक्तदान करने का संकल्प लें। इस अवसर पर एम्स के निदेशक डॉ एम श्रीनिवास भी उपस्थित थे।

रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि रक्तदान ही सेवा है और एक दूसरे की मदद करना हमारी जिम्मेदारी है। भारत की कोविड महामारी प्रतिक्रिया लोक भागीदारी की समृद्ध परंपरा से प्रेरित थी और महामारी का प्रबंधन करने का रास्ता दिखाया है तथा दुनिया के सबसे बड़े कोविड टीकाकरण का नेतृत्व किया है।

मांडविया ने कहा कि रक्तदान अमृत महोत्सव के तहत ढाई लाख से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं और अनुकरणीय कार्य करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, दुर्लभ रक्त समूह दाताओं, नियमित एकल दाता प्लेटलेट्स (एसडीपी) दाताओं, महिला रक्त दाताओं, नियमित स्वैच्छिक रक्त दाताओं को भी सम्मानित किया।

भारतीय नारी : घर और बाहर

लोक संसद का अगला जुटान 8-9 अक्तूबर 2022 को परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में होने जा रहा है। माता ललिता देवी सेवाश्रम ट्रस्ट और परमार्थ निकेतन के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन के विमर्श के केंद्र में भारतीय नारी रहेगी, नारी संसद लगेगी। दो दिवसीय इस संसद के चार सत्र होंगे। चूंकि भारतीय समाज की प्राथमिक इकाई परिवार है और इसके केंद्र में महिला है तो पहला सेशन परिवार की संरचना और कार्य संचालन पर रहेगा। दूसरे सत्र में विदुषी वक्ता खुद बताएंगी कि भारतीय नारी के लिए क्या-क्या करना ठीक रहेगा, उसके सपने क्या हैं और चुनौती कहां आ रही है। तीसरा सत्र नारी शिक्षा, स्वास्थ्य व पर्यावरण से जुड़ा है।

पहले और तीसरे सत्र के दो हिस्से हैं। पहला संबोधन, जिसमें वक्ता विस्तार से विषय की बारीकियों पर बात रखेंगी। जबकि दूसरा हिस्सा संवाद है, जिसमें बुनियादी महलों पर जमीन पर करने वाली महिलाएं व इनका समूह अपना अनुभव शेयर करेगा। यह हिस्सा knowledge sharing और network building से जुड़ा है। हर सत्र में परमार्थ निकेतन के बच्चे लघु नाटिका से विषय विशेष पर नाट्य मंचन करेंगे।

नारी संसद के सहसंयोजक रवि शंकर तिवारी ने बताया कि इसके अलग-अलग सत्रों में मुख्य अतिथि के तौर पर माननीय आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल, केरल, श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, विधानसभा अध्यक्ष, उत्तराखंड, श्रीमती ऋतु खंडूरी भूषण की अभी तक औपचारिक सहमति मिल गई है। अभी कई नाम सम्मानित

माता ललिता देवी सेवाश्रम और परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। 8-9 अक्टूबर को नारी संसद। सरंक्षक के एन गोविंदाचार्य, अध्यक्ष परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद मुनि और संयोजक वरिष्ठ पत्रकार रविशंकर तिवारी।

लोगों से औपचारिक पत्र नहीं प्राप्त हुआ है। परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती जी, चिंतक व विचारक माननीय केएन गोविंदाचार्य व जल पुरुष श्री राजेंद्र सिंह जी का सानिध्य मिलेगा। सांसद श्री मनोज तिवारी, पर्यावरणविद श्रीमती वंदना शिवा, कई विश्वविद्यालयों की महिला कुलपति बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगी। इसके अलावा दिल्ली, लखनऊ, गोरखपुर समेत दूसरे विश्वविद्यालयों की प्रोफेसर, उत्तराखंड से तमिलनाडु तक की एन्टरप्रेन्योर, शोधार्थी और जमीन पर काम करके समाज में सकारात्मक बदलाव ला रही महिलाएं भी अपने अनुभव से नारी संसद को समृद्ध करेंगी।

दो दिवसीय आयोजन का मकसद भारतीय नजरिए से महिलाओं के अतीत और वर्तमान पर संजीदा विमर्श को आगे बढ़ाना है। इससे व्यावहारिक ज्ञान की जो धारा निकलेगी, उससे भविष्य की कार्ययोजना के प्रस्ताव तैयार होंगे। जो काम राज को करना है, उससे जुड़े प्रस्ताव केंद्र व राज्य सरकारों को सौंपे जाएंगे। और जो समाज को करना है, उसे समाज को।

वहीं, केएन गोविंदाचार्य ने कहा कि नारी को लेकर भारत की जो समझ है, देश-समाज की चेतना है, वह यह कि परस्पर पूरकता ही समाज में संपूर्णता लाती है। लेकिन पिछले 200 साल की स्थितियों में बड़ा बदलाव आया है। आज पश्चिमी सामाजिक परिस्थितियों से प्रभावित विचार हावी होने लगे हैं। इसमें नारी का Commodification, वस्तुकरण होने लगा है। नारी वस्तु समझी जाने लगी है। यह बाजारवाद की अधिकता का नतीजा है। यहां सुख मतलब केवल भौतिक सुख, सुख मतलब केवल मेरा सुख रह गया है। यह वातावरण के प्रदूषण का परिणाम है। आज के दौर में इन सबकी मीमांसा की जानी चाहिए। नारी की समाज में, घर में, बाहर भूमिका क्या हो, इस पर एक बार पुनः चिंतन की जरूरत है। नारी संसद इसी की जमीन तैयार करेगी।

और यही नहीं, इससे ज्यादा जरूरी भी कई दूसरी चीजें हैं। घर की सत्ता, संपत्ति और सम्मान में नारी की भागीदारी हो, गृहलक्ष्मी की भूमिका में वह घर की धुरी कैसे रहे, आज की नारी व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक तीनों दायित्वों में संतुलन बिठा सके, घर में उसकी भूमिका, घर के बाहर उसकी भूमिका, काम करने वाली महिला की भूमिका, न ?जदूरी करने वाली महिला की भूमिका, जो समाज के अलग-अलग स्तरों पर महिला की भूमिका है, उसका भी एक बार विचार, समालोचन होने की आवश्यकता है।

कोशिश इन सवालों के जवाब भी ढूढ़ने की होगी कि नारी की स्वतंत्रता और समानता की व्याख्या कौन करेगा और वह क्या होगी? नारी सशक्तिकरण की परिभाषा तय कौन करेगा? परिवार का ढांचा क्या होना चाहिए? क्या हम ऐसे समाज और परिवार की कल्पना कर सकते हैं, जिसमें मां ने हो, संबंध न हों? मातृत्व जवाबदेही है या जिम्मेदारी? नारी शिक्षा, स्वास्थ्य, सतत विकास ?जैसे मसलों का कैसे माकूल हल निकला जाए? घर और बाहर कैसे सुरक्षा सुनिश्चित की जाए? नारी संसद में इन सब बेहद जरूरी मुद्दों कई फलप्रद विचार सामने आएंगे और संतों का मार्गदर्शन भी समाज के लिए प्राप्त होगा।

भारतीय चिंतक केएन गोविंदाचार्य के संरक्षकत्व में आयोजित दो दिवसीय नारी संसद की अध्यक्षता परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद मुनि जी करेंगे। बतौर सह संयोजक आयोजन की पूरी कार्ययोजना तैयार करने और उसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी प्रो. प्रत्यूष वत्सला, प्रो. सीमा सिंह, प्रो. रचना बिमल और प्रो. कुमुद शर्मा उठा रही हैं।

लोक में गंगा

गंगा जी हम सबकी मां हैं। और मां की अपनी छवि है हम सबमें, हर 'लोक' में। पहाड़ों में एक है, मैदान में दूसरी। सागर तट तक पहुंचते-पहुंचते मां कुछ और हो जाती है। बावजूद इस फर्क के, मां गंगा उत्तर भारत के लोक को सीधे तौर पर और दक्षिण को परोक्ष तौर पर बांधे रखती है।

गंगा जी के आंचल में आयोजित नारी संसद गंगा जी के लोक को साथ ला रहा है। ऋषिकेश, गंगा जी के तट पर लोक संस्कृतियों का भी मिलन होगा, संगीतमय 8-9 अक्तूबर की शाम, लोक में गंगा आयोजन में। इसमें पहाड़ से सागर तट के लोक कलाकार साथ-साथ प्रस्तुति दें।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर बुजुर्गों की समर्पण सेवा भाव से अतिथियों ने किया आदर

वृद्धजनों की सेवा में समर्पित संस्थान 'सेवा सीनियर सिटीजन हॉम' में सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नांगल चौधरी। सोसायटी फॉर एजुकेशन एण्ड वेलफेयर एक्टिविटीज़ सेवा द्वारा चलाया जा रहा सेवा सीनियर सिटीजन होम में शनिवार को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर वृद्ध सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रविन्द्र चौधरी ने कीं साथ ही इस अवसर पर समाज सेवी एवं हिन्दी अध्यापक जसवन्त सिंह बतौर मुख्य अतिथि स्वरूप उपस्थित हुए।

अध्यापक जसवन्त सिंह ने कहा कि सेवा संस्था द्वारा चलाया जा रहा कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि, सामान्य परिवार में एक माता-पिता की सेवा नहीं देखा जा सकता। जितना सेवा संस्थान में संस्था के कर्मचारी कर रहे हैं। समाज के गरीब, असहाय, मजबूर व लाचार लोगों की सेवा के लिए सीनियर सिटीजन होम बुजुर्गों को मिलने वाले सम्मान और देखभाल के लिए सदैव समर्पित है।

अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस उपलक्ष्य सभी बुजुर्गों को टोपी पहना कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी बुजुर्गों ने आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद के सचिव सत्यवीर स्वामी, बुजुर्ग नेत्र प्रकाश, चमेली देवी, बुधराम, वंटा सिंह, प्रकाश, माँगेराम, विशंभर दयाल, मदन सचदेवा, हरिशंकर सैनी समेत संस्था अधिकारी उपस्थित रहे।

तार से फंदा लगा खुदकुशी की, साले पर आरोप

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले के नचोली गांव में एक व्यक्ति ने अपने घर में तार से फंदा लगाकर जान दे दी। सुसाइड नोट में मृतक ने अपने साले पर आरोप लगाया है कि वह उसे पत्नी और बच्चों से नहीं मिलने देता था। इसके चलते उसने यह कदम उठाया है। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर लिया है। गांव नचोली में किराये पर रहने वाली शुकंतला ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसका बेटा अनदीप सिंह शादीशुदा था और तीन बच्चे हैं। करीब तीन महीने पहले अनदीप का साला संजीव उसकी बहू बबीता और उनके पोते और पोतियों को साथ ले गया। संजीव ने अपनी बहन और बच्चों को बात करने और मिलने से मना कर दिया था। इस बात से अनदीप परेशान रहता था। इस कारण वह डायरी और रजिस्टर में कुछ लिखता भी रहता था। गुरुवार को शाम करीब छह बजे अमनदीप ने बिजली के तार के सहारे पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने महिला के बयान पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मेवाड़ में शुरू हुआ जिले का पहला अनोखा गांधी स्टडी सेंटर

वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री राम बहादुर राय ने किया उद्घाटन

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में नवनिर्मित गांधी स्टडी सेंटर का उद्घाटन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री राम बहादुर राय ने दीप जलाकर किया। गाजियाबाद में शुरू हुए इस पहले अनोखे सेंटर में गांधी जी से जुड़े साहित्य को संजोकर रखा गया है। इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 153वीं एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 128वीं जयंती पर आयोजित समारोह में विद्यार्थियों ने देशभक्ति कविताओं व अपने विचारों के जरिये महापुरुषों को याद किया। इस मौके पर मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विद्यार्थियों से कहा कि महात्मा गांधी और शास्त्री जी हमारे देश के अनमोल रत्न हैं। गांधी जी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की तो शास्त्री जी ने अपनी सूझ-बूझ से देश को स्वावलम्बी बनाया। डॉ. गदिया ने कहा कि गांधी जी के सुराज से ही हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं। अपने देश के विकास में ही हम सबका विकास निहित है। उन्होंने महात्मा गांधी व शास्त्री जी के जीवन से जुड़े अनेक प्रसंग सुनाये। उन्होंने बताया कि गांधी जी सम्पन्न परिवार से होने के बावजूद सादा जीवन जिये और आम आदमी की तरह जनता के बीच रहे, इसीलिए उनका आंदोलन जन आंदोलन बना। अंग्रेजों से उन्होंने जनता के बूते स्वाधीनता छीनी। जनता की आवाज बने, तभी गांधी जी राष्ट्रपिता कहलाये। इसी प्रकार साधारण कद-काठी होने के बावजूद शास्त्री जी ने असाधारण कार्य किये। अन्न संकट से देश की जनता को छुटकारा दिलाया। दोनों महापुरुषों का जो सम्मान विदेशों में है, हमारे देश में भी वैसा अगर हो तो हम सच्चे देशभक्त कहलाने के लायक होंगे। कार्यक्रम में यशिका, रिया, विनय, प्रियंका राणा, सीतू पांडेय, आंचल, सुमन गौतम आदि विद्यार्थियों ने नाटक, कविताएं, समूह गान, एकल गान आदि प्रस्तुत कर गांधी जी के स्वच्छता, छुआछूत, अहिंसा के पाठ को दोहराया। विद्यार्थियों ने नशामुक्ति की शपथ भी ली। इस मौके पर मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल, मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट के प्राचार्य डॉ. संजय सिंह समेत मेवाड़ परिवार के तमाम सदस्य मौजूद रहे।

शार्ट न्यूज

द फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स अवार्ड समारोह का होगा आयोजन

नई दिल्ली। द फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 90 पुस्तकों के उत्कृष्ट उत्पादन के लिए पब्लिशर्स को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे, विशिष्ट अतिथि के रूप में जस्टिस मनमोहन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। द फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स ने आजादी का अमृत महोत्सव भी मनाया और इस मौके पर केंद्रीय विदेश वाणिज्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय शिक्षा एवं विदेश राज्य मंत्री राजकमार रंजन सिंह भी मौजूद थे। इस मौके पर पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया। इस मौके पर द फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स के प्रेसिडेंट एमेरिटस अशोक के घोष, प्रेसिडेंट रमेश के मित्तल, सेक्रेटरी डॉ अशोक गुप्ता, ट्रेजरार नवीन गुप्ता, ज्वाइंट सेक्रेट्री प्रणव गुप्ता आदि लोगों ने आए हुए सभी अतिथियों और श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

नव हिंद गर्ल्स स्कूल मे गांधी जयंती पर छात्राओं द्वारा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया

रोहतक। गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर नव हिंद गर्ल्स स्कूल , न्यू रोहतक रोड मे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती अत्यंत उत्साह से मनाई गयी। विधार्थी गांधी जी के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को उच्च विचार-व्यवहार युक्त बना सकें। छात्राओं द्वारा उत्सव अनुरूप वेश धारण करके गांधी जी के विचारों को एक नाटिका द्वारा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती सीमा खरबंदा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि देश को अंग्रेजों से स्वतंत्र कराने में नेतृत्व करने वाले गांधी जी महान राजनीतिज्ञ एवं समाज सुधारक रहे। आजादी के आंदोलन में उन्होंने सत्य और अहिंसा का रास्ता चुना और इन दो हथियारों से ही अंग्रेजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। सत्य और अहिंसा उनके जीवन का मूल मंत्र था। इसी के साथ गांधी जी सहिष्णुता, त्याग, संयम का शानदार उदाहरण थे। उनके जीवन की प्रत्येक गतिविधि खान-पान, रहन-सहन, भाव-विचार भाषा शैली, हम सभी के लिए अनुकरणीय है जिसे धारण करके हम अपना जीवन सफल बना सकते हैं और राष्ट्र तथा समाज में अपनी भूमिका अच्छे ढंग से निभा सकते हैं।

दिल्ली में 17 हजार से अधिक पदों पर स्थायी भर्ती की तैयारी, सरकार ने तेज की प्रक्रिया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में जल्द ही 17,256 पदों पर स्थायी भर्ती हो सकती है। इसके लिए सेवा विभाग ने विभिन्न विभागों से उनके यहां खाली पड़े हुए पदों की जानकारी आगामी तीन माह के भीतर दिल्ली राज्य अधीनस्थ सेवा भर्ती बोर्ड (डीएसएसएसबी) और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को मुहैया कराने के लिए कहा है। इनमें उन पदों को भी शामिल करने के लिए कहा गया है जो अगले छह माह में खाली होने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली सरकार में 17,256 ऐसे पद अभी खाली पड़े हुए हैं जिन पर सीधे भर्ती की जा सकती है। उपराज्यपाल के निर्देश पर सेवा विभाग द्वारा इन पदों पर नियुक्ति के लिए प्रयास शुरू किए गए हैं। विभाग ने आदेश जारी कर सभी विभागों को खाली पड़े हुए ऐसे पदों की जानकारी डीएसएसएसबी और यूपीएससी को उपलब्ध कराने को कहा है। इसके अलावा कहा गया है कि दिल्ली सरकार द्वारा अभी के समय में कई ऐसे पदों पर अस्थायी कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। समय अवधि खत्म होने पर उन्हें सेवा विस्तार दिया जाता है। कई एजेंसियों के माध्यम से भी ऐसे पदों के लिए अस्थायी कर्मचारियों को रखा गया है। इस पर दिल्ली के मुख्य सचिव ने संज्ञान लेते हुए उन सभी पदों की जानकारी मुहैया कराने के लिए कहा है जिन पर ऐसे अस्थायी कर्मचारी तैनात हैं।

पुरानी शराब नीति ने दिल्ली सरकार को बनाया मालामाल

एक महीने में मिला 768 करोड़ राजस्व; 460 दुकानें खुली

नई दिल्ली। बीते एक महीने में पुरानी शराब नीति लागू होने के बाद सरकार को 768 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है।

पुरानी नीति के तहत दिल्ली में अभी तक करीब 460 दुकानें खुली हैं, जबकि इस माह में 500 दुकानें खोली जानी थी।

इस दौरान कुल 291 लाख शराब की बोतलों की बिक्री हुई है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने जुलाई में शराब की नई नीति में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। जिसके बाद दिल्ली सरकार ने आबकारी नीति 2021-22 को वापस ले लिया था।

दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, %एक सितंबर से लागू मौजूदा नीति के तहत 768 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया है, जिसमें 460 करोड़ रुपये उत्पाद शुल्क और 140 करोड़ रुपये वैट के शामिल है। मौजूदा नीति के तहत, दिल्ली सरकार के चार निगमों- डीटीटीडीसी, डीएसआईआईडीसी, डीएससीएससी, डीसीसीडब्ल्यूएस ने शहर भर में खुदरा दुकानें खोली हैं।

आबकारी विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक, यह राजस्व अलग-अलग मद में मिला है। एक्साइज ड्यूटी के रूप में सरकार को 460 करोड़ का राजस्व मिला है। शराब पर लगने वाले वैट से 140 करोड़ मिले हैं। इसके अलावा देशी शराब की बिक्री से 30 करोड़, एल1 लाइसेंस (शराब होलसेल) से 44 करोड़, एल6 (शराब की दुकान) लाइसेंसधारियों से 26 करोड़ और होटल, क्लब और बार के लाइसेंस व शराब बिक्री से कुल 85 करोड़ का राजस्व मिला है।

स्वाइन फ्लू के 16 नए मरीज मिले

नोएडा। स्वाइन फ्लू के 16 नए मरीजों की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग ने की है। सरकारी और निजी अस्पतालों में 21 सितंबर से एक अक्तूबर तक हुई जांच में ये पॉजिटिव पाए गए। इस साल अब तक स्वाइन फ्लू के 91 मरीज मिल चुके हैं। दो का इलाज चल रहा है, अन्य स्वस्थ हो चुके हैं। प्रतिदिन स्वाइन फ्लू के औसतन एक-दो मरीज मिल रहे हैं। हालांकि किसी भी मरीज की स्थिति गंभीर नहीं हुई है। 89 मरीज हफ्ते भर के इलाज में स्वस्थ हुए हैं। दो मरीज निजी अस्पताल में भर्ती हैं। इनका इलाज चल रहा है। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. मनोज कुशवाहा ने बताया कि संक्रमित मरीजों में कोई भी विदेश से नहीं लौटा है।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'गांधी और आज का भारत' व्याखान में मुख्यातिथि होंगे उत्तराखंड के राज्यपाल

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर 'गाँधी और आज का भारत' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के वाइस-रीगल लॉज के कन्वोकेशन हॉल में 3 अक्टूबर को साँय 4:00 बजे किया जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय गांधी भवन के निदेशक प्रो. के.पी. सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) गुरमीत सिंह मुख्य अतिथि होंगे और सुलभ इंडिया के फाउंडर पद्म भूषण डॉ बिन्देश्वर पाठक विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह द्वारा की जाएगी।

प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम गाँधी के भारत और आज के भारत का समग्र चिंतन मनन और कार्यान्वयन के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होने कहा कि गाँधी जी ने अपनी पुस्तक 'हिन्द स्वराज' में कहा था भारत से केवल अंग्रेजों और उनके राज्य को हटाने से भारत को अपने सच्ची सभ्यता का स्वराज्य नहीं मिलेगा। हम अंग्रेजो को हटा दे और उन्ही के आदर्शो और सभ्यता को स्वीकार कर ले तो हमारा वास्तविक उद्धार नहीं होगा 'हमे अपनी आत्मा को बचाना चाहिए'। उन्होने बताया कि गाँधी ने मेरे सपनो का भारत नामक पुस्तक में विस्तार से भारत कैसा हो पर प्रकाश डाला है। आज जब हमारे सार्वजनिक जीवन के साथ साथ हमारे निजी जीवन में नैतिक मूल्यों का तेजी से ह्रास हो रहा है, नैतिक सिद्धांत राजनीती से लगभग गायब ही हो गए हैं; इस विषम परिस्थिती में गाँधी विचार एक प्रभावी विकल्प के रूप में दिखाई देता है। इसी उद्देश्य को लेकर यह विशेष व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है।

यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के लिए सीवर सिस्टम से जुड़ेंगी अनधिकृत कालोनियां, गांव

नयी दिल्ली। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार 2025 तक यमुना की सफाई पूरी करने, हर घर को 24 घंटे नल से साफ पानी देने और सभी अनाधिकृत कॉलोनियों के घरों को सीवर लाइन से जोड़ने के लिए गंभीरता से काम कर रही है।

सिसोदिया ने शनिवार को यहां कहा कि सरकार ने दिल्ली जलबोर्ड को विभिन्न इलाकों में लोगों के घरों में मुफ़्त सीवर कनेक्शन मुहैया कराने, पुराने पाइपलाइन को बदलकर नए पाइपलाइन लगाने, झीलों से अधिक से अधिक ग्राउंडवॉटर रिचार्ज कराने और सेवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की क्षमता बढ़ाने आदि की कई परियोजनाओं को मंजूरी दी। परियोजनाओं के पूरा होने के बाद इससे जहां 2025 तक यमुना की सफाई के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी, वहीं दिल्ली के लाखों लोगों को सीवर की समस्या से भी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल सरकार बेहतर सीवरेज सिस्टम और अपने हर नागरिकों को 24 घंटे जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में चरणबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में पानी की नई पाइपलाइन, सीवर लाइन बिछाना और घर-घर सीवर कनेक्शन उपलब्ध कराना एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा बेहतर साफ-सफाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार लाने, यमुना की सफाई और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक सीवर लाइनों का विस्तार व घरों से सीवर कनेक्ट करना आवश्यक है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना को प्राथमिकता के आधार पर साफ करना ही दिल्ली सरकार का मुख्य मकसद है। अनधिकृत कालोनियां और गांवों में बेहतर सीवरेज प्रबंधन, यमुना की सफाई में अहम साबित होगी। पहले सीवर कनेक्शन लेना बहुत महंगा था। क्योंकि सीवर कनेक्शन लेने के लिए लोगों को विकास, कनेक्शन और रोड कटिंग शुल्क देना पड़ता था, लेकिन केजरीवाल सरकार इसे निशुल्क उपलब्ध करा रहे है। ऐसे में दिल्ली के लाखों उपभोक्ताओं को इसका फायदा मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि करावल नगर और मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्रों के हिस्से में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा पहले से बिछाए गई हाउस सर्विस कनेक्शन पाइप को इलाके के अलग-अलग घरों के कनेक्शन जोड़ा जाएगा। इसमें चंदू नगर, मूंगा नगर, राजीव गांधी नगर (न्यू मुस्तफाबाद), नेहरू विहार, पुराना मुस्तफाबाद गली नंबर-1 से 9, मुस्तफाबाद एक्सटेंशन गली नंबर-10 से 27, दयालपुर एक्सटेंशन ए, बी, डी, ई, एफ ब्लॉक और आसपास के क्षेत्र (नया चौहानपुर गांव), खजूरी खास गांव एलओपी और खजूरी खास ए-डी ब्लॉक, खजूरी खास एक्सटेंशन ई ब्लॉक, खजूरी खास एक्सटेंशन ई ब्लॉक (एलओपी), खजूरी खास एफ-ब्लॉक और चांदबाग आदि शामिल है। यहां व्यक्तिगत हाउस सीवर सर्विस कनेक्शन को दिल्ली जल बोर्ड के सीवर मैनहोल से जोड़ा जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि अलीपुर गेस्ट हाउस से संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर (यूजीआर) तक पुराने पीएससी पाइपलाइन को नई एमएस पाइपलाइन से बदला जाएगा। इससे पानी की बर्बादी से बचा जा सकेगा और पल्ला से भूजल से ज्यादा से ज्यादा पानी की आपूर्ति की जा सकेगी।

उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र दिल्ली का राकेश सिंह चौहान को प्रभारी निदेशक बनाया गया

गौतमबुद्धनगर। राकेश सिंह चौहान को उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र दिल्ली का प्रभारी निदेशक बनाया गया। वर्तमान में वह गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद के जिला सूचना अधिकारी के पद पर मौजूद है. यूपी के प्रदेश के सूचना निदेशक शिशिर सिंह ने आदेश जारी करके राकेश सिंह चौहान को उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र दिल्ली का प्रभारी निदेशक पद पर नियुक्त किया जिसके बाद उन्होंने अपना पदभार कल ग्रहण कर लिया। गौतमबुद्ध नगर यू पी के जिला सुचना अधिकारी एवं ग़ज़िआबाद जिला सुचना अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार का पद संभाल रहे राकेश सिंह चौहान अब उत्तर प्रदेश राज्य सूचना केंद्र दिल्ली का प्रभारी निदेशक की मिली नई जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करेंगे।

बुजुर्ग महिला ने की खुदकुशी

पलवल। हरियाणा के पलवल जिले के धतीर गांव में कथित तौर पर बहू की प्रताड़ना से तंग आकर सास ने खुदकुशी कर ली। आरोप है कि महिला ने अपनी सास से मारपीट करती थी, जिससे आहत होकर उसने फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। गदपुरी थाना प्रभारी दीपचंद के अनुसार, मामले में गांव धतीर के रहने वाले हरबंस ने शिकायत दर्ज करवाई है कि उनके बेटे सचिन की गांव पृथला की रहने वाली रुक्मिणी के साथ 2017 में शादी हुई थी। शादी के बाद से ही बहू घर में लड़ाई-झगड़ा करने लगी। रुक्मिणी अक्सर अपनी सास सोनवती के साथ मारपीट करती थी। कलह और मारपीट के कारण उनकी पत्नी सोनवती बहुत दुखी रहती थी। घर में कलह के चलते उनका बेटा सचिन भी काफी तनाव में रहता था। इसी कारण उसकी सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। बहू के बर्ताव से आहत होकर सोनवती ने 29 सितंबर को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सभी आरोपों की जांच की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा : कबड्डी टीम को हारता देख समर्थकों ने किया पथराव, 6 खिलाड़ी घायल

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर थाना क्षेत्र में चल रही कबड्डी प्रतियोगिता में एक टीम को हारता देख उसके समर्थकों ने पथराव कर दिया। इस घटना में दूसरी टीम के छह खिलाड़ी घायल हो गए। पुलिस ने इस संबंध में 50 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में जेवर थाने में 12 नामजद सहित 50 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। नामजद लोगों में आठ खिलाड़ी भी शामिल हैं। जेवर थाने के थानाध्यक्ष अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि जेवर कस्बे के दुर्गा मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के दौरान वार्षिक मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें एक कबड्डी प्रतियोगिता भी चल रही है। एसएचओ के मुताबिक, शुक्रवार को दोपहर बाद दुर्गा क्लब और एकता क्लब के बीच कबड्डी मैच खेला जा रहा था। उन्होंने बताया कि मैच में दुर्गा क्लब जीत की ओर बढ़ने लगा, तभी एकता क्लब और उसके सदस्यों के साथ आए समुदाय विशेष के समर्थकों ने हंगामा करते हुए मारपीट व पथराव शुरू कर दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की सत्येंद्र जैन की याचिका

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका को शनिवार को खारिज कर दिया। इस याचिका में निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गयी थी जिसमें उनके खिलाफ धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले को किसी अन्य अदालत में दायर किये जाने का आदेश दिया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश योगेश खन्ना ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि मुख्य जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश, राउज एवेन्यू अदालत की ओर से जारी किये गये आदेश में कुछ भी असंवैधानिक नहीं है। अदालत ने सभी तथ्यों की जांच पडताल के बाद ही आदेश पारित किया है। जैन के वकील ने दिल्ली उच्च न्यायालय में मुख्य जिला और सत्र न्यायाधीश विनय कुमार गुप्ता के 23 सितंबर को दिये गये आदेश को चुनौती देने वाली याचिका दायर की थी।

नई दिल्ली
रविवार 02 अक्टूबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

संपादकीय

बदले परिवेश में गांधी और गांधीवाद

मोहनदास करमचंद गांधी, बापू, राष्ट्रपिता और आम आदमी के लिए सिर्फ गांधी जाने वाले 21 वीं सदी के चमत्कार पुरुष माने गए गांधीआज भी बहुत मायने रखते हैं । मायने तो वह देश के लिए भी रखते हैं मगर बदले हुए परिवेश में अब गांधी शायद वह ज्योतिपुंज या नहीं रहे जिनसे भारत नाम का यह देश मार्गदर्शन एवं रोशनी पाकर चलता था। 70 साल तक इस देश को चलाने वाले गांधीवादी दल की जैसी दुर्गति हो रही है उसका असर गांधी की छवि पर भी हुआ है। हालांकि गांधी ने आजादी के तुरंत बाद ही कह दिया था कि अब कांग्रेस का स्वतंत्र भारत में कोई खास रोल नहीं होना चाहिए और उन्होंने कांग्रेस के विसर्जन की इच्छा व्यक्त की थी । लेकिन तात्कालिक परिस्थितियों में संभवत: है न तो यह व्यवहारिक था और नहीं उस समय के कांग्रेसी नेता ऐसा होने देने में अपना कोई लाभ देख रहे थे इसलिए कांग्रेस बनी रही । कांग्रेसबनी ही नहीं रही अपितु दृढ़ता के साथ स्वाधीनता आंदोलन में किए गए बलिदानों का श्रेय लेते हुए लंबे समय तक सत्तारूढ़ रही । जब तक नेहरू देश के प्रधानमंत्री रहे तब तक कांग्रेस का कोई विकल्प देश में दिखा , न सूझा । शास्त्री जी के छोटे से कार्यकाल में भी कॉन्ग्रेस देश के लिए अपरिहार्य रही । इसके बाद परिवर्तन का दौर शुरू हुआ और नेहरु की पुत्री इंदिरा गांधी ने कमान संभाली । हालांकि तब वह कांग्रेस की वरिष्ठतम नेता नहीं थीं और उनसे ऊपर के पायदान पर कामत और मोरारजी देसाई जैसे कई नेता थे लेकिन नेहरू गांधी परिवार के प्रति निष्ठा के चलते हुए इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनीं । बस, यहीं से गांधीवादी दर्शन भी मनमाने ढंग से अपनाया एवं प्रस्तुत किया जाने लगा । इंदिरा गांधी गजब की वक्ता थी, उनके व्यक्तित्व में भी जबरदस्त आकर्षण था, उनकी भाषण शैली और आम आदमी में उनके प्रति आकर्षण के चलते हुए 1971 में उन्होंने गांधीवादी अहिंसक सोच से हटते हुए अपने राजनीतिक फायदे के लिए पाकिस्तान का विभाजन करवाया और उसके सहारे 1972 में चुनाव जीतकर पुन: सत्तारूढ़ हुई । 1975 में आपातकाल लगाया और 1977 में सत्ता से बाहर होकर 1980 में फिर वापस आई लेकिन जिस तरह इंदिरा ने अहिंसा एवं लोकतंत्र का मजाक उड़ाया था शायद उसी के चलते 1984 में उन्हें अपनी जान भी गंवानी पड़ी । तब से लेकर आज तक गंगा-जमुना में जितना पानी बहा है शायद उससे भी ज्यादा परिवर्तन गांधी दर्शन, गांधीवादी विचार गांधी की राष्ट्र की अवधारणा गांधीवादी राजनीति, सत्ता से वितृष्णा के भाव, सादा जीवन उच्च विचार की आदर्शवादी परंपरा भी काल के साथ जाती दिखाई दी यानी साफगोई के साथ कहें तो अब गांधी केवल मुखौटा मात्र रह गए थे । गांधी के प्रति आम आदमी की श्रद्धा को चुनावों के समय जमकर भुनाया जाता रहा लेकिन व्यवहारिक एवं राजनीतिक जीवन में गांधी कहीं नहीं थे । जिसके परिणाम स्वरूप देश में भाई भतीजावाद, पक्षपात, जातिवाद, संप्रदायवाद, संकीर्ण विचारधारा, क्षेत्रीयतावाद जैसे अनेक ऐसे तत्व घुस आए जिन्होंने एक तरह से गांधी एवं गांधीवाद का गला घोटने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी । कह सकते हैं कि 1948 में गांधी जी की मृत्यु के महज 20 – 22 साल बाद ही हिंदुस्तान नाम का यह देश केवल दिखावे के लिए गांधीवादी देश था । यथार्थ में यहां पर पूंजीवाद हावी हो चुका था और पूंजीवाद के पीछे भ्रष्टाचार का दानव सफेदपोश बनकर खड़ा हुआ था । यह काल भले ही भौतिक प्रगति के हिसाब से खराब न रहा हो मगर यदि एक पुनरावलोकन किया जाए तो स्पष्ट दिखेगा की नैतिक पतन का दौर यहीं से शुरू हुआ और एक ऐसी बाढ़ यहां पर आई जिसमें सच, न्याय, अहिंसा, दया, करुणा आदि के लिए कोई खास जगह नहीं बची । विदेशों से वस्तुओं का प्रवाह भारत में जबरदस्त बढ़ा यानी गांधी के स्वदेशी के सपने को खंड खंड कर दिया गया । हालांकि औद्योगिक क्रांति, हरितक्रांति एवं श्वेतक्रांति देश की जरूरत थी मगर कुटीर उद्योगों के नीचे की ज़मीन बहुत ही तरीके के साथ पश्चिमी देशों के इशारे पर खींच ली गई । कामगार मजदूर, छोटे कर्मचारी सब अब बड़े-बड़े कारखानों और उद्योगपतियों के गुलाम बनकर रह गए । गांधी का कुटीर उद्योग का सपना लगभग पूरी तरह धराशाई हो गया । रही सही कमी शिक्षा में हुए अनाप-शनाप परिवर्तनों ने पूरी कर दी । चरित्र निर्माण व नैतिक मूल्य तथा भारत की सांस्कृतिक धरोहर एवं परंपराएं तथा बुनियादी शिक्षा का सिद्धांत एकदम त्याग दिया गया । अब ऐसा भी नहीं है कि यह सारी बातें इंदिरा काल में ही हुई यें आज भी जारी हैं ।

अनचाहे गर्भ से कानूनी छुटकारा, क्या बदलेगी तस्वीर?

प्रियंका सौरभ

एक ऐसे समाज में जो अत्यधिक पितृसत्तात्मक है, महिलाओं को गर्भपात तक पहुंचना मुश्किल लगता है। स्वास्थ्य सेवाके लिए अक्सर महिलाओं से अपने पति, या परिवार के सदस्यों की अनुमति लेने के लिए कहते हैं, भले ही यह कानून द्वारा आवश्यक न हो। परिवार हो या अस्पताल हर जगह महिलाओं की अबॉर्शन के मामले में मोरल पुलिसिंग की जाती है और यही वजह है कि असुरक्षित अबॉर्शन के कारण देश में आये दिन हजारों महिलाओं की जान चली जाती है। अक्सर, महिला की गोपनीयता और गोपनीयता की रक्षा नहीं की जाती है। यौनकर्मी, एचआईवी पॉजिटिव महिलाएं, आदिवासी महिलाएं, एकल महिलाएं और युवाओं के लिए गर्भपात तक पहुंचना और भी मुश्किल हो जाता है। और पहुंच की कमी असुरक्षित गर्भपात की ओर ले जाती है। नए कानून से शायद अब ऐसा न हो।

प्रजनन अधिकारों पर एक महत्वपूर्ण फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने विवाहित और एकल महिलाओं के लिए गर्भावस्था के 24 सप्ताह तक सुरक्षित और कानूनी गर्भपात के अधिकार को बढ़ा दिया, यह कहते हुए कि 卐हर महिला का अधिकार है कि वह बिना किसी हस्तक्षेप के प्रजनन विकल्प चुन सके। अब, देश में सभी महिलाएं, वैवाहिक स्थिति की परवाह किए बिना, गर्भावस्था में 24 सप्ताह तक गर्भपात करा सकती हैं। एकल, अविवाहित महिलाओं को भी सुरक्षित और कानूनी गर्भपात का अधिकार है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि अगर विवाहित महिला का गर्भ उसकी इच्छा के विरुद्ध है तो इसे बलात्कार की तरह देखते हुए उसे गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए। शादी के बाद यदि महिला की मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंद्ध बनाया जाता है तो यह भी रेप की श्रेणी आएगा। यह अधिकार उन महिलाओं के लिए राहतकारी होगा, जो अनचाहे गर्भ को जारी रखने को विवश हैं। क्या एक महिला को गर्भपात के अधिकार से महज इसलिए वंचित रखा जा सकता है क्योंकि वह अविवाहित है। देश की सर्वोच्च अदालत का मानना है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक विवाहिता को भी अपने शरीर और अपने गर्भ को लेकर फैसला लेने का उतना ही अधिकार है जितना कि एक विवाहित महिला को होता है। दरअसल इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले से बिल्कुल अलग दिखा है सुप्रीम कोर्ट का फैसला। इसी मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा था कि आप इस तरह बच्चे को क्यों मारना चाहती है ? दुनिया में गोद लेने के लिए लोगों की लंबी कतार है फिर आखिर जरूरत क्या है ऐसा करने की।

हाईकोर्ट ने ये भी कहा था कि हम याचिकाकर्ता को बच्चा पालने के लिए मजबूर नहीं कर रहे। हम उसको वह सब सुविधाएं देंगे कि वह बच्चे को एक सुरक्षित तरीके से जन्म देने अस्पताल जाए और बिना अपनी पहचान बताएं अपने घर वापस आ जाये। आखिर कोर्ट ने ऐसी टिप्पणी क्यों की ? दरअसल ये मामला दिल्ली हाईकोर्ट में 25 साल की एक लड़की का है। इसमें उसने याचिका की थी कि वह 23 सप्ताह और 5 दिन की प्रेगनेंसी को खत्म करना चाहती है।

लड़की ने कोर्ट में कहा कि वह आपसी सहमति से बने संबंधों के चलते प्रेग्नेंट हुई। लेकिन अब वह इस बच्चे को रखना नहीं चाहती क्योंकि उसके पार्टनर ने उससे शादी करने से मना कर दिया है। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि क्योंकि युवती के साथ धोखा हुआ है और युवती बच्चे के पालन पोषण के लिए आर्थिक सामाजिक रुप से ठीक नहीं है। ऐसे में युवती द्वारा बच्चों को पैदा करना उसके लिए एक मानसिक चोट जैसा होगा इसलिए युवती को मेडिकल प्रेगनेंसी एक्ट 2003 के तहत अबॉर्शन करवाने की अनुमति दी जाए। दिल्ली हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने यह कहते हुए इस अपील को दरकिनार कर दिया क्योंकि प्रेगनेंसी आपसी संबंधों के चलते हुई है और एबॉर्शन की मांग मेडिकल प्रेगनेंसी एक्ट 2003 के तहत नहीं आती। मगर साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि हम लड़की को बच्चे को पालने के लिए मजबूर नहीं कर रहे हैं। बच्चे को पालने के लिए आया खर्चा भारत सरकार या दिल्ली सरकार वहन करेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तो जज अपनी जेब से खुद पैसे भरेंगे। युवती ने एक अपील भी की थी कि अविवाहित महिलाओं के लिए मेडिकल टर्मिनेशन एक्ट 2003 में संशोधन किया जाए।

साल 2021 में मेडिकल टर्मिनेशन बुलेट में संशोधन किया गया था और विवाहित महिलाओं के लिए एबॉर्शन समय समय बढ़ाकर 24 हफ्ते का कर दिया गया था। लेकिन यह सभी महिलाओं के लिए नहीं किया गया था। कुछ स्पेशल मामलों में किया गया था और इन स्पेशल केस में सहमति से बने संबंधों के फलस्वरूप हुए गर्भ को हटाने कास्थान नहीं दिया गया था। देश में अबॉर्शन पर पहला कानून 1971 में बना था इसे एमटीपी एक्ट 1971 के नाम से जाना जाता है। इसके बाद साल 2021 में एमटीपी एक्ट 1971 में संशोधन किया गया। संशोधन के बाद कानून में यह जगह बनी कि प्रेगनेंसी के पहले 20 हफ्ते की जगह 24 हफ्ते का गर्भपात करवाया जा सकता है। यह 4 हफ्ते का पीरियड स्पेशल केस में ही दिया गया। स्पेशल केस में रेप के द्वारा हुई प्रेगनेंसी या माइनर प्रेगनेंसी या मैरिटल स्टेटस बदलने के बाद भी प्रेगनेंसी जैसे विधवा या तालाक के मामले में रखा गया। लेकिन यह सब प्रावधान है एकल महिला के लिए नहीं किए गए और ना ही 26 हफ्ते की प्रेगनेंसी हटवाने की बात कही गई। यहां तक की रेप पीड़िता को भी 26 हफ्ते का अबॉर्शन करवाने की अनुमति नहीं दी गई। हाल ही में 17 साल की एक लड़की द्वारा जो रेप पीड़ित थी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई कि उसे 26 हफ्ते की प्रेगनेंसी को हटवाने की अनुमति दी जाए। ऐसे में कोर्ट ने कहा कि वह इस लड़की को ऐसे में बच्चा पैदा करने कि नहीं कह सकते और उसे अबो्र्ट करवाने की अनुमति दी गई।

हमारे देश में महिलाओं के लिए देश के कानून है कि वह बच्चा रखना चाहती है या नहीं लेकिन स्थिति अब भी बेहद बदसूरत है। आप भी जानते हैं वजह वही पुरानी है। भारत में अबॉर्शन को सबसे बड़ा टैबू माना जाता है। परिवार हो या अस्पताल हर जगह महिलाओं की अबॉर्शन के मामले में मोरल पुलिसिंग की जाती है और यही वजह है कि असुरक्षित अबॉर्शन के कारण देश में आये दिन हजारों महिलाओं की जान चली जाती है। भारत में, एक महिला को अपने पति, साथी या परिवार के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती है यदि वह 卐स्वस्थ दिमाग卐 की वयस्क है और गर्भपात करवाना चाहती है। इसके बावजूद महिलाओं को कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। एक ऐसे समाज में जो अत्यधिक पितृसत्तात्मक है, महिलाओं को गर्भपात तक पहुंचना मुश्किल लगता है। स्वास्थ्य सेवा के लिए अक्सर महिलाओं से अपने पति, या परिवार के सदस्यों की अनुमति लेने के लिए कहते हैं, भले ही यह कानून द्वारा आवश्यक न हो। अक्सर, महिला की गोपनीयता और गोपनीयता की रक्षा नहीं की जाती है। यौनकर्मी, एचआईवी पॉजिटिव महिलाएं, आदिवासी महिलाएं, एकल महिलाएं और युवाओं के लिए गर्भपात तक पहुंचना और भी मुश्किल हो जाता है। और पहुंच की कमी असुरक्षित गर्भपात की ओर ले जाती है। नए कानून से शायद अब ऐसा न हो।

सिर्फ चीतों के पुनर्वास से कम नहीं होगा वन्यजीवों पर मंडरा रहा विलुप्ति का खतरा

कभी बाघों को घर कहे जाने वाले भारत में वर्ष 1947 तक बाघों की संख्या करीब 40 हजार थी। जुलाई 2022 में सेंसस के मुताबिक बाघों की यह संख्या अब 4500 रह गई है। बाघों का सिकुडऩा मुगल काल से शुरू हुआ और अंग्रेजों ने इसे लगभग विलुप्ति के कगार पर पहुंचा दिया। करीब 70 साल पहले शिकार के चलते विलुप्त हुए चीतों को नाम्बिया से लाकर उनका पुनर्वास कर दिया गया। इसे एक उपलब्धि करार दिया जा रहा है। लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू वन्यजीवों की दर्दनाक तस्वीर पेश करता है। भारत दुनिया में सबसे विलुप्तप्राय-प्रजातियों का प्रमुख क्षेत्र बन गया है। पिछली कुछ शताब्दियों के भीतर 5 प्रमुख भारतीय जानवर विलुप्त हो चुके हैं। इनमें द इंडियन ऑरोच, गुलाबी सिर वाली बत्तख, हिमालयी बटेर, मालाबार सिवेट बिल्ली और दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे व्यापक गैंडा प्रजातियों में से एक जावन राइनो शामिल है। 2016 में इंडिया वाटर पोर्टल पर छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, पेड़-पौधों की 384 विलुप्त हो चुकी हैं। वहीं मछलियों की 32, उभयचर की 2, सरीसृप की 21, बिना रीढ़ वाले जन्तु की 98, पक्षी की 113, स्तनधारी की 83। इन आंकड़ों के मुताबिक, कुल 724 प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं।

इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की लाल सूची के अनुसार विलुप्त प्राय प्रजातियों में एशियाटिक लायन (बब्बर शेर), बंगाल टाइगर, भारतीय हाथी, हिम तेंदुआ, भारतीय गैंडा, कृष्ण मृग, तिब्बती हिरन, गंगा नदी की डॉल्फिन, सबसे बड़े कलाबाज के नाम से मशहूर हूलाक गिब्बन, नीलगिरि लंगूर, जंगली उल्लू, जंगल गधा और शेर मकॉक बंदर प्रमुख रूप से शामिल हैं। खतरे में पड़े जीवों की सूची में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण), जेर्डोन कर्सर, हिमालय मोनल तथा अप्रवासी लाल सिर वाला सफेद सारस भी शामिल है। कभी बाघों को घर कहे जाने वाले भारत में वर्ष 1947 तक बाघों की संख्या करीब 40 हजार थी। जुलाई 2022 में सेंसस के मुताबिक बाघों की यह संख्या अब 4500 रह गई है। बाघों का सिकुडऩा मुगल काल से शुरू हुआ और अंग्रेजों ने इसे लगभग विलुप्ति के कगार पर पहुंचा दिया। सन 1875 से 1925 की अवधि में करीब 80 हजार बाघों का शिकार किया गया। मौजूदा वक्त में संख्या में मामूली बढ़ोतरी के बावजूद बाघों के मरने का सिलसिला थम नहीं रहा है।

सशक्त, सर्वकालीन वैचारिक क्रांति के प्रणेता, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

अल्बर्ट आइंस्टीन ने गांधीजी के बारे में कहा था संभव है आने वाली पीढ़ियां, शायद ही विश्वास करें कि महात्मा गांधी की तरह कोई व्यक्ति इस धरती पर हुआ था। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर पूरे विश्व में अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। महात्मा गांधी युगकालीन वैचारिक क्रांति के एक बड़े और सशक्त सूत्रधार थे। यह भारत का सौभाग्य ही है कि 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर गुजरात में एक महान व्यक्तित्व ने जन्म लिया था, जिनका नाम मोहन दास करमचंद गांधी था। भावनगर के श्यामल दास कॉलेज में उनकी शिक्षा हुई तत्पश्चात उनके भाई लक्ष्मी दास ने उन्हें बैरिस्टर की शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंग्लैंड भेज दिया था। इंग्लैंड जाने से पहले मात्र 13 वर्ष की आयु में उनका विवाह कस्तूरबा गांधी से हो गया था। 18 91 में गांधीजी इंग्लैंड से वकालत पास कर मुंबई में वकालत प्रारंभ कर दी थी। गांधी जी के समाज क्रांतिकारी जीवन का।।। शुभारंभ 1393 में तब हुआ जब पुणे एक मुकदमे के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा। वहां उन्होंने अंग्रेजों को भारतीयों एवं वहां के मूल निवासियों के साथ बुरा व्यवहार करते देखा था। वहां अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को भी कई बार अपमानित किया था। गांधी जी ने अंग्रेजों के अपमान के विरुद्ध मोर्चा संभालते हुए अपने विरोध के लिए सत्याग्रह और अहिंसा का मार्ग चुना था। दक्षिण अफ्रीका के दौरान उन्होंने अध्यापक, चिकित्सक और कानूनी अधिकार की लड़ाई के लिए अधिवक्ता के रूप में जनता को जागरूक करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान की और महत्वपूर्ण काम किए। अपने जीवन काल में उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन कर समाज की सेवा की। उनकी एक महत्वपूर्ण पुस्तक माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ विश्व प्रसिद्ध आत्मकथा बनी। दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के कार्यों तथा शतत प्रयत्नों की ख्याति भारत में फैल चुकी थी। और जब वे भारत लौटे तो उनका गोपाल कृष्ण गोखले, लोकमान गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने भव्य स्वागत किया। भारत में आते ही गांधी जी ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य किया, वह था बिहार के चंपारण जिले के नीलहे किसानों को अंग्रेजों से मुक्ति दिलाना, 1917 में गांधी जी के सत्याग्रह के फलस्वरूप ही चंपारण के किसानों का शोषण समाप्त हो पाया था। अहमदाबाद में आश्रम की स्थापना के साथ साथ अंग्रेज सरकार के विरुद्ध उनका संघर्ष प्रारंभ हुआ और भारतीय राजनीति की बागडोर अब महात्मा गांधी के हाथों में आ चुकी थी। गांधीजी इस बात को अच्छे से समझ चुके थे कि सामरिक तौर पर अंग्रेजों से लड़ाई नहीं की जा सकती है, भारत को अंग्रेजों से मुक्ति लाठी बंदूक के बल पर नहीं प्राप्त हो सकती थी, इसीलिए उन्होंने सत्य और अहिंसा की शक्ति का सहारा लिया। स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। 1920 में उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ असहयोग आंदोलन प्रारंभ कर दिया था। अंग्रेजों ने जब नमक पर कर लगाया तो गांधीजी ने 24 दिन की दांडी यात्रा आयोजित की 24 दिनों की यात्रा के पश्चात उन्होंने अपने हाथों से दांडी नामक स्थान पर नमक बनाया और सविनय अवज्ञा आंदोलन भी संचालित किया। इसी बीच गांधी इरविन समझौता के लिए गांधीजी इंग्लैंड भी गए पर अंग्रेजों की बद नियति के कारण यह समझौता मूर्त रूप नहीं ले सका, फल स्वरुप यह आंदोलन 1934 तक चलता रहा।

1942 में गांधी जी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन चलाया गया जिसमें करो या मरो का नारा देकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को एकजुट कर अंग्रेजो के खिलाफ मोर्चा खोला गया। गांधीजी तथा अन्य नेताओं तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अथक प्रयास से 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ।

दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क

भारत का पूर्वोत्तर राज्य अपनी अनूठी प्राकृतिक सुन्दरता को समेटे हुए है और यही वजह है कि पूर्वोत्तर राज्य लोगों को यहाँ आने के लिए आकर्षित करता है। भारत के इस हिस्से में एक झील पर दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ पार्क भी है। अब आप सोच रहे होंगे कि हम किस तैरते हुए पार्क की बात कर रहे है ? तो दोस्तों, हम बात कर रहे है भारत के मणिपुर राज्य में स्थित ताजे पानी की सबसे बड़ी झील की। इस झील का नाम है लोकतक झील और इस झील की खासियत है कि यहां दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क है जो पानी में तैरता है। इस पार्क को कीबुल लामजो के नाम से जाना जाता है और इस पार्क की खूबसूरती देखने लायक है। जिसे फ्लोटिंग नेशनल पार्क के नाम से भी जाना जाता है।

लोकतक झील की खासियत -

इम्फाल से 53 किलोमीटर दूर मणिपुर के बिशनुपुर जिले में ये लोकतक झील स्थित है। दुनिया में यह झील तैरती हुई झील के नाम से भी मशहूर है। इस झील में बने हुए प्राकृतिक द्वीप बहुत-ही सुन्दर और देखने लायक हैं और इनको %फुमदी% कहा जाता है। इन द्वीपों में मौजूद सबसे बड़ा द्वीप 40 स्क्वायर किलोमीटर में फैला हुआ है। इन फुमदियों पर स्थानीय मछुआरे रहते हैं 7 इसके साथ ही प्रकृति के सुंदर नजारों पर तैरती यह लोकतक झील मणिपुर को आर्थिक रूप से सशक्त और मजबूत भी बनाती है।

दुनियाभर में यह झील पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र है और इस आकर्षण का कारण है पार्क का झील के ऊपर तैरना और इसी वजह से इस अनोखे पार्क को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते है। इस पार्क को विश्व से विलुप्त होते संगाई हिरनों का आखिरी और प्राकृतिक घर भी कहा जाता है। संगाई हिरन मणिपुर का राज्य पशु भी है।

ऐसे थे लाल बहादुर शास्त्री

श्वेता गोयल

वर्ष 1964 में प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले लाल बहादुर शास्त्री नैतिकता की मिसाल थे। जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी लेकिन उसका उपयोग वे बेहद कम किया करते थे। किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही वह गाड़ी निकाली जाती थी। एक बार शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली ? ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किलोमीटर चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज'। उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाकर निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन हेतु आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिता को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है ? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

रेलमंत्री रहते हुए शास्त्री जी एक बार रेल के ए.सी. कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई। 2 अक्तूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्मे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आज हम जयंती मना रहे है। उनके बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई भी दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए ही स्मरण किया जाता है और सदैव किया भी जाता रहेगा। उनके पद्चिन्हों पर चलने का संकल्प लेना ही सच्चे अर्थों में उन्हें हमारी श्रद्धांजलि होगी।

गांधी जी के हिन्द स्वराज से दूर होगी बेरोजगारी

डॉ. अशोक कुमार गदिया

देश की वर्तमान समस्याओं में से 'बेरोजगारी' की समस्या सबसे बड़ी समस्या है। देश का हर दूसरा युवा 'बेरोजगारी' की समस्या से ग्रसित है। 'बेरोजगारी' की समस्या से सरकार, समाज एवं घर-परिवार सभी परेशान हैं और कोई हल नहीं निकाल पा रहे हैं। देश के बेरोजगारी के ताजा आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो पाएंगे कि ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर काफी बढ़ी है। नौकरियों में कमी आई है। सीएमआईई यानी सेंटर फॉर मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकॉनमी के मुताबिक जुलाई माह में रोजगार छह लाख तक कम हुए हैं। जून माह में 12.57 करोड़ शहरी रोजगार की तुलना में जुलाई में यह संख्या 12.51 करोड़ रह गई। भारत में दिसंबर 2021 तक 53 मिलियन यानी 5.3 करोड़ लोग बेरोजगार हैं। इनमें से 35 मिलियन यानी 3.5 करोड़ लोग तो वे हैं जो सक्रियता के साथ रोजगार की तलाश में हैं। मतलब ये लोग मेहनत करके रोजगार की तलाश में हैं और इन्हें जल्द से जल्द रोजगार की आवश्यकता है। इसमें से 8 मिलियन संख्या महिलाओं की है। वहीं, 17 मिलियन यानी 1.7 करोड़ लोग वे हैं जिन्हें काम चाहिए मगर वे सक्रिय होकर अभी जॉब नहीं ढूंढ रहे हैं। इसमें महिलाओं की संख्या 9 मिलियन है। अगर भारत ग्लोबल एम्पलॉयमेंट रेट स्टेंडर्ड तक पहुंचना चाहे तो भारत को 187.5 मिलियन लोगों को रोजगार देना होगा। 'बेरोजगारी' की समस्या से ग्रसित हर युवा में एवं परिवार में कुण्ठा, निराशा, लाचारी और गुस्सा तेजी से फैल रहा है, जिससे युवाओं का आत्मविश्वास डगमगा रहा है। जब आत्मविश्वास डगमगाता है तो समाज में हिंसा, आतंक, बदहवासी, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, जातिवाद, नशाखोरी और आत्महत्या आदि दोष स्वाभाविक रूप से व्याप्त होने लगते हैं।

समस्या की ओर गहराई में जायेंगे तो पता चलता है कि 'बेरोजगारी' अपनी जगह विकराल रूप लिए बैठी है। दूसरी तरफ हर क्षेत्र में चाहे वह गांवों में कृषि क्षेत्र हो या छोटे शहरों में छोटे एवं मझोले उद्योग हों या फिर बड़े उद्योग हों, वहाँ पर योग्य, भरपूर मेहनत और कुशलता से काम करने वाला युवा नहीं मिल रहा है। बड़ा विचित्र दुर्योग है कि एक तरफ लाखों-करोड़ों बेरोजगारों की फौज है, दूसरी तरफ योग्य एवं कुशल कार्यकर्ताओं की नितान्त कमी है। इसकी और गहराई में जाएं तो पता चलता है कि आज का युवा हाथ का काम नहीं करना चाहता है। सभी ऑफिस में बैठकर लैपटॉप एवं मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करते हुए आलीशान एयर कण्डीशन्ड ऑफिस या घर में बैठकर काम करना चाहते हैं। हमारी युवतियाँ घर बसाकर घर-परिवार की जिम्मेदारी नहीं निभाना चाहती हैं। वे भी सफेदपोश काम ही करना चाहती हैं। यह धारणा आम है, चाहे वह शहर हो या गांव। यह वाइट कॉलर काम करने के लिए भी उनमें वांछित दक्षता का नितांत अभाव है।

इस विरोधाभास से 'बेरोजगारी' की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है। यदि इसकी और गहराई में जाएंगे तो पाएंगे कि हमारी शिक्षा व्यवस्था एवं सामाजिक मनोवृत्ति इसके लिए जिम्मेदार है। समाज में अनावश्यक रूप से हाथ के काम, कृषि, लघु उद्योगों, साफ-सफाई, रखरखाव, मरम्मत, कुटीर उद्योग आदि महत्वपूर्ण कार्यों को कम सम्मान दिया गया, जबकि ऑफिस के कार्यों को ज्यादा सम्मान दिया और उसका मेहनताना भी ज्यादा दिया गया। इससे इस विषमता ने भयंकर रूप धारण कर लिया। अब इन हाथ के कामों को करने के लिए बड़ी-बड़ी कम्पनियाँ ठेकेदार बन गईं। इन्होंने इतने दाम वसूलने शुरू कर दिए कि आम आदमी का जीना दूभर कर दिया है। इस दुर्योग ने फिर बिचौलियों को जन्म दे दिया, जिससे गरीब आदमी को तो कम पैसा मिला, परंतु बीच के दलालों ने पैसा खाना शुरू कर दिया। बात वहीं आ गयी कि गरीब, गरीब ही रह गया बल्कि और गरीब हो गया। उल्टे समस्या ज्यों की त्यों रह गई। उसके मन का असंतोष एवं आत्मग्लानि बढ़ती चली गई।

इस समस्या से निजात पाने के उपाय

1-स्कूल से लेकर कॉलेज एवं विश्वविद्यालय तक हाथ के कामों को सिखाया जाए और उनके प्रति सम्मान का भाव पैदा किया जाए।

2-शारीरिक श्रम का मूल्य मानसिक श्रम से ज्यादा रखा जाए, जिससे हाथ के कामों के प्रति युवा आकर्षित हो, इसे अच्छा काम समझे और इसको करते हुए गर्व महसूस करे।

3-छोटे उद्योग, कुटीर उद्योग, घरेलू, सुरक्षा गार्ड, मरम्मत, रखरखाव आदि कार्यों को कार्पोरेट सेक्टर से बाहर करना चाहिए।

4-इन कामों को व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से या व्यक्तियों के समूह के रूप में करें, जिसे हम सहकारी समिति बनाकर भी कर सकते हैं।

5-बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में हमें अधिक से अधिक लोगों को उपयोग में लाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

6-विश्वभर में यह जनमत बनना चाहिए कि मशीनीकरण न्यूनतम हो और मानव का उपयोग अधिकतम हो। थोड़ी कार्यकुशलता कम भी होगी तो भी यदि अधिक से अधिक व्यक्ति बड़े एवं छोटे रोजगार से जुड़ेंगे तो यह कदम मानवता के हित में होगा।

जब हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं तो स्वाभाविक रूप से महात्मा गांधी का ''हिन्द-स्वराज'' याद आता है। अत: हमें मानवता के कल्याण के लिए पुन: गांधी के विचारों की ओर ही लौटना होगा। सरकारी स्तर पर नई शिक्षा नीति-2020 का यदि अक्षरश: पालन किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक दूर किया जा सकता है।

बचपन बीत गया लड़कपन में

बचपन बीत गया लड़कपन में,
जवानी बीत रही घर बनाने में,
जंगल सी हो गई है जिंदगी,
हर कोई दौड़ रहा आंधी के गुबार में।

हर रोज नई भोर होती,
पर नहीं बदलता जिंदगी का ताना बाना, सब कर रहे हैं अपनी मनमानी, लेकिन जी नहीं रहे अपनी जिंदगानी।

कोई पास बुलाए तो डर लगता है,
कैसी हो गई है यह दुनिया बेईमानी,
सफर चल रहा है जिंदा हूं कि पता नहीं, रोज लड़ रहा हूं चंद सांसे जीने के लिए।

मिल नहीं रहा है कोई ठिकाना,
जहां दो पल सिर टिकाऊ,
ऐसे सो जाऊं की सपनों में खो जाऊं, बचपन की गलियों में खो जाऊं।

वो बेर मीठे तोड़ लाऊं,
सूख गया जो तालाब उसमें फिर से तैर आऊं, मां की लोरी फिर से सुन आऊं, भूल जाऊं जिंदगी का ये ताना बाना।

नई दिल्ली
रविवार 02 अक्टूबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या कर लाश को रेलवे ट्रैक पर फेंका, प्रेमिका पर लगा आरोप

फतेहगढ़। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में एक युवक की हत्या कर लाश रेलवे ट्रैक पर फेंक का मामला सामने आया है। शुक्रवार की सुबह जब युवक की लाश मिली तो इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने युवक की प्रेमिका से इस मामले पूछताछ की। ये मामला फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र का है। शुक्रवार को नेकपुर कला का रहने वाला सूरज की लाश फर्रुखाबाद-कानपुर रेल रूट पर नेकपुर ओवरब्रिज के पास मिला। युवक का बांया पैर गायब था। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर युवक की लाश कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं युवक की मां पूनम ने बताया कि सूरज का गांव के ही एक लड़की से प्रेम प्रंसग चल रहा था। सूरज एक महीने पहले युवती को अपने साथ कही लेकर चला गया था लेकिन घरवालों के दबाव के कारण वापस आ गया था। लड़की के परिजनों ने कुछ दिन पहले ही घर आकर तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी दी थी। मां ने बताया कि 12 दिनों से बेटा डर के कारण काम पर नहीं जा रहा था। गुरुवार को युवक किसी काम से बाहर गया था लेकिन देर रात तक घर नहीं आया और अगले दिन शुक्रवार की सुबह उसकी लाश मिली। मां ने आरोप लगाया कि लड़की के घर वालों ने ही सूरज की हत्या कर लाश को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। एसपी अशोक मीणा ने मौके का मुआयना किया। एसपी ने इस मामले की जांच के लिए चार टीमों का गठन किया। फॉरेंसिक टीम जांच में जुट गई। पुलिस ने जब प्रेमिका के घर छापे मारी की तो वहां कोई नहीं मिला।

17 साल बाद भी मदरसा शिक्षकों को नई पेंशन का लाभ नहीं, 558 मदरसों के शिक्षक लटके

कानपुर। उत्तर प्रदेश में चल रहे अनुदानित 558 मदरसों के शिक्षकों को नई पेंशन स्कीम (एनपीएस) लागू होने के 17 वर्ष बाद भी इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिन मदरसों ने इसके लिए प्रयास किए वह थक-हार कर बैठ गए। ऐसे में न तो शिक्षकों के वेतन से इसके लिए कटौती हो सकी है और न ही सरकार ने अपना अंश दिया है। अब अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने निदेशालय से दिशा निर्देश मांगे हैं। नगर के 24 अनुदानित मदरसों समेत प्रदेश में करीब 558 ऐसे मदरसे हैं जिनके शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को सरकारी अनुदान से वेतन मिलता है। परिषदीय व माध्यमिक विद्यालयों में एक अप्रैल 2005 से नियुक्त शिक्षकों को नई पेंशन योजना का लाभ मिल रहा है। इसके लिए परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर (प्रान) खोला जाता है। पर मदरसा शिक्षकों का अब तक यह खाता भी नहीं खुल सका है। अनुदानित मदरसों के ऐसे सभी शिक्षक जो एनपीएस के दायरे में आते हैं, उन्हें रिटायरमेंट के बाद इसका कोई लाभ नहीं मिल सकेगा। अब तक एक भी शिक्षक के वेतन से किसी भी तरह की कोई कटौती नहीं हुई है। कटौती तब तक संभव नहीं है जब तक इनके प्रान न खुल जाएं। प्रान खुलने के बाद 10 फीसदी शिक्षक के वेतन से कटौती की जाती है और 14 फीसदी धनराशि सरकार देती है।

दलित युवती के साथ बलात्कार का मामला दर्ज

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद में एक दलित युवती के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने शनिवार को आरोपी युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि जिले के बांसडीह थाना क्षेत्र में दलित समुदाय की एक ग्रामीण युवती ने तहरीर में कहा कि, गत 30 सितंबर को खेत से आते समय गांव के ही युवक राहुल कुमार उसे उठा कर गन्ने के खेत में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। युवक ने पीड़िता द्वारा विरोध किए जाने पर उसके साथ मारपीट भी की। बांसडीह थाना प्रभारी योगेन्द्र प्रसाद सिंह ने बताया कि पुलिस ने पीड़िता कि तहरीर पर शनिवार को आरोपी युवक राहुल कुमार के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता एवं एससी एसटी एक्ट की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

मिर्जापुर : बच्ची से दुराचार के दो दोषियों को उम्रकैद और अर्थदंड की सजा

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिले की स्थानीय अदालत ने नाबालिक बच्ची के साथ दुराचार के एक आरोपी दो युवकों को दोषी ठहराते हुए उन्हें आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनायी है। अभियोजन पक्ष ने शनिवार को बताया कि जिगना थाना क्षेत्र में 19 जुलाई 2020 को आरोपी कपिल और पारसनाथ द्वारा 12 वर्षीय अनाथ बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने की शिकायत दर्ज की गयी थी। दोनों पर पीड़िता को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था। विशेष न्यायाधीश (पास्को एक्ट) संतोष कुमार त्रिपाठी ने आरोपियों को नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने का दोषी करार दिया। अदालत ने दोनों अभियुक्त पारसनाथ और कपिल को आजीवन कारावास और 55 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनायी है।

50 हजार रुपये के इनामी बदमाश दो सगे भाईयों सहित तीन गिरफ्तार

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद मंडल में खनन माफियाओं पर पुलिस के कसते शिकंजे के बीच 50-50 हजार रुपये के इनामी दो सगे भाइयों समेत तीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर अदालत के आदेश पर शनिवार को जेल भेज दिया। खूंखार अपराधियों के खिलाफ पुलिस की बढ़ती सख्ती के परिणामस्वरूप 10 वांछितों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। वहीं, 07 अन्य पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। पुलिस इनके सिर पर जल्द इनाम घोषित करेगी। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने तथा प्रशासनिक टीम पर हमला करने के आरोप में 50-50 हजार के इनामी बदमाश दो सगे भाइयों रिजवान तथा इरफान के अलावा रईस प्रधान को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि थाना ठाकुरद्वारा पुलिस ने ग्राम शरीफनगर थाना ठाकुरद्वारा निवासी रिजवान तथा इरफान के अलावा रईस प्रधान निवासी गांव फौलादपुर थाना ठाकुरद्वारा को गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया। अदालत ने तीनों को जेल भेजने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि गत 14 सितंबर को जिले के खनन अधिकारी अशोक कुमार द्वारा उत्तराखंड में काशीपुर से ठाकुरद्वारा को जोड़ने वाले मार्ग पर निरीक्षण के दौरान खनन माफियाओं के गिरोह ने लामबंद होकर भीड को उकसाते हुए खनन विभाग की टीम पर हमला बोला था। इस मामले में वाहनों को जबरन छीनने को लेकर खनिज विकास अधिनियम 1957 व 3 लोक संपत्ति के नुकसान निवारण अधिनियम 1984 के अलावा विभिन्न आपराधिक प्रावधानों के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद मामले के 10 आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

फर्रुखाबाद : व्यापारी की आंखों में मिर्ची पाउडर झोंक कर लूटे सवा चार लाख रुपये

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र में, सशस्त्र बाइक सवार लुटेरे ऑटो पार्ट्स के एक व्यापारी की आंखों में मिर्ची पाउडर झोंक कर उससे करीब 4.25 लाख रुपए लूट कर फरार हो गए। पुलिस ने शनिवार को बताया कि शहर के मोहल्ला बालाजीपुरम निवासी गगन कटियार (38 वर्ष) बीती रात करीब सवा नौ बजे बद्री विशाल डिग्री कॉलेज के सामने स्थित अपनी ऑटो पार्ट्स की दुकान बंद करके अपने पड़ोसी युवक लकी के साथ एक मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। जब व्यापारी की मोटरसाइकिल लाल गेट इलाके में पांचाल घाट मार्ग पर पहुंची तभी पीछे से एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन सशस्त्र लुटेरे बदमाशों ने, तमंचा दिखाकर उन्हें रोका। विरोध करने पर एक लुटेरे बदमाश ने तमंचे से फायर किया तथा दूसरे लुटेरे ने मिर्ची पाउडर आंखों में झोंक कर उनसे नगदी का बैग छीन कर पांचाल घाट की ओर फरार हो गए। बैग में करीब 4.25 लाख रुपये रखे थे। इस दौरान चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने जब लुटेरों का पीछा करने की कोशिश की तो सशस्त्र लुटेरों ने तमंचे से फायर किये। व्यापारी गगन कटियार ने पुलिस को बताया कि उन्हें एक कंपनी का सवा दो लाख रुपये का भुगतान करना था। उस कंपनी का अधिकारी नहीं आया और दो लाख रुपए की दुकान की बिक्री सहित करीब 4.25 लाख रुपये बैग में लेकर वह घर जा रहे थे। इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने लुटेरों को पकड़ने के लिये पुलिस की चार टीमों का गठन किया है।

हर गांवों में 5-जी सेवा पहुंचाएगी एयरटेल

यूपी की जीडीपी बढ़ाने में मददगार बनेगा हाईस्पीड इंटरनेट : सीएम योगी

वाराणसी। देशभर में 5-जी इंटरनेट सेवा के शुभारम्भ के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के सभी गांवों में 5-जी इंटरनेट की हाईस्पीड सेवा पहुंचाने की जिम्मेदारी भारतीय एयरटेल को मिली है। उन्होंने कम्पनी से आह्वान किया कि जल्द से जल्द प्रदेश के हर गांव, कस्बा और घर तक इंटरनेट पहुंचाएं। इसमें जो भी मदद चाहिए, सरकार इसके लिए तैयार रहेगी। उन्होंने कहा कि गांवों में हाईस्पीड सेवा शुरू होने से सभी क्षेत्रों के विकास में गति आएगी, जिससे न केवल प्रदेश की जीडीपी बढ़ेगी। बल्कि प्रति व्यक्ति आय बढ़ने से आमजन जीवन स्तर पर भी सुधरेगा और सरकार एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त कर

लेगी। मुख्यमंत्री अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर रुद्राक्ष सभागार में संबोधित कर रहे थे। वह दिल्ली से प्रसारित पीएम के संवाद कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े थे। उन्होंने कहा कि पीएम का विजन है कि देश की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचे। जिसमें प्रदेश का सबसे ज्यादा योगदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर गांव को हाईस्पीड इंटरनेट की सुविधा के लिए काम सरकार कर रही है। गांवों में 243 सेवाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।

सरकार की मंशा है कि गांव में व्यक्ति को प्रमाण पत्र के लिए जिला व तहसील मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े। इसके लिए ग्राम सचिवालय का निर्माण भी कराया गया है। जल्द ही ग्राम सचिवालय में यह सभी सुविधाएं मिलनी शुरू होंगी। साथ ही गांवों में बैंकिंग सुविधा दिलाने के लिए भी सरकार प्रयासरत है। सीएम ने बताया कि गांव में 30 से 32 फीसदी लोगों तक ही इंटरनेट की सुविधा है। इसकी कनेक्टिविटी 90 से 95 फीसदी तक बढ़ाने का उद्देश्य है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने रुद्राक्ष सभागार में ही 5-जी सेवा शुरू होने के बाद शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और ढांचागत विकास में आने वाले बड़े बदलावों का डिजिटली प्रजेंटेशन देखा। इसके बाद प्रधानमंत्री ने दिल्ली से 5-जी सेवा का शुभारम्भ किया। जिस पर सभागार में उपस्थित सभी लोगों ने हर-हर महादेव से पीएम का स्वागत किया। मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे पुलिस लाइन पहुंचे। यहां से वह सर्किट हाउस पहुंचे। यहां थोड़ी देर विश्राम करने के बाद रुद्राक्ष के लिए रवाना हो गये थे। रुद्राक्ष में कार्यक्रम के समापन के बाद मुख्यमंत्री काशी विश्वनाथ मंदिर में जाकर दर्शन-पूजन किया। यहां से वह गोरखपुर के लिए रवाना हो गये। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल व दयाशंकर मिश्र, एयरटेल के उप निदेशक राजेश भारती मित्तल आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

देवरिया में गोर्रा नदी पर बने पुल का एप्रोच धंसा

रुद्रपुर से गोरखपुर का आवागमन ठप

एजेंसी

देवरिया। यूपी के देवरिया में गोर्रा नदी पर बने पिड़रा पुल का एप्रोच अचानक धंस गया। इससे गोरखपुर से रुद्पुर का आवागमन ठप हो गया। रुदपुर-करहकोल मार्ग पर गाड़ियों को आने-जाने से रोक दिया गया है। रुद्रपुर के आदर्श नगर चौराहे से ही चार पहिया वाहनों को इस मार्ग पर जाने से रोका जा रहा है।

जबकि पिड़रा से दो पहिया वाहनों का भी आवागमन बंद कर दिया गया है। गोर्रा नदी की धारा यहां करीब 20 मीटर की लम्बाई में तेजी से कटान कर रही है। आधे घंटे के अंदर करीब आधा दर्जन पेड़ कटान के चलते धारा में समाहित हो गए। कटान की सूचना पर शुक्रवार को एसडीएम और बाढ़ खण्ड के अभियंता ने मौके पर पहुंच कर जायजा लिया।

नदी की कटान से लोगों में दहशत है। यहां कोई अनहोनी न हो जाए इसे देखते हुए पुलिस भी तैनात कर दी गई थी।कछार और दोआबा के बीच पिड़रा घाट के पास गोर्रा नदी पर पक्का पुल बना हुआ है।

यह पुल कछार और दोआबा के पचासों गांव के लोगों का प्रमुख मार्ग है। इस पुल के होने के कारण देवरिया और गोरखपुर जनपद के बीच की दूरी काफी कम हो जाती है।

सेना की जिप्सी ट्रक से टकराई, सैन्य अधिकारी समेत तीन सैनिक घायल

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में शनिवार को सुबह देवबंद कोतवाली क्षेत्र में मुजफ्फरनगर राजमार्ग पर सेना के एक अधिकारी की जिप्सी कार ट्रक से टकरा गयी। जिससे उसमें सवार सैन्य अधिकारी समेत तीन सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस के अनुसार सहारनपुर मुजफ्फरनगर राजमार्ग पर करीब नौ बजे ग्राम निहारखेड़ी के पास ट्रक को ओवरटेक करते समय सेना की जिप्सी ट्रक के पीछे जा घुसी। जिसमें सेना के कैप्टन रोहन सिंह, जिप्सी चला रहे चालक श्याम सुंदर और सैनिक सत्येंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलने पर सीओ देवबंद रामकरण सिंह और पुलिस निरीक्षक सिराजुद्दीन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लहुलूहान तीनों सैनिकों को गंभीर हालत में पहले सीएचसी देवबंद लेकर गए जहां से उन्हें हायर सेंटर रैफर कर दिया गया।

पुलिस निरीक्षक सिराजुद्दीन ने बताया कि दोपहर करीब तीन बजे तक घायल सैनिकों की हालत में सुधार हुआ है। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है, किंतु ट्रक चालक फरार है। पुलिस के मुताबिक जिप्सी में सवार चार सैनिक देहरादून से दिल्ली जा रहे थे।

ग्राम निहारखेड़ी के पास जिप्सी चालक श्याम सुंदर ने जिप्सी को ट्रक से आगे निकालने का प्रयास किया, तभी ट्रक चालक ने उसी दिशा में ट्रक को मोड़ दिया, जिससे जिप्सी ट्रक में घुस गई और गंभीर हादसा हो गया। पुलिस के मुताबिक जिप्सी में सवार चौथे सैनिक अमरकांत पूरी तरह से सकुशल हैं।

सीएए का विरोध करने वालों से होगी नुकसान की भरपाई

पुलिस ने 60 प्रदर्शनकारियों को भेजा 57 लाख का नोटिस

बिजनौर। तीन साल पहले सीएए और एनआरसी विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा और आगजनी की घटनाओं में शामिल नहटौर के 60 प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने नोटिस जारी कर 57 लाख रुपये के नुकसान की भरपाई करने का निर्देश दिया है। नहटौर के थाना प्रभारी पंकज तोमर ने शनिवार को बताया कि 20 दिसंबर 2019 को नहटौर में सीएए/एनआरसी के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों ने हिंसक रूप अख्तियार कर लिया था। उन्होंने कहा कि भीड़ ने सरकारी संपत्ति में तोड़-फोड़ की थी और थाने पर खड़ी पुलिस की जीप और मोटरसाइकिलों में आग लगा दी थी।

तोमर के मुताबिक, इस दौरान भीड़ ने पुलिस पर पथराव भी किया था और जवाब में पुलिस को गोली चलानी पड़ी

थी। उन्होंने बताया कि हिंसक प्रदर्शन में अनस और सलमान नाम के दो युवकों की गोली लगने से मौत हो गई थी। तोमर के अनुसार, प्रशासन ने प्रदर्शन के दौरान 57 लाख रुपये की सरकारी संपत्ति के नुकसान का आकलन किया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अब हिंसा मे शामिल 60 आरोपियों को 57 लाख रुपये की भरपाई के लिए नोटिस जारी किए हैं।

यह था मामला

20 दिसम्बर 2019 को सीएए-एनआरसी को लेकर नहटौर में प्रदर्शन हुआ था। प्रदर्शन हिंसा में परिवर्तित हो गया था। मामले में प्रदर्शनकारियों ने थाने पर भी पथराव किया था। साथ ही पुलिस वाहनों में आग लगा दी थी। प्रदर्शन के दौरान गोली चलाई गई थी। इसमें मोहल्ला मंगू चर्खी निवासी सुलेमान और मोहल्ला कस्बा निवासी अनस पुत्र अरशद की गोली लगने से मौत हो गई थी। घटना में तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक राजेश सोलंकी सहित 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। मामले को लेकर राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर नहटौर सुर्खियों में आ गया था। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी सहित विभिन्न राष्ट्रीय पार्टियों के प्रतिनिधियों ने नहटौर पहुंचकर घटना की जानकारी ली थी। मृतकों के परिजनों का ढांढस बंधाया था।

बिजनौर एसपी दिनेश सिंह ने बताया, सीएए-एनआरसी बवाल में नहटौर थानाक्षेत्र में क्षतिपूर्ति की वसूली के लिए 60 लोगों को नोटिस तामिल कराए गए हैं। पुलिस ने मुकदमों के आधार पर कार्रवाई की है।

स्वास्थ्य विभाग की एक लापरवाही 120 बच्चों की जिंदगी पर पड़ी भारी

स्कूल पढ़ाई के दौरान 120 बच्चों को लगाई वैक्सीन, 50 से ज्यादा बीमार

एजेंसी

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने स्वास्थ्य विभाग ही नहीं पूरे जिले की नींद उड़ाकर रख दी है। स्वास्थ्य विभाग की एक लापरवाही 120 बच्चों की जिंदगी पर भारी पड़ गई। दरअसल अलीगढ़ छर्रा और दादों क्षेत्र में शुक्रवार को डीपीटी और डीटी का टीका लगने स्कूल पहुंची थी। चलते स्कूल के अंदर टीम घुस गई और बच्चों का वैक्सीनेशन कर दिया। वैक्सीनेशन की जानकारी न तो स्वास्थ्य विभाग ने घर वालों को दी और न ही शिक्षा विभाग ने।

वैक्सीनेशन के बाद बच्चों को घर भेज दिया गया। कुछ देर बाद करीब 50 से ज्यादा बच्चों की हालत बिगड़ गई। इनमें से 39 बच्चों की हालत ज्यादा खराब हुई तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि सीएमओ डॉ. नीरज त्यागी ने बताया कि बच्चों का स्थिति नॉर्मल एक बच्चों को 100 डिग्री बुखार है। परिजन इससे घबराएं नहीं यह टीके का लक्षण है।

पांच वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने के 26 सितंबर से डीपीटी और डीटी (डिपथीरिया कन्टेनिंग वैक्सीन) टीका लगाए जाने का अभियान शुरू किया गया है। यह यह अभियान अभियान 15 अक्टूबर तक चलाया जाना है। जिसके तहत शुक्रवार को छर्रा और दादों प्राथमिक विद्यालयों से बुलाकर टीकाकरण किया गया। दादों क्षेत्र में ग्राम पंचायत नाह के नगला के करीब 120 बच्चों को प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने के दौरान छर्रा अस्पताल की टीम ने जाकर वैक्सीन लगाई। उसके बारे में न तो घर वालों को बताया गया और न ही एहतियातन कोई दवा गोली दी गई।

टीका लगवाने के बाद सभी छात्रों की छुट्टी कर घर भेज दिया गया। दोपहर करीब 2.30 बजे गांव 120 छात्रों का स्वास्थ्य बिगड़ गया। उल्टी बुखार, अकड़न जैसी समस्या आने लगी। जिसके बाद घर घर चारपाई पर बच्चे बीमार पड़ गए। उसके बाद परिजनों ने अस्पताल की ओर दौड़ लगा दी। जिसके बाद सीएचसी पर हड़कंप मच गया। सीएचसी छर्रा पर 39 बच्चों को भर्ती कराया गया।

खंड शिक्षा अधिकारी भी मौके पर पहुंचे

120 बच्चों को प्राथमिक विद्यालय से बुलाकर टीकाकरण करने के बाद बिगड़ी स्थिति बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी भी सकते में आ गए। जानकारी मिलते ही खंड शिक्षा अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और बच्चों की हालत जानी। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि बच्चों की स्थिति सामान्य है। एक बच्चे को बुखार है। सभी बच्चों को खाने पीने की चीजें दी गई है। घबराने वाली कोई बात नहीं है।

इवेंट का पैसा हड़पने के मामले में कोर्ट में हाजिर हुई सपना चौधरी, 4 नवंबर को तय होंगे आरोप

लखनऊ। डांस इवेंट का पैसा हड़पने के मुकदमे में मशहूर डांसर सपना चौधरी शुक्रवार को एसीजेएम कोर्ट में हाजिर हुईं। एक अन्य आरोपी जुनैद अहमद के अदालत में हाजिर न होने के कारण आरोप तय नहीं किए जा सके। एसीजेएम शांतनु त्यागी ने सभी आरोपियों पर आरोप तय करने के लिए चार नवंबर की तिथि नियत की है।

इसके पहले सपना चौधरी के खिलाफ 22 अगस्त को न्यायालय में हाजिर न होने के कारण गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया था। इसके बाद वह 19 सितंबर को अदालत में हाजिर हुईं तथा बताया कि बीमारी के चलते वह अदालत नहीं पहुंच सकी थी। अदालत ने गिरफ्तारी वारंट निरस्त करते हुए आरोप तय करने के लिए सभी को शुक्रवार को तलब किया था। इसी मुकदमे के आरोपी जुनैद अहमद के अदालत में हाजिर न होने कारण आरोप तय नहीं किए जा सके। सपना चौधरी दोपहर 2 बजे अदालत में हाजिर हुई तथा अगली तिथि लेकर वापस चली गईं। अदालत ने निर्देश दिया है कि सभी आरोपी आगामी 4 नवंबर को न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहेंगे।

पत्रावली के अनुसार धोखाधड़ी के इस मामले की रिपोर्ट थाना आशियाना की चौकी किला के उप निरीक्षक फिरोज खान ने 13 अक्टूबर 2018 को सपना चौधरी व कई लोगों के खिलाफ दर्ज कराया था। विवेचना के बाद जुनैद अहमद, इबाद अली, अमित पांडेय एवं रत्नाकर त्रिपाठी के खिलाफ 20 जनवरी 2019 को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई। जबकि सपना चौधरी के खिलाफ एक मार्च 2019 को आरोप पत्र दाखिल किया गया। जिस पर अदालत ने 26 जुलाई 2019 को संज्ञान लिया था।

सरकारी कृपादृष्टि से बढ़ रही उद्योगपतियों की पूंजी : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने देश में अमीर और गरीब की खाई निरंतर बढ़ने पर चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया है कि देश में उद्योगपतियों की निजी पूंजी में सरकारी कृपादृष्टि के कारण अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है।

मायावती ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, सरकारी कृपादृष्टि के कारण भारत के उद्योगपतियों की निजी पूंजी में अभूतपूर्व वृद्धि होने से अब विश्व के धन्नासेठों में उनकी गिनती है, परन्तु देश में करीब 130 करोड़ गरीब व निम्न आय परिवारों के जीवन में थोड़ा भी सुधार नहीं होना अति-चिन्ता की बात। सरकार इस खाई को कैसे पाटेगी? बसपा सुप्रीमो मायावती ने रुपये के अवमूल्यन को भी बेहद संवेदनशील मुद्दा बताते हुए कहा कि विदेशी मुद्रा भंडार भी लगातार घट रहा है।

उन्होंने पूछा कि इस स्थिति को संभालने में उद्योगपतियों की क्या भूमिका हो सकती है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, भारतीय रुपये के मूल्य में अनवरत गिरावट चुभने वाला संवेदनशील मुद्दा है।

देवरिया : नवनिर्मित महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कालेज में डाक्टरों की कमी

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया तथा आसपास के जिलों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के मकसद से देवरिया में स्थापित महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज में डाक्टरों की कमी का संकट उत्पन्न हो गया है।

इससे मेडिकल कालेज में आने वाले मरीजों को उपचार कराने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मेडिकल कालेज के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि इस मेडिकल कालेज में 51 विशेषज्ञ डाक्टरों के पद है, लेकिन सिर्फ 31 डाक्टरों की ही तैनात हो पायी है। गौरतलब है कि अभी कुछ दिनों पूर्व इस मेडिकल कालेज का निरीक्षण राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र और सूबे के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया था।

मेडिकल कालेज प्रशासन ने यहां सारी व्यवस्थाओं को चाक चौबंद बताकर डाक्टरों की कमी के संकट को छुपा लिया।

इस सम्बंध में मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा.राजेश कुमार बर्नवाल का कहना है कि यहां के मेडिकल कालेज में शासन स्तर से 51 विशेषज्ञ डाक्टरों के पद स्वीकृत है। वर्तमान में 31 डाक्टरों की तैनाती है।

मुरादाबाद : पुलिसकर्मी को हरियाणा की महिला ने किया हनी ट्रैप का शिकार

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में पुलिस का एक जवान को हरियाणा की महिला ने 'हनी ट्रैप' का शिकार बनाकर जवान का वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे चार लाख रुपये ऐंठ लिये। पीड़ित पुलिसकर्मी की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि मुरादाबाद में तैनात पुलिसकर्मी से फेसबुक पर युवती से दोस्ती होने के बाद वह कुछ समय पहले उसकी पत्नी की गैरहाजरी में उसके घर आयी। युवती ने सिपाही का एक अश्लील वीडियो बनाकर इसे सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर सिपाही से चार लाख रुपये भी ऐंठ लिये। इसके बाद भी युवती ने सिपाही ने पैसों की मांग की तब पीड़ित सिपाही ने इसकी जानकारी अपनी पत्नी को दी। सिपाही की पत्नी ने इसकी शिकायत पुलिस में की। पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने युवती समेत तीन लोगों के खिलाफ सिविल लाइन थाने में केस दर्ज़ कर लिया।

जिले के पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 2011 बैच का उत्तर प्रदेश पुलिस का यहां तैनात संदीप कुमार सपरिवार पुलिस लाइन में रहता है। सिपाही की पत्नी राखी ने तहरीर देकर बताया कि वर्ष 2016 में उसके पति संदीप के फेसबुक पर रितिका रोहिल्ला नाम की महिला जुड़ी थी। सोशल मीडिया के माध्यम से दोनों के बीच बातचीत के दौरान घनिष्ठता हो गई थी। मूल रूप से हरियाणा में झज्जर जिले में बिठला की निवासी आरोपी महिला फिलहाल अपने पति के साथ उत्तराखंड के रुद्रपुर में रह रही है। इस बीच हील ही में सिपाही संदीप की पत्नी की गैरहाजिरी में फेसबुक फ्रेंड बनी महिला अचानक पुलिस लाइन स्थित उसके आवास पर आ गई। आरोप है कि सिपाही को उसने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोशी की हालत में सिपाही के अश्लील फोटो ले लिए। इसके बाद वह संदीप की 03 तोला सोने के जेवर और 45 हजार रुपये लेकर फरार हो गई। बाद में सिपाही को ब्लैकमेल करने की गरज से उसका वीडिओ वायरल करने की धमकी देकर आरोपी महिला ने अपने पति के साथ मिलकर संदीप से समय समय पर 04 लाख रुपये ऐंठ लिये। महिला की पैसों की मांग बढ़ कर अब 10 लाख रुपये तक पहुंचने पर संदीप ने अपनी पत्नी के सहयोग से पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करायी। सिविल लाइंस थाने में सिपाही संदीप की पत्नी रेखा की तहरीर के आधार पर आरोपी महिला रितिका और उसके पति जयभगवान रोहिल्ला समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

खाबरी को कमान सौंपकर कांग्रेस ने उप्र में खेला दलित कार्ड

लखनऊ। कांग्रेस आलाकमान ने दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी को पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई का अध्यक्ष मनोनीत कर प्रदेश में दलित वोट बैंक पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की कमजोर होती पकड़ का लाभ उठाने की कोशिश की है।

प्रदेश कांग्रेस की ओर से शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने खाबरी के अलावा प्रदेश कांग्रेस इकाई के छह

क्षेत्रीय अध्यक्ष भी नियुक्त किये हैं। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार खाबरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने के अलावा पार्टी के वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे, अजय राय, वीरेन्द्र चौधरी, अनिल यादव (इटावा) और योगेश दीक्षित को प्रदेश के विभिन्न जोन का प्रांतीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

स्पष्ट है कि छह प्रांतीय अध्यक्षों में सिद्दीकी और दुबे भी पूर्व बसपा नेता हैं। दुबे गत विधान सभा चुनाव में बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। फिलहाल सिद्दीकी प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी हैं।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में गत मार्च में संपन्न हुए विधान सभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार की जिम्मेदारी लेते हुए तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह 'लल्लू' ने पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से प्रदेश अध्यक्ष का पद रिक्त था। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष खाबरी 2016 में बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

वह बसपा के टिकट पर जालौन गरौठा संसदीय क्षेत्र से सांसद रह चुके हैं। बसपा ने एक बार उन्हें राज्यसभा का सदस्य भी बनाया था।

बस से टकराकर दो बाईक सवारों की मौत

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में चरथावल रोड पर शनिवार को बस से टकराकर दो बाईक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिये भिजवा कर आगे की कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी। पुलिस के अनुसार राजमार्ग पर चरथावल की ओर जा रही बाइक मुरादिया मदरसा के सामने विपरीत दिशा से आ रही एक निजी बस से टकरा गई। जिसके चलते दोनों बाइक सवारों की मौत हो गई। शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद देव मिश्रा ने बताया कि चरथावल के गांव हकीमपुरा निवासी आशीष पुत्र राजन तथा ऋषभ पुत्र सुनील त्यागी मुजफ्फरनगर से बाइक पर चरथावल जा रहे थे। उन्होंने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के चरथावल रोड पर जब बाइक मुरादिया मदरसा के समीप पहुंची तभी विपरीत दिशा से आ रही एक निजी बस से टकरा गई। मिश्रा ने बताया कि भिड़ंत इतनी भयानक हुई कि दोनों बाईक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी।

शार्ट न्यूज

एलआईसी एचएफएल ने ऋण दर 0.5 प्रतिशत बढ़ायी

मुंबई। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एलआईसी एचएफएल) ने अपने एलआईसी हाउसिंग प्राइम लेंडिंग रेट (एलएचपीएलआर) को 0.5 प्रतिशत से बढ़ा दिया है। एलएचपीएलआर एक आधार दर है जिससे एलआईसी एचएफएल के ऋणों की ब्याज दर जुड़ी हुयी है। कंपनी के प्रबंधन निदेशक और सीईओ वाई विश्वनाथ गौड ने कहा, ब्याज दरों में बढ़ोतरी मौजूदा बाजार स्थितियों के अनुरूप है। हमें उम्मीद है कि जल्द ही स्थिरता आएगी। हम अपने उत्पादों की पर्याप्त कीमत पर ध्यान दे रहे हैं ताकि हमारे ग्राहकों के लिए ईएमआई का खर्च उचित रहे। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि त्योहारी सीजन के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र में उत्साह बढ़ेगा और भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी मानदंड मजबूत बने रहेंगे।

विमानन ईंधन के दाम 4.5 प्रतिशत घटे

नयी दिल्ली। विमानन ईंधन के दाम शनिवार को 4.5 प्रतिशत कम हो गए। तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल की अधिसूचना के अनुसार विमानन ईंधन के दामों में कटौती आज से प्रभावी हो गयी है। ईंधन की कीमत में गिरावट के बाद दिल्ली में विमानन ईंधन के दाम 1,15,520.27 रुपये किलोलीटर पर आ गए हैं जबकि इसकी कीमत कोलकाता में 1,22,028, मुंबई में 1,14,396.24 और चेन्नई में 1,19,900.91 प्रति किलोलीटर हो गयी है। विमानन ईंधन के दामों की समीक्षा हर माह की पहली और 16 तारीख को की जाती है जिसमें 16 सितंबर को इसके दामों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था। देश में फिलहाल पेट्रोल एवं डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं।

वगैर इथेनॉल पेट्रोल डीज़ल पर दो रुपए उत्पाद शुल्क में कुछ राहत

नयी दिल्ली। सरकार ने वगैर इथेनॉल पेट्रोल और डीजल पर दो रुपए उत्पाद शुल्क लगाने की अवधि में कुछ राहत देने की घोषणा की है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। आज से वगैर इथेनॉल मिश्रण के पेट्रोल और डीज़ल पर दो रुपए उत्पाद शुल्क लगना था लेकिन पेट्रोल पर यह एक नवंबर से और डीज़ल पर यह छह महीने बाद एक अप्रैल 2023 से प्रभावी होगा। वित्त मंत्री ने चालू वित्त वर्ष के बजट में यह घोषणा की थी।

लगातार सातवें महीने में जीएसटी संग्रह 1.40 लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली। सरकार के आर्थिक सुधार के लिए उठाए गए आवश्यक कदम और बेहतर रिपोर्टिंग की बदौलत इस वर्ष सितंबर में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह लगातार सातवें महीने में 1.40 लाख करोड़ रुपये के पार बना रहा है। इस वर्ष सितंबर में 147686 करोड़ रुपये का जीएसटी राजस्व संग्रहित हुआ है जो पिछले वर्ष के इसी महीने में संग्रहित 117010 करोड़ रुपये की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2022 में 147686 करोड़ रुपये जीएसटी राजस्व संग्रहित किया गया, जो सितंबर 2021 के 117010 करोड़ रुपये की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। कुल जीएसटी में सीजीएसटी 25271 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 31813 करोड़ रुपये, आईजीएसअी 80464 करोड़ रुपये जिसमें आयातित वस्तुओं पर संग्रहित जीएसटी 41215 करोड़ रुपये भी शामिल है और 10137 करोड़ रुपये क्षतिपूर्ति कर संग्रहित हुआ है जिसमें 856 करोड़ रुपये आयातित वस्तुओं पर संग्रहित कर भी शामिल है। सरकार ने आईजीएसटी (एकीकृत जीएसटी) से 31880 करोड़ रुपये सीजीएसटी में और 27403 करोड़ रुपये एसजीएसटी स्थानातंरित किये हैं। नियमित निपटान के बाद सितंबर 2022 में केंद्र कुल सीजीएसटी राजस्व 57151 करोड़ रुपये और राज्यों के लिए एसजीएसटी राजस्व 59216 करोड़ रुपये रहा है। सितंबर 2022 में कुल मिलाकर 1.1 करोड़ ई वे बिल और ई इंवाइस जारी किये गये।

हुंडई के वाहनों की बिक्री में 38 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई। ऑटो क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने सितंबर में वार्षिक आधार पर 38 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 63,201 वाहन बेचे। कंपनी के सितंबर 2021 में 45,791 वाहन बिके थे। एचएमआईएल ने शनिवार को एक बयान में कहा कि कंपनी की घरेलू स्तर पर बिक्री में 50.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुयी है। आलोच्य माह में कंपनी ने 49,700 वाहन बेचे जिनकी संख्या सितंबर 2021 में 33,087 वाहन थी। कंपनी ने सितंबर 2022 में 13,501 वाहनों का निर्यात किया जो इससे एक वर्ष पूर्व निर्यात किए गए 12,704 वाहनों से 6.3 प्रतिशत अधिक है। एचएमआईएल के बिक्री, विपणन एवं सेवा निदेशक तरुण गर्ग ने कहा, पिछली कुछ तिमाहियों में भारतीय अर्थव्यवस्था के अच्छे प्रदर्शन के साथ त्योहारी सीजन ने मांग की गति को और बढ़ा दिया है।

स्कोडा ऑटो की बिक्री 17 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। स्कोडा ऑटो इंडिया ने सितंबर 2022 में 3,543 कारों की बिक्री की जो एक वर्ष पूर्व बेची गयी इसी माह में 3,027 कारों से 17 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के ब्रांड निदेशक पेट्र सोल्क ने कहा, स्कोडा के भारत में सबसे बड़े वर्ष की कामयाबी को जारी रखते हुए हम खुश है। यह एक बेहतरीन परिणाम है और हमारी टीम तथा डीलरों कड़ी मेहनत की एक पहचान है। उन्होंने कहा, कुशाक और स्लाविया मॉडल सफलतापूर्वक बाजार में स्थापित हो गए हैं और बिक्री को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अलावा हमारे डी-सेगमेंट उत्पाद जैसे ऑक्टेविया और सुपर्ब अपनी-अपनी श्रेणियों में आगे हैं। हमारा ध्यान अब ग्राहकों की संतुष्टि को और बढ़ाने पर है।

टोयोटा की बिक्री में 66 प्रतिशत का उछाल

नयी दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने सितंबर 2022 में वार्षिक आधार पर 66 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 15,378 वाहनों की बिक्री की। टीकेएम ने शनिवार को एक बयान में कहा कि कंपनी ने सितंबर 2021 में 9,284 वाहन बेचे थे। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही में कंपनी की बिक्री में वार्षिक आधार पर 68 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखी। कंपनी के सेल्स और स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट अतुल सूद ने कहा, टोयोटा की बिल्कुल नई एसयूवी अर्बन क्रूजर हायरायडर को जबरदस्त समीक्षा मिली है और बुकिंग ऑर्डर हमारी अपेक्षाओं से अधिक है। टोयोटा के तकनीकी कौशल में ग्राहकों का विश्वास और भरोसा हमारे विश्वास को और मजबूत करता है।

विस्तारा ने शुरू की मुंबई-अबू धाबी के बीच सीधी उड़ान

नयी दिल्ली। टाटा समूह की एयरलाइन कंपनी विस्तारा ने शनिवार को मुंबई और अबू धाबी (यूएई) के बीच सीधी उड़ान शुरू की। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि यह उड़ान मुंबई से भारतीय समयनुसार शाम सात बजकर 10 मिनट पर उडान भरेगी और अबु धाबी में स्थानीय समयानुसार रात आठ बजकर 40 मिनट पर पहुंचेगी। इस हवाई मार्ग पर यह पहली उड़ान होगी जो बिजनेस और इकोनॉमी के साथ प्रीमियम इकोनॉमी क्लास की सुविधा प्रदान करेगी। विस्तारा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद कन्नन ने कहा, हम यूएई और शेष खाड़ी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहे हैं। हम अपने बढ़ते हुए अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में अबु धाबी को जोड़ने को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, यूएई में बढ़ते कारोबार, व्यापार और पर्यटन से हमारे नेटवर्क के लिए अबु धाबी बहुत अच्छा गंतव्य है। हमें विश्वास है कि इस हवाई मार्ग पर यात्री भारत एवं दक्षिण एशिया की उत्कृष्ट एयरलाइन के सफर का भरपूर आनंद लेंगे।

हीरो ने सितंबर में बेचे 5,19,980 वाहन

नयी दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने मासिक आधार पर 12.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सितंबर 2022 में 5,19,980 वाहनों की बिक्री की। कंपनी ने इससे एक माह पूर्व अगस्त में 4,62,608 वाहन बेचे थे। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सितंबर 2022 में घरेलू बाजार में 5,07,690 वाहन बेचे गए जबकि 12,290 वाहनों का निर्यात हुआ।

उद्योग जगत ने 5 जी की शुरूआत को बताया क्रांतिकारी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज देश में 5 जी सेवाओं का शुभारंभ किये जाने का स्टार्टअप से लेकर टेलीकॉम क्षेत्र और इसके लिए उपकरण आदि बनाने वाली कंपनियों ने स्वागत करते हुये कहा कि इससे देश में विकास का अगला चरण शुरू होगा।

मीडियाटेक इंडिया के प्रबंध निदेशक अंकु जैन ने कहा कि 5जी कारोबारियों के लिए अवसरों की एक नयी लहर पैदा करेगा जिससे इस देश के लिए वृद्धि का अगला चरण शुरू होगा। 5जी टेक्नोलॉजी महज निर्बाध कनेक्टिविटी और तेज स्पीड ही नहीं, बल्कि कारोबार और उद्योग जगत में क्रांति लाने जा रहा है जहां उन्नयन, अनुसंधान एवं विकास और नवप्रवर्तन बढ़ेगा और साथ ही ग्राहकों के अनुभवों में भी सुधार होगा। 5 जी डिजिटल इंडिया पहल के लिए एक प्रमुख कारक होगा और एआई, क्लाउड, आईओटी एवं अन्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर भारत में डिजाइन के अवसरों को बढ़ाएगा। हमारा अनुमान है कि भारत अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर आरएंडडी और डिजाइन के लिए एक बड़ा हब बनने जा रहा है और 5जी के लांच होने से डिजिटल परिवर्तन की गति में तेजी आएगी। मीडियाटेक भारत के लोगों को बधाई देता है और हमें आत्मनिर्भर की ओर भारत की यात्रा में इस महत्वपूर्ण कीर्तिमान का हिस्सा बनकर अत्यधिक गर्व है।

टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल के सीईओ अरविंद बाली ने कहा भारत में बहुप्रतीक्षित 5 जी सेवाओं की लांचिंग की घोषणा करने पर हम हमारे माननीय प्रधानमंत्री की सराहना करते हैं। 5 जी सेवाओं के लिए मांग बढ़ने से भारत में कुशल कार्यबल के लिए ढेरों अवसर पैदा होंगे। एक अनुमान के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 में भारत में 5जी और सहायक प्रौद्योगिकियों के लिए करीब 36,000 सक्षम कर्मचारियों की जरूरत थी। इंटरनेट सेवाओं और एप्स का इस्तेमाल बढ़ने, बेहतर दूरसंचार नेटवर्क के लिए मांग बढ़ने और वर्तमान में 5 जी नेटवर्क के लागू होने से यह अंतर बढ़ना तय है। इस मांग को पूरी करने के लिए टीएसएससी ने 5 जी और इससे जुड़ी प्रौद्योगिकियों में पहले ही पाठ्यक्रम विकसित कर लिया है और देशभर में कई उत्कृष्ट केंद्र और प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की है। इस अंतर को पाटने के लिए हमने विभिन्न सरकारी, अकादमिक क्षेत्र और कारोबारी भागीदारों के साथ गठबंधन किया है। भारत में भारी तादाद में प्रतिभावान युवकों की फौज है इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि युवाओं को कुशल बनाया जाए, उनका कौशल बढ़ाया जाए या नयी नेटवर्क टेक्नोलॉजी के लिए उन्हें नए सिरे से कौशल प्रदान किया जाए।

कॉमवीवा के सीईओ मनोरंजन (माओ) ने कहा कि भारत में 5 जी नेटवर्क की शुरूआत, डिजिटल परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण कारक होगा। हम इस देश में 5 जी सेवाएं शुरू करने की घोषणा करने के लिए प्रधानमंत्री की सराहना करते हैं। यह टेक्नोलॉजी ग्राहकों की जरूरतें पूरी करने के साथ ही इस देश में एंटरप्राइस सेगमेंट का जबरदस्त मूल्यवर्धन करेगी। अगले पांच साल में 5 जी से जुड़े कारोबारी एप्लीकेशंस का वैश्विक बाजार बढ़कर 20 अरब डॉलर पहुंचने की संभावना है और भारत इस विस्तार में एक महत्वपूर्ण योगदान करेगा। 5 जी ना केवल देशभर में कनेक्टिविटी में सुधार लाएगा, बल्कि पारंपरिक कॉलिंग एवं इंटरनेट सेवाओं के अलावा दूरसंचार ग्राहकों के लिए एक नया अनुभव उपलब्ध कराएगा।

टेक महिन्द्रा के अध्यक्ष (संचार, मीडिया एवं मनोरंजन कारोबार) और सीईओ (नेटवर्क सर्विसेज) मनीष व्यास ने कहा कि 5 जी पारितंत्र से सभी क्षेत्र के उद्योगों के लिए अवसरों के व्यापक द्वार खुलेंगे जिनसे वे नवप्रवर्तन के लिए अनूठे विचारों के साथ प्रयोग कर सकेंगे और वृद्धि की नयी संभावनाएं पैदा कर सकेंगे। 5 जी नेटवर्क टेक्नोलॉजी में ना केवल एक ऊंची छलांग है, बल्कि यह नवप्रवर्तन के लिए एक प्लेटफॉर्म है। 5 जी डिजिटल विकास को नए पंख लगाएगा जिससे हम आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महारथी बनने के करीब ले जायेगा। 5 जी को लेकर उद्योग अत्यधिक उत्साहित है और 5 जी के हकीकत बनने के इस यादगार पल में सरकार और भारत के लोग बधाई के पात्र हैं।

नोकिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और भारतीय बाजार के प्रमुख संजय मलिक ने कहा नोकिया भारत में 5 जी युग की शुरूआत करने में हमारे साझीदारों को सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध और पूरी तरह से तैयार है। हम 5 जी टेक्नोलॉजी को लागू करने की सुविधा प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा किए गए सभी उपायों का स्वागत करते हैं। 5 जी शुरू करने में हमारा वैश्विक अनुभव बताता है कि यह सामाजिक आर्थिक वृद्धि और औद्योगिक वृद्धि को एक मजबूत खुराक प्रदान करेगा और जीडीपी एवं डिजिटल भारत के मिशन में उल्लेखनीय योगदान करेगा।

ईश्री इंडिया के प्रबंध निदेशक अजेन्द्र कुमार ने कह कि 5 जी की लांचिंग सही मायने में एक अद्भुत क्षण है और इस यात्रा का हिस्सा बनकर उनकी कंपनी गौरवान्वित हैं। जैसा कि प्रौद्योगिकी परिवर्तन के इस नए युग में कदम रख रहे हैं, 5 जी के आने से ना केवल भारतीय दूरसंचार उद्योग में क्रांति आएगी, बल्कि इसका व्यापक स्तर पर सामाजिक, आर्थिक और वैश्विक प्रभाव देखने को मिलेगा। इन सभी में जीआईएस टेक्नोलॉजी और जियोस्पैटियल ढांचा दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को एक एकीकृत तरीके से उनके नेटवर्क, परिसंपत्तियों और परिचालन के प्रबंधन एवं डिजाइनिंग में एक अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही यह उनकी बदलती कारोबारी जरूरतें पूरी करने और अगली पीढ़ी के ग्राहकों का अनुभव बढ़ाने में अहम होगा। कुल मिलाकर, जीआईएस और 5 जी डिजिटल इंडिया की सफलता में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभायेंगे।

5जी है डिजिटल कामधेनु : मुकेश अंबानी

नयी दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने 5जी को डिजिटल कामधेनु बताते हुए आज घोषणा कि की रिलायंस जियो दिसंबर 2023 के अंत तक पूरे देश में 5जी सेवा पहुंचा देगी और 5जी के 5 लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ ही यह देश को बदल सकता है।

अंबानी ने आज यहां शुरु हुए चार दिवसीय इण्डिया मोबाइल कांग्रेस और देश में 5 जी सेवा की शुरुआत के अवसर पर यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5जी सेवा लॉन्च किए जाने से पहले श्री अंबानी ने कहा कि भारत के 5जी युग में तेजी से आगे बढ़ने के लिए उठाए गए कदम प्रधानमंत्री के

दृढ़ संकल्प का परिणाम हैं। यह खुशी की बात है क्योंकि 5जी अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी तकनीक से कहीं बढ़कर है। यह एक मूलभूत तकनीक है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स, ब्लॉकचैन और मेटावर्स जैसी अन्य परिवर्तनकारी तकनीकों की पूरी क्षमता को अनलॉक करती है। उन्होंने कहा कि भारत में 5जी का रोलआउट भारत के दूरसंचार इतिहास में कोई सामान्य घटना नहीं है। यह 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों और उच्च आकांक्षाओं को अपने कंधे पर उठाए हुए है। 5जी के साथ, भारत सब का डिजिटल साथ और सब का डिजिटल विकास की दिशा में मजबूत कदम उठाएगा। भारत ने भले ही थोड़ी देर से शुरुआत की हो, लेकिन हम दुनिया की तुलना में उच्च गुणवत्ता वाली और अधिक किफायती 5जी सेवाओं को शुरू करेंगे। श्री अंबानी ने दिसंबर 2023 तक देश के हर शहर, हर तालुका और हर तहसील में 5जी पहुंचाने की जियो की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि जियो की अधिकांश 5जी भारत में विकसित की गई है, इसलिए आत्मनिर्भर भारत की मुहर इस पर लगी है।

उन्होंने कहा कि 5जी के 5 लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ ही यह राष्ट्र को बदल सकता है। 5 जी डिजिटल सॉल्युशन्स, आम भारतीयों तक सस्ती और उच्ची गुणवत्ता वाली शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट को पहुंचा सकते हैं। यह युवा भारतीयों को विश्व स्तरीय क्षमताओं और दक्षताओं से लैस करके उनकी पूरी क्षमता को उभारने में मदद करेगा ताकि वे अधिक कमा सकें और भारत को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना सकें।

400 तक चढ़ा अडानी ग्रुप का यह शेयर, 5 कंपनियों को एकसाथ लाने का असर

नई दिल्ली। बीते कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को अचानक गौतम अडानी समूह की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी के स्टॉक रॉकेट बन गए। कारोबार के दौरान स्टॉक में 400 रुपये तक की तेजी आई। इस तेजी की वजह अडानी ग्रीन का एक फैसला है। दरअसल, अडानी ग्रीन ने अपने पूर्ण स्वामित्व वाली अडानी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग फोर लिमिटेड के जरिए पांच नई सहायक कंपनियों को शामिल किया है।

ये सहायक कंपनियां-अडानी रिन्यूएबल एनर्जी थर्टी फाइव लिमिटेड, अडानी रिन्यूएबल एनर्जी थर्टी सेवन लिमिटेड, अडानी रिन्यूएबल एनर्जी फोर्टी वन लिमिटेड, अडानी रिन्यूएबल एनर्जी फोर्टी टू लिमिटेड, और अडानी रिन्यूएबल एनर्जी फोर्टी थ्री लिमिटेड है।

नई सहायक कंपनियों का मकसद विंड एनर्जी, सोलर एनर्जी या एनर्जी के अन्य रिन्यूएबल स्रोतों का उपयोग करना है। इसके जरिए किसी भी प्रकार की बिजली या विद्युत ऊर्जा का उत्पादन, विकास, परिवर्तन, वितरण, संचार, बिक्री, आपूर्ति करना है।

बीते शुक्रवार को अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर में 12.72 प्रतिशत या 255.05 रुपये की तेजी आई।

व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत घटी

नयी दिल्ली। व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) की कीमतों में शनिवार को 25.5 रुपये प्रति सिलेंडर की कमी की गई है।

इंडियन ऑयल की कीमत अधिसूचना के अनुसार घटी हुई कीमत आज से लागू होगी। व्यावसायिक उपयोग के लिए 19 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब दिल्ली में 1,885 रुपये के बजाय 1,859 रुपये होगी। कोलकाता में इसकी कीमत 1,995.50 रुपये के बजाय 1,959 रुपये, मुंबई में 1,844 रुपये के बजाय 1,811.50 रुपये और चेन्नई में 2,045 रुपये के बजाय 2,009.50 रुपये होगी। एक सितंबर 2022 को भी कीमतों में कमी की गई थी।

इससे पहले 19 किलो के सिलेंडर की कीमतों में छह जुलाई को संशोधन किया गया था।

लॉजिस्टिक्स सूचना प्लेटफार्म से सूचना के लिए 13 संगठनों ने किए समझौते

नयी दिल्ली। माल पहुंचाने की सुविधा को सस्ता और अधिक सुगम बनाने के लिए हाल में शुरू ऑनलाइन मंच यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूलिप) से 'मैपमाई इंडिया, कार्गोशक्ति और एस बैंक जैस 13 संगठन इस पर सूचनाएं हासिल करने के लिए सूचनाओं को अनधिकृत रूप से प्रकट न करने का समझौता कर चुके हैं। सरकार का कहना है कि ऐसे और दस से अधिक संगठन इससे जुड़ने की प्रक्रिया में हैं। यूलिप में एक समर्पित पोर्टल है जो डेटा अनुरोध की प्रक्रिया को सरल, तेज और पारदर्शी बनाता है और इस पर गोयूलिपडॉटइन साइट के जरिए जाया जा सकता है। यूलिप के साथ नान डिस्क्लोजर एग्रीमेंट (एनडीए) यानी सूचनाओं को सार्वजनिक न करने का समझौता करने वाले संगठनों में कार्गोसक्सचेंज, फ्रेट फॉक्स, कॉनमूव, इन्ट्यूजिन, एनकोनाटेक, सूपरप्रॉकर, कार्गोशक्ति, क्लाउडस्टार्ट्स, शिप्लाइट, एपीएसईजेडएल और एआईटीडब्ल्यूए भी शमिल हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) के अंतर्गत यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूलिप) का उद्घाटन किया था। इसका उद्देश्य देश में कारोबार करने में आसानी लाना है। लॉजिस्टिक्स प्रक्रियाओं को अधिक सरल, दक्षता तथा पारदर्शी बनाने से लॉजिस्टिक्स की लागत कम होगी और माल पहुंचाने में समय भी कम लगेगा। बयान में कहा गया है कि ट्रक्स, बॉश इंडिया, पोर्टलिंक्स, शिपरॉकेट इत्यादि जैसे 11 और संगठन डाटा अनधिकृत रूप से साझा न करने के लिए यूलिप के साथ एनडीए पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में लगे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि यूलिप प्लेटफॉर्म उद्योगों को विभिन्न मंत्रालयों के पर उपलब्ध लॉजिस्टिक्स और संसाधनों से संबंधित जानकारी तक सुरक्षित रुप से प्राप्त करने का मार्ग देगा। वर्तमान में सात मंत्रालयों की 30 प्रणालियों को 100 से अधिक एपीआई (एप्लीकेशन प्रोग्राम इंटरफेस) के माध्यम से एकीकृत किया गया है जिसमें हितधारकों द्वारा उपयोग के लिए सिस्टम सुरक्षा जांच और एकीकरण के गहन परीक्षण के बाद, उपयोगकर्ता विभिन्न सरकारी स्रोतों से यूलिप के माध्यम से प्रामाणिक डेटा प्राप्त कर सकते हैं।

सरकार देश में विनिर्माण उद्योग के प्रोत्साहन के लिए प्रतिबद्ध : गोयल

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को बताया कि सरकार भारत में विनिर्माण उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों (पीएलआई) की सात अतिरिक्त योजनाओं का मंजूर किया जाना उस प्रतिबद्धता का उदाहरण है जो मूल कार्यक्रम का हिस्सा नहीं थीं।

गोयल भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद के रेड ब्रिक सम्मेलन 2022 को वीडियो कॉफ्रेंसिग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना को काफी सराहा गया है। पीएलआई के पीछे का विचार उन शीर्ष क्षेत्रों को बढ़ावा देना था जहां हमें तुलनात्मक

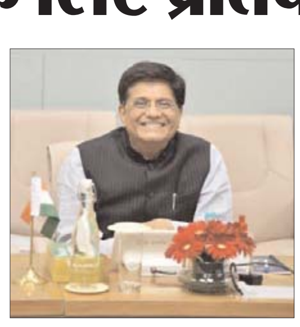

और प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है।

गोयल ने कहा कि पीएलआई योजनाओं का वास्तविक लाभ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को होना है क्यों कि क्योंकि जब कोई बड़ा उद्योग आया, तो यह अपने साथ निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं का एक पूरा पारिस्थितिकी तंत्र लेकर आता है। उन्होंने कहा भारत का मुख्य आधार एमएसएमई है और एमएसएमई का मुख्य आधार बड़ा उद्योग है जो हमारे एमएसएमई कर रहे हैं और उन्हें अधिक अवसर प्रदान करता है।

मंत्री ने कहा कि देश में 5जी दूरसंचार नेटवर्क का शुभारंभ विकास की मजबूत आकांक्षा रखने वाले भारत के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली बड़ी शुरुआत है। इसके आरंभ को लेकर जो उत्साह है वह वास्तव में सशक्त है।

गोयल ने कहा कि भारत के युवाओं ने अपने लीक से हटकर विचारों से देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने राष्ट्र के अनगिनत स्टार्ट-अप के नवाचारों की सादगी और प्रतिभा के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की।

शक्कर में खरीदी, खाद्य तेलो में तेजी, चना-तुअर में गिरावट, दाल सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर खरीदी रही। खाद्य तेल ऊंचे बोले गए। दलहनो में गिरावट दर्ज की गई। वहीं दालों में भाव कम हुए। चावल में उठाव सामान्य बताया गया।

किराना बाजार

शक्कर में खरीदी बताई गई। आज शक्कर में कामकाज 3680 से 3720 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 06 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा में कामकाज बना रहा।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में लिवाली कमी से भाव गिरावट लिए रहे। आज पाम तेल में भाव नीचे बोले गये। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बताई गई।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में चना कांटा, तुअर सस्ती बिकी। दालों में मांग सुस्ती से भाव नीचे बोले गए। आज मूंग दाल तथा मूंग मोगर नरमी लिए रही। चावल में उठाव साधारण बताया गया।

किराना

शक्कर 3680 से 3720 रुपये प्रति क्विंटल।

खोपरा गोला 158 से 178 रुपये प्रति किलोग्राम।

खोपरा बूरा 1925 से 3175 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 5700 से 7000, पैकिंग में 7200 से 7400 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 5700 से 5800, रायडा 5400 से 5500 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1620 से 1640, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1115 से 1120, सोयाबीन साल्वेंट 1075 से 1080, पाम तेल 930 से 935 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4750 से 4800, मसूर 6125 से 6150, तुअर निमाड़ी 6700 से 7200, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 7500 से 7700, तुअर (कर्नाटक) 7800 से 7900, मूंग 6800 से 7000, मूंग हल्की 5700 से 6300, उड़द 7400 से 7600, उड़द मीडियम 6300 से 6800, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

वनस्पति तेल, पॉम ऑयल, सूरजमुखी तेल और सोया रिफाइंड में नरमी

नयी दिल्ली। स्थानीय स्तर पर नवरात्रि के दौरान उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में पॉम ऑयल, वनस्पति तेल, सूरजमुखी तेल और सोया रिफाइंड तेल में नरमी का रूख बना रहा जबकि शेष खाद्य तेलों के साथ ही चावल, गेहूं, दाल दलहन में स्थिरता बनी रही।

तेल-तिलहन: इस दौरान वनस्पति तेल 220 रुपये प्रति क्विंटल, पॉम ऑयल 220 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 587 रुपये प्रति क्विंटल और सोया रिफाइंड 146 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। सरसों तेल और मूंगफली तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पड़े रहे।

5जी देश के समृद्ध भविष्य का पथ-प्रदर्शक मानचित्र है : सीओएआई

एजेंसी

नयी दिल्ली। मोबाइल दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों के संघ सीओएआई ने शनिवार को कहा कि 2025 तक भारत को 5 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने के लक्ष्य के साथ, 5जी हमारे देश के सामाजिक-आर्थिक विकास और भविष्य की समृद्धि का रोड मैप (पथ-प्रदर्शक मानचित्र) है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ही राजधानी में भारतीय दूरसंचार सेवा एवं प्रौद्योगिकी उद्योग के शीर्ष सम्मेलन इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी)2022 में देश में 5जी सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की और इस पर आधारित कुछ तकनीकी प्रदर्शनों का स्वयं अनुभव लिया।

सीओएआई के महानिदेशक डॉ एसपी कोचर ने एक बयान में इसके लिए श्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ' 5जी नए युग की तकनीकों जैसे इंटरनेट ऑफ दी थिंग्स (आईओटी), मोबाइल टू मोबाइल (एम2एम) लर्निंग, ड्रोन, कंप्यूटरीकृत निगरानी और बिग डेटा एनालिटिक्स के साथ एकीकरण करके विनिर्माण, स्वास्थ्य देखभाल और संवर्धित मनोरंजन से लेकर स्मार्ट सिटी परियोजनाओं तक प्रत्येक क्षेत्र के लिए नए रास्ते खोलेगा।

उन्होंने कहा कि हम भारत में लंबे समय से प्रतीक्षित 5जी लॉन्च को लेकर उत्साहित हैं। टेलीकॉम ऑपरेटर हाई-स्पीड सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार हैं जो उपभोक्ता अनुभव को बदलने के लिए तैयार हैं।

डॉ कोचर ने कहा,%%भारत के आर्थिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखने वाले लोगों और व्यवसायों के लिए अवसर पैदा करने के मामले में हम एक बहुआयामी प्रभाव देखेंगे। 2025 तक 5 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने के लक्ष्य के साथ, 5जी हमारे देश के सामाजिक-आर्थिक विकास और भविष्य की समृद्धि का रोड मैप है। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि जल्दी ही पूरे देश में गुणवत्ता वाली दूरसंचार संचार सेवाएं उपलब्ध होंगी।

शार्ट न्यूज

जयसूर्या ने की भारतीय सैलानियों से श्रीलंका आने की अपील

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सनथ जयसूर्या ने अपने देश के बुरे आर्थिक हालातों का हवाला देते हुये भारतीय सैलानियों से यहां आने की अपील करते हुए कहा कि भारतीय सैलानी श्रीलंका के दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के लिये आएं ताकि पर्यटन पर आश्रित छोटे द्वीप को गंभीर आर्थिक संकट से निजात पाने में मदद मिल सके। जयसूर्या ने शनिवार को ट्वीट किया पर्यटकों के लिए हमारे छोटे से द्वीप में सब कुछ है। यह घूमने के लिए एक खूबसूरत स्थल है, हम एक बुरे दौर से गुजरे हैं और अब हमें श्रीलंका को पुनर्जीवित करने के लिए पर्यटकों की आवश्यकता है, मैं अपने सभी भारतीय दोस्तों से श्रीलंका भ्रमण का अनुरोध कर रहा हूं। ट्वीट के साथ जयसूर्या ने एक वीडियो संदेश में कहा, हम चाहते है कि बड़ी संख्या में भारतीय सैलानी श्रीलंका के रमणीय स्थलों का भ्रमण करें। हमारे देश में अनेक सांस्कृतिक विरासत और खूबसूरत स्थल है। इस छोटे से द्वीप में पर्यटकों के लिये नैसर्गिक सुंदरता की भरमार है। यह हमारे लिये महत्वपूर्ण है कि एक टीम की तरह श्रीलंका की मदद की जाये। हम यहां दस लाख पर्यटकों के आने का अनुमान लगा रहे हैं जिसमें भारतीयों पर हमारी विशेष नजर है। हाल ही में संपन्न एशिया कप में श्रीलंका ने पाकिस्तान को हरा कर खिताब पर कब्जा किया था। देश में राजनीतिक अस्थिरता और अभूतपूर्व आर्थिक संकट के कारण एशिया कप को श्रीलंका से संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया गया था।

गेल के तूफान के बाद गरजे पठान बंधु, भीलवाड़ा प्लेआफ में

जोधपुर। पठान बंधुओं (यूसुफ पठान और इरफान पठान) की विस्फोटक पारियों की बदौलत भीलवाड़ा किंग्स ने शुक्रवार रात लीजेंड लीग के 11वें मुकाबले में गुजरात जायंट्स के खिलाफ पांच विकेट से जीत दर्ज कर प्लेऑफ में अपना स्थान पक्का कर लिया। बरकतउल्लाह स्टेडियम पर 'यूनीवर्स बॉस' यानी क्रिस गेल की 40 गेंदों पर 68 रन की तूफानी पारी की मदद से गुजरात जायंट्स निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 186 रन बनाये जिसके जवाब में युसुफ पठान (18 गेंदों पर 39 रन) और इरफान पठान (14 गेंदों पर 26 रन) की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत भीलवाड़ा ने दो गेंद शेष रहते जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया। भीलवाड़ा की शुरूआत अच्छी रही और सलामी जोड़ी ने स्कोर को 57 रनों पर पहुंचा दिया मगर इस बीच माने वैन वायको का विकेट गिरने के बाद रनों की रफ्तार धीमी पड़ गयी जबकि 12वें ओवर में विलियम पोर्टरफील्ड (37 गेंदों में 40 रन) का विकेट गिरने के बाद टीम पर संकट के बादल मंडराने लगे थे मगर युसुफ ने चार छक्के और एक चौके की मदद से 18 गेंदों में 39 रन ठोक कर मैच में फिर से रोमांच भर दिया। मैच के 16वें ओवर में यूसुफ के आउट होने के बाद इरफान और जेसल कारिया (39 नाबाद) ने अपनी टीम को जीत दिलाकर प्लेआफ में जगह बनायी।

बीसीसीआई एजीएम में हिमाचल का नेतृत्व करेंगे अरुण धूमल

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के छोटे पुत्र अरुण धूमल भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) की 18 अक्टूबर को मुंबई में होने वाली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन का नेतृत्व करेंगे। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष आरपी सिंह की अध्यक्षता में हुयी बैठक में शनिवार को यह निर्णय लिया गया। श्री सिंह ने कहा कि एपेक्स काउंसिल की बैठक में अरुण कुमार धूमल को बीसीसीआई की एजीएम की बैठक में प्रदेश की ओर से प्रतिनिधित्व करने का अधिकार दिया गया है। बैठक में एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष अवनीश परमार, एपेक्स काउंसिल के सदस्य विशाल शर्मा और चंद्रशेखर मेहता के अलावा, संयुक्त सचिव अमिताभ शर्मा और बृजेन्द्र शर्मा मौजूद थे। एपेक्स काउंसिल ने फैसला लिया कि धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम समेत अन्य चुनिंदा मैदानों को अत्याधुनिक बनाया जाये ताकि भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी मिलने में उन्हें सहूलियत हो सके।

तेल अवीव ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

तेल अवीव। सार्बिया के नोवाक जोकोविच ने शुक्रवार को एक कड़े मुकाबले में कनाडा के वासेक पोस्पिसिल के खिलाफ 7-6(5), 6-3 से जीत दर्ज कर तेल अवीव वाटरजेन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। कनाडा के पोस्पिसिल ने दुनिया के नम्बर एक खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी हालांकि जोकोविच के अनुभव के आगे उन्हें नतमस्तक होना पड़ा। इस जीत के साथ जोकोविच ने अपनी एटीपी हेड2हेड श्रृंखला में 6-0 से सुधार किया है, उन्होंने अब तक खेले गए सभी 13 सेट जीते हैं। मैच के बाद सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, वासेक टूर पर मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक है। हम एक दूसरे को कई सालों से जानते हैं। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ खेलना कभी आसान नहीं होता जिसका आप बहुत सम्मान करते हैं और जिसे आप बहुत पसंद करते हैं, लेकिन हम दोनों पेशेवर हैं और मैच जीतना चाहते थे। आप इसे देख सकते हैं। मुझे लगता है कि टेनिस का स्तर वास्तव में ऊंचा था। खासकर पहले सेट और दूसरे सेट के अंत में। लड़ने का श्रेय उन्हीं को जाता है। उसकी फिर से वापसी देखकर अच्छा लगा।

आईसीसी रैंकिंग में आस्ट्रेलिया महिला टीम पहली पायदान पर

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम एक दिवसीय और टी-20 प्रारूप में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट कौंसिल (आईसीसी) रैंकिंग में बड़े अंतर के साथ सर्वोच्च स्थान पर कायम है। एमआरएफ टायर आईसीसी द्वारा शनिवार को जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार आस्ट्रेलिया ने एकदिवसीय रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका पर अपनी बढ़त को 48 की बजाय अब 51 रेटिंग अंक की बढ़त बनाये हुए है, जो कि खेल के किसी भी प्रारूप में किसी भी अंतरराष्ट्रीय पुरुष या महिला टीम द्वारा अब तक की सबसे बड़ी बढ़त है वहीं दूसरे स्थान पर डटी इंग्लैंड की टी-20 टीम पर उनकी बढ़त 14 से बढ़कर 18 अंक की हो गयी है। आस्ट्रेलिया तीन रेटिंग अंकों की बढ़त के साथ 170 अंकों के साथ पहले स्थान पर कायम है जबकि दक्षिण अफ्रीका (119), इंग्लैंड (116), भारत (104) और न्यूजीलैंड (101) अंक लेकर क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर काबिज हैं। टी-20 में आस्ट्रेलिया के 299 रेटिंग अंक है जो दूसरे स्थान पर रही इंग्लैंड से 18 अंक ज्यादा हैं। न्यूजीलैंड तीसरे और भारत इस सूची में चौथे स्थान पर है वहीं वेस्टइंडीज को पछाड़ कर दक्षिण अफ्रीका पांचवें स्थान पर पहुंच चुका है।

दुष्कर्म के मामले में क्रिकेटर लामिछाने छह अक्टूबर को करेंगे आत्मसमर्पण

काठमांडू। नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी नेपाल क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान संदीप लामिछाने ने कहा है कि वह छह अक्टूबर को स्वदेश वापसी करेंगे और न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण करेंगे। संदीप ने अपने फेसबुक पर शनिवार को कहा मै पूरे भरोसे और हिम्मत के साथ कहता हूं कि मैं छह अक्टूबर को स्वदेश नेपाल लौट रहा हूं जहां मैं झूठे आरोपों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिये खुद को स्थानीय प्रशासन के हवाले कर दूंगा। मैं दोहराता हूं कि मैं निर्दोष हूं और मुझे अपने देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। मुझे भरोसा है कि माननीय न्यायालय इस मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुनवाई करेगी जिससे मुझे खुद को निर्दोष साबित करने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि केन्या में एक क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा लेने गये संदीप लामिछाने पर पिछले महीने एक नाबालिग ने दुष्कर्म का आरोप लगाया था। किशोरी की शिकायत के बाद पुलिस ने उसकी मेडिकल जांच की और संदीप के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। नेपाली क्रिकेटर के ठिकाने का पता नहीं लगने पर नेपाल पुलिस ने इंटरपोल से मदद मांगी।

राष्ट्रीय खेल में उप्र ने जीते चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य

अहमदाबाद। उत्तर प्रदेश ने गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों में शुक्रवार को चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य जीतते हुए अपना अभियान शुरू किया।

उत्तर प्रदेश इस सफलता के साथ राष्ट्रीय खेलों की तालिका (राष्ट्रीय खेल की वेबसाइट पर अपडेट) में दूसरे स्थान पर रहा।

उत्तर प्रदेश के लिए आज महिला एथलेटिक्स में तीन स्वर्ण जीते जिसमें किरन बालियान और मुनीता प्रजापति ने नया नेशनल गेम्स रिकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीते।

दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता पहलवान दिव्या काकरान ने भी महिला कुश्ती में उत्तर प्रदेश की झोली में स्वर्ण डाला।

इसके अलावा पुरुष कबड्डी सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश की टीम ने फाइनल में पहुंच कर पदक पक्का किया। एथलेटिक्स में आज बने नौ गेम्स रिकार्ड में दो रिकार्ड यूपी की एथलीटों की झोली में रहे। उत्तर प्रदेश के लिए एक मजदूर की बेटी मुनीता प्रजापति ने महिला 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में 1 घंटा 38 मिनट 20 सेकंड का समय निकालकर इस संस्करण का पहला रिकार्ड बनाया।

महिलाओं के शॉट पुट में उत्तर प्रदेश की किरण बालियान ने भी नया गेम्स रिकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। किरन बालियान ने 17.14 मीटर का थ्रो करते हुए स्वर्णिम सफलता हासिल की।

महिला हैमर थ्रो में तीसरा स्वर्ण उत्तर प्रदेश की सरिता रोमित सिंह ने 61.03 मीटर के थ्रो के साथ जीता। इसके अलावा पुरुष एथलेटिक्स में 1500 मी. में उत्तर प्रदेश के अजय कुमार सरोज ने 3:41.58 का समय निकालते हुए रजत पदक जीता।

महिला कुश्ती में उत्तर प्रदेश की दिव्या काकरान ने 76 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। उनकी इस सफलता से हरियाणा पहले दिन दांव पर लगे सभी छह स्वर्ण पदक जीतने से चूक गया। दिव्या ने क्वार्टर फाइनल में हरियाणा की रीतिका को हराया। फिर तेलंगाना की रोहिणी सत्य शिवानी और फाइनल में हिमाचल प्रदेश की रानी को 4-0 से हराया।

महिला कुश्ती के ही 62 किग्रा भार वर्ग में उत्तर प्रदेश की फ्रीडम यादव को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

इसके अलावा पुरुष टीम जिम्नास्टिक में उत्तर प्रदेश ने रजत पदक जीता। पुरुष कबड्डी सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश की टीम ने सर्विसेज को 42-37 से हराया।

शेखावाटी किंग्स ने केईआई रियल कबड्डी लीग सीजन2 का जीता खिताब

जयपुर। केईआई रियल कबड्डी लीग सीजन2 में शेखावाटी किंग्स टीम ने फाइनल मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया हैं।

शेखावाटी किंग्स ने शुक्रवार को हुए फाइनल मुकाबले में चंबल पाइरेट्स को 11 अंकों के अंतर से मात देकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस मुकाबले में मैच के शुरूआत से ही शेखावटी ने चंबल पर बढत बना ली और उसे बनाये रखते हुए मैच सैकंड हाफ के बाद अंतिम क्षणों में चंबल को 11 अंक पीछे छोड़ दिया और शेखावाटी किंग्स ने फाइनल मुकाबला 32 के मुकाबले 43 अंकों के साथ जीत लिया। लीग में 159 प्वाइंट के साथ

मेवाड़ मॉन्क्स टीम के जतिन शर्मा बेस्ट रेडर बने तथा 46 टैकल प्वाइंट्स हासिल कर जयपुर जगुआर के दीपांशु खतरी लीग के बेस्ट डिफेंडर रहे जबकि शेखावटी किंग्स के लक्ष्य मलिक मैन ऑफ द सीरीज एवं शेखावटी किंग्स के रितिक नेहरा मैन ऑफ द मैच रहे। लीग में तीसरे और चौथे स्थान के जयपुर जगुआर और सिंह सूरमा के बीच जबरदस्त टक्कर हुई। जयपुर ने सूरमा को चार अंकों से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया जबकि सूरमा चौथे स्थान पर रही।

फाइनल मैच देखने भारी संख्या में पहुंचे दर्शकों ने भी जबरदस्त उत्साह दिखाया वहीं संगीत और बॉलीवुड सितारों से सजा रंगारंग समारोह आयोजित हुआ। कबड्डी प्रेमियों के जोशीले अंदाज और संगीत से सजी शाम यादगार बन गयी।

सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि एंका वर्मा और एक्टर रणविजय सिंह ने ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा ने संगीत की शानदार प्रस्तुति देकर स्टूडियो में मौजूद दर्शकों को थिरकने को मजबूर कर दिया।

इससे पहले हुए मुकाबलों के दौरान दर्शकों ने कबड्डी के साथ इंडियन आइडियल फेम और बॉलीवुड सिंगर स्वरूप खान के लाइव कंसर्ट का भी जमकर आनंद लिया।

उप्र की पारूल, अभिषेक ने लगायी स्वर्णिम दौड़

अहमदाबाद। गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों में शनिवार को भी उत्तर प्रदेश के एथलीटों ने अपना पदक बटोरो अभियान जारी रखा। उत्तर प्रदेश के लिए आज अभिषेक पाल और पारुल चौधरी ने क्रमश : पुरुष और महिला की 5000 मीटर दौड़ में स्वर्णिम सफलता हासिल की। दूसरी ओर ट्रैक साइकिलिंग में सैयद बुरहान अली ने इलीट ग्रुप की 15 किमी. स्ट्रेच रेस में रजत पदक जीता। इन खेलों में जिम्नास्टिक स्पर्धा के दूसरे दिन सिद्धार्थ वर्मा ने व्यक्तिगत ऑल अराउंड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। सिद्धार्थ का यह पहला राष्ट्रीय खेल है। शाम तक उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीत चुके थे। इससे पहले उत्तर प्रदेश ने शुक्रवार को चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य जीते थे। उप्र अब तक छह स्वर्ण पदक, तीन रजत पदक और तीन कांस्य पदक सहित कुल 12 पदक जीत चुका है और खेलों की पदक तालिका में वह दूसरे स्थान पर चल रहा है। एथलेटिक्स में पुरुष 5000 मीटर दौड़ में अभिषेक पाल ने सर्विसेज के कार्तिक कुमार और सावन बरवाल के साथ मौजूदा चैंपियन जी. लक्ष्मणन को कड़े मुकाबले में हराकर खिताब जीता। अभिषेक ने 14:07.25 सेकेंड का समय निकाला, जो 13:50.05 के खेल रिकॉर्ड से काफी दूर था। अभिषेक ने राष्ट्रीय खेल-2015 में 5000 मीटर दौड़ में पांचवां स्थान हासिल किया था।

गोल हंटरज़ और सिग्नेचर को खिताब

नयी दिल्ली। दिल्ली फुटसल लीग फाइनल में दिल्ली फुटबाल लीग की चैंपियन दिल्ली एफसी को बड़ी निराशा हाथ लगी है। नोएडा स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भले ही दिल्ली एफसी की पुरुष और महिला टीमों ने फाइनल में प्रवेश किया लेकिन दोनों ही टीमों को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। फुटसल के पुरुष वर्ग में गोल हंटरज़ एफसी और महिलाओं में सिग्नेचर एफसी की टीमों ने क्रमश: दिल्ली एफ़सी को टाई ब्रेकर में परास्त किया। निर्धारित समय तक दोनों वर्गों के फाइनल मुकाबले 2-2 की बराबरी पर रहे। गोल हंटरज़ ने टाई ब्रेकर में 6-4 से और सिग्नेचर ने 5-4 से खिताब जीता।पुरुषों के फाइनल में गोल हंटरज़ ने डीएफसी पर अंत तक दबाव बनाए रखा और प्रतिद्वंद्वी टीम के अभय गुरंग और फहाद तैमूरी के गोलों का जवाब अंश गुप्ता और अभिराज विक्रम सिंह के गोलों से मैच को टाई ब्रेकर तक खींचा और बाद में जीता। टाई ब्रेकर में विजेता के गोल अभिराज, अंश गुप्ता, आदित्य शर्मा और प्रणव शर्मा ने किए। डीएफसी के क्लिंटन और निखिल माली ही सटीक निशाना लगा पाए। महिला वर्ग में भगवती चौहान और ज्योति ने सिग्नेचर के गोल बनाए जबकि विपक्षी के दोनों गोल तारा के नाम रहे।

हॉकी इंडिया ने एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिये 33 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की

एजेंसी

बेंगलुरू। हॉकी इंडिया ने ओडिशा के भुवनेश्वर में 28 अक्टूबर से खेली जाने वाली एफआईएच प्रो लीग 2022-23 के लिये तीन अक्टूबर से आयोजित प्रशिक्षण शिविर में 33 संभावित खिलाड़ियों के नाम की घोषणा शनिवार को की। जिसमें कप्तान मनप्रीत सिंह और अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश शामिल हैं। कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेली जाने वाली लीग में भारत का पहला मैच न्यूजीलैंड से 28 अक्टूबर को होगा जबकि 30 अक्टूबर को मेजबान टीम स्पेन से भिड़ेगी। प्रशिक्षण शिविर के लिये जारी खिलाड़ियों की सूची में गोलकीपर पीआर श्रीजेश, डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह, मिडफील्डर मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक को शामिल किया गया है।

टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, स्पेन और न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच हमारे लिए महत्वपूर्ण आउटिंग है और खिलाड़ी अगले कुछ महीनों में होने वाले मुकाबलों को लेकर उत्साहित हैं। हमने कोर ग्रुप में कुछ नए नाम चुने हैं जिन्होंने काफी संभावनाएं दिखाई हैं और मौका मिलने पर प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। भारत अपना अगला डबल हेडर मैच चार नवंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा और उसके बाद छह नवंबर को स्पेन के खिलाफ अपना दूसरा मैच खेलेगा। साई, बेंगलुरू में तीन सप्ताह के शिविर के बाद टीम 21 अक्टूबर को भुवनेश्वर के लिये रवाना होगी।

एफआईएच प्रो लीग के लिए भारत की संभावित टीम में संभावित गोलकीपर के तौर पर पीआर श्रीजेश, कृष्ण बी पाठक, पवन को शामिल किया गया है जबकि डिफेंडर्स में जर्मनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह, नीलाम संजीप जेस, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, मंदीप मोर, यशदीप सिवाच, दिप्सन टिर्की, संजय, मंजीत, सुमित का नाम शामिल है।

मिडफील्डर की भूमिका में मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राजकुमार पाल, पवन राजभर रहेंगे वहीं फॉरवर्ड में आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मनिंदर सिंह, मोहम्मद राहील मौसेन, एस कार्थी, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह पसीना बहायेंगे।

बाल्टिक सागर से हर घंटे 23 हजार किलो मीथेन हो रही लीक, यूनाइटेड नेशन ने जताई चिंता

कोपेनहेगन। बाल्टिक सागर में पाइपलाइन के टूटने के बाद रिकॉर्ड स्तर पर मीथेन गैस लीक हो रही है। इससे न सिर्फ पर्यावरणविद चिंतित हैं, बल्कि यूनाइटेड नेशन ने भी चिंता जताई है। हर घंटे तकरीबन 23 हजार किलो मीथेन गैस का रिसाव हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने कहा है कि बाल्टिक सागर के तल पर नॉर्ड स्ट्रीम नैचुरल गैस पाइपलाइन सिस्टम के टूटने से क्लाइमेट के लिए हानिकारक मीथेन लीक की सबसे बड़ी घटना होने की आशंका है।

यूएनईपी के लिए आईएमईओ के प्रमुख मैनफ्रेडी कैल्टागिरोन ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया, यह वास्तव में खराब है. सबसे अधिक आशंका इस बात की है कि अब तक की सबसे बड़ी उत्सर्जन घटना का पता चला है।

यह उस क्षण में मददगार नहीं है जब हमें उत्सर्जन को कम करने की आवश्यकता है।

हर घंटे लगभग 23 हजार किलो हो रही लीक

मीथेन गैस के उत्सर्जन पर नजर बनाए रखने के लिए सैटेलाइट्स का इस्तेमाल करने वाले जीएचजीसैट के रिसर्चर्स ने अनुमान लगाया है कि टूटने वाले चार बिंदुओं में से एक से रिसाव दर 22,920 किलोग्राम प्रति घंटे थी। जीएचजीसैट ने एक बयान में कहा, यह हर घंटे लगभग 6,30,000 पाउंड कोयला जलाने के बराबर है। कंपनी ने आगे बताया कि यह दर बहुत अधिक है, विशेष रूप से शुरुआत के चार दिनों के बाद को देखते हुए।

कैल्टागिरोन ने कहा कि गजप्रोम के नेतृत्व वाले पाइपलाइन सिस्टम से लीक होने वाली मीथेन की कुल मात्रा दिसंबर में मैक्सिको की खाड़ी और गैस क्षेत्रों से हुई एक बड़ी लीक से भी अधिक हो सकती है। वह प्रति घंटे लगभग 100 मीट्रिक टन तक फैल गई थी। वेलेंसिया के पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी द्वारा की गई एक रिसर्च और पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी पत्र पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, मैक्सिको की खाड़ी- जिसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकता है- ने 17 दिनों में लगभग 40,000 मीट्रिक टन मीथेन रिलीज की थी।

1.1 बिलियन पाउंड कोयले को जलाने के बराबर

अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के ग्रीनहाउस गैस कैलकुलेटर के अनुसार, यह 1.1 बिलियन पाउंड कोयले को जलाने के बराबर है। बता दें कि लेटेस्ट सैटेलाइट टेक्नॉलोजी ने हाल के सालों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को खोजने और उसका विश्लेषण करने की वैज्ञानिकों की क्षमता में तेजी से वृद्धि की है। कुछ सरकारों को उम्मीद है कि इससे कंपनियों को मीथेन उत्सर्जन का पता लगाने और रोकने में मदद मिलेगी।

घाना के ग्रामीणों को चीनी खदान के लिए निकाला गया

तलेंसी (घाना)। घाना के सैनिकों ने ऑस्ट्रेलियाई खनन फर्म कैसियस के साथ 39 करोड़ 50 लाख डॉलर के विवाद का केंद्र बनी एक चीनी खदान के विस्तार के लिए स्थानीय खनिकों को उनके घरों से बाहर निकाल दिया है। द ऐज समाचार पत्र के अनुसार उत्तरी घाना के तलेंसी में कुछ खनिकों ने अपने भूखंड चीनी सरकार से जुड़ी खनन कंपनी शानक्सी को बेच दिए हैं जबकि अन्य लोगों ने अपनी जमीन देने से इनकार कर दिया है। घाना सरकार द्वारा चीनी खदान के मूल आकार से पचास गुणा विस्तार करने की योजना को मंजूरी देने के बाद गतिरोध शुरु हुआ और भूमि को जब्त करने के लिए सेना ने हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। यह ताजा विवाद शानक्सी जिसे अब अर्ल इंटरनेशनल के नाम से जाना जाता है, के लिए उस नाजुक दौर में आया है और उस पर अतिक्रमण ,चोरी और हत्या जैसे आरोपों के बावजूद जो अपने कार्यों का विस्तार करने का प्रयास करती है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड और द एज ने अगस्त में खुलासा किया कि चीनी सरकार समर्थित खनन फर्म कैसियस के साथ उस समय विवाद में फंस गई थी, जब ऑस्ट्रेलियाई खनिक ने आरोप लगाया था कि उसने लाखों डॉलर मूल्य के सोने की चोरी करने के लिए रियायत के तहत खुदाई की थी। अर्ल इंटरनेशनल को इन आरोपो का भी सामना करना पड़ रहा है कि उसने 2013 से अपने खनन क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए दर्जनों स्थानीय खनिकों को मार डाला है। हालांकि अर्ल इंटरनेशनल ने आरोपों से इनकार किया है।

श्रीलंकाई सैन्य अधिकारियों को करना पड़ सकता है प्रतिबंधों का सामना

कोलंबो। ब्रिटेन सरकार श्रीलंका के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल शैवेंद्र सिल्वा और सेना के अन्य अफसरों पर युद्ध अपराधों को लेकर प्रतिबंध लगाने की संभावना तलाश रही है जिनके बारे में कहा गया है कि वे अलगाववादी तमिल आंदोलन की समाप्ति के समय युद्ध अपराध में शामिल थे। 'द आइलैंड' अखबार ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि ब्रिटेन सरकार ने हाउस ऑफ कॉमन्स को इन तथ्यों से अवगत करा दिया है। जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के चल रहे 51 वें सत्र के बीच ब्रिटेन ने विदेश और राष्ट्रमंडल विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के मंत्री जेसी नॉर्मन को प्रतिबंधों सहित राजनयिक तरीकों का उपयोग करने के लिए अपनी तत्परता दोहराई है। 12 सितंबर से शुरू हुए सत्र का समापन 8 अक्टूबर को होगा। वित्त विभाग के पूर्व वित्तीय सचिव ने कहा है कि ब्रिटिश सरकार ने श्रीलंका में स्थिति की बारीकी से समीक्षा की है जिसमें मानवाधिकार और जवाबदेही शामिल है। सुश्री लिज ट्रस की प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति के बाद 07 सितंबर को सांसद नॉर्मन को एफसीडीओ मंत्री बनाया गया था । इससे पहले यह मंत्रालय सुश्री ट्रस के पास था। फरवरी 2020 में अमेरिका द्वारा जनरल पर यात्रा प्रतिबंध जारी करने के मद्देनजर, ब्रिटिश राजनीतिक दलों ने श्रीलंकाई सेना, विशेष रूप से जनरल सिल्वा पर हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिकी यात्रा प्रतिबंध में जनरल सिल्वा के निकट संबंधी भी शामिल है। लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के विरुद्ध युद्ध के अंतिम चरण के दौरान श्रीलंकाई सेना पर सैकड़ों निर्दोष तमिलों की हत्या करने का आरोप है। मई 2009 में लिट्टे नेतृत्व को सैन्य रूप से कुचल दिया गया था।

श्रीलंका में मुद्रास्फीति बढ़कर 69.8 प्रतिशत हुई

कोलंबो। श्रीलंका में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में साल-दर-साल बदलाव के कारण सितंबर में मुद्रास्फीति बढ़कर 69.8 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो इससे पिछले अगस्त में 64.3 प्रतिशत थी। एक समाचार पत्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका के एक समाचार पत्र ने शुक्रवार जनगणना और सांख्यिकी विभाग के हवाले से कहा कि मुद्रास्फीति में यह वृद्धि खाद्य और गैर-खाद्यान्न वस्तुओं दोनों श्रेणियों की मासिक वृद्धि होने के कारण हुई है। विभाग ने यह भी घोषणा की कि देश में सितंबर में खाद्य कीमतों में 94.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो पिछले महीने अगस्त में 93.7 प्रतिशत थी। सितंबर में गैर-खाद्य मुद्रास्फीति अगस्त के 50.2 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 57.6 प्रतिशत हो गई।

भारत, श्रीलंका के बीच साझेदारी संबंधों की कोई सीमा नहीं

कोलंबो। भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच साझेदारी की कोई सीमा नहीं है। द आइलैंड अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक संपूर्ण द्विपक्षीय संबंध में भारतीय प्रौद्योगिकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के महत्व पर जोर देते हुए श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त बागले ने गुरुवार को कहा था कि दोनों देशों के बीच साझेदारी की कोई सीमा नहीं है। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने भारतीय प्रौद्योगिकी एवं आर्थिक सहयोग के माध्यम से, भारत एवं श्रीलंका के बीच क्षमता निर्माण साझेदारी के 58 साल पूरे होने के अवसर पर आईटीईसी दिवस 2022 मनाया। भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, '' उच्चायुक्त ने संपूर्ण भारत-श्रीलंका साझेदारी में आईटीईसी सहयोग के महत्व पर जोर दिया एवं कहा कि द्विपक्षीय साझेदारी के लिए कोई सीमा नहीं है'।'' गौरतलब है कि आईटीईसी भारत द्वारा संचालित एक द्विपक्षीय सहायता कार्यक्रम है।

उत्तरी कोरिया ने फिर किया मिसाइल परीक्षण, दुनिया बोली-अपनों की पीड़ा बढ़ा रहा 'सनकी'

सियोल। उत्तर कोरिया ने शनिवार को कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। उसके पड़ोसी देशों ने यह जानकारी दी। इस सप्ताह में यह चौथी बार है जब उत्तर कोरिया ने हथियारों का परीक्षण किया है, जिसकी उसके विरोधियों ने कड़ी निंदा की है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने उत्तरी कोरिया के इस कदम को सनकी बताया और कहा कि ऐसे हथियारों के इस्तेमाल से वह अपने लोगों की पीड़ा को बढ़ा रही है।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक यियोल ने उत्तर कोरिया के हथियार कार्यक्रम की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया की परमाणु हथियारों की सनक उसके अपने लोगों की पीड़ा को बढ़ा रही है तथा उन्होंने ऐसे हथियारों के इस्तेमाल पर दक्षिण कोरिया तथा अमेरिकी सेनाओं की ओर से अत्यधिक कड़ी प्रतिक्रिया मिलने को लेकर आगाह किया।

यून ने सशस्त्र सेना दिवस समारोह में कहा, उत्तर कोरिया ने पिछले 30 वर्ष में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निरंतर

आपत्ति के बावजूद परमाणु तथा मिसाइल हथियारों के लिए अपना फितूर नहीं छोड़ा है। परमाणु हथियारों का विकास उत्तर कोरियाई लोगों को और पीड़ा में डाल देगा।

उन्होंने कहा, अगर उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करता है तो उसे दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन तथा हमारी सेना की कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।

यून की टिप्पिणियां उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को नाराज कर सकती हैं, जिन्होंने आरोप लगाया है कि यून की सरकार का नेतृत्व सनकी और गुंडे करते हैं। किम ने परमाणु निरस्त्रीकरण के बदले में मदद की यून की पेशकश पहले ही ठुकरा दी है।

क्यों बढ़ाए मिसाइल परीक्षण

उत्तर कोरिया ने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की दक्षिण कोरिया की यात्रा तथा अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के बीच पांच साल में पहला पनडुब्बी रोधी प्रशिक्षण होने के बाद मिसाइल परीक्षण तेज कर दिए हैं। दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिकी सेनाओं ने शनिवार को कहा कि उन्होंने उत्तर कोरिया के दो मिसाइल परीक्षणों का पता लगाया है। दक्षिण कोरिया तथा जापान की सेनाओं के अनुसार, मिसाइलों ने कोरियाई प्रायद्वीप तथा जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले करीब 350-400 किलोमीटर की दूरी तय की। कुछ पर्यवेक्षकों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका की मिसाइल रक्षा प्रणाली को मात देने तथा दक्षिण कोरिया में अमेरिकी सैन्य अड्डों समेत अहम ठिकानों को निशाना बनाने के लिए इस्कंदर जैसी मिसाइलें विकसित की हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?

ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

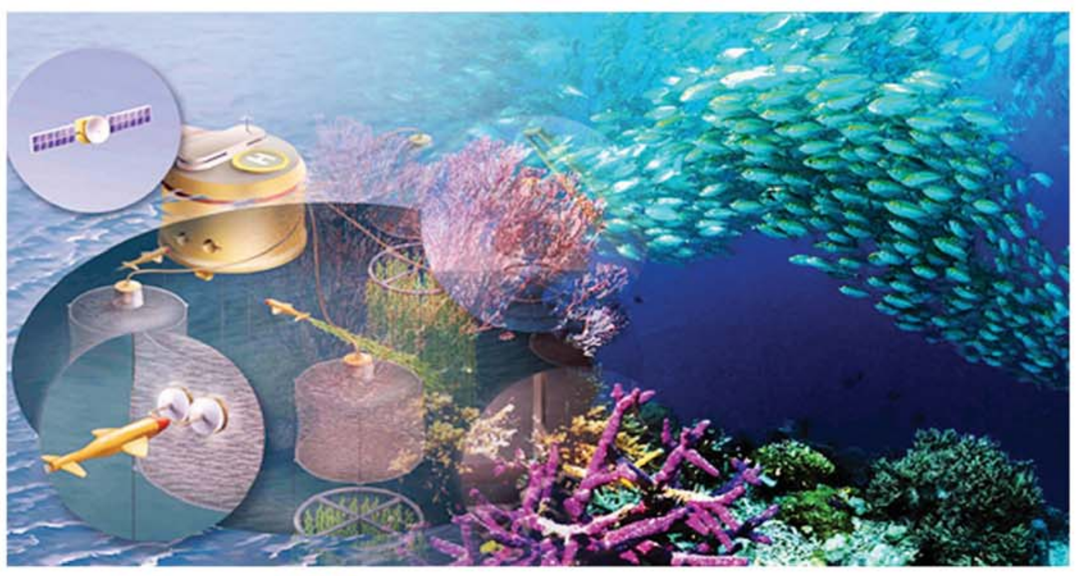

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है:

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है:

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है:

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

सप्लाई चेन मैनेजर
एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
प्लांट मैनेजर | ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
परचेस मैनेजर | फैसिलिटी मैनेजर
इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

स्वास्थ्य | कॉर्पोरेट व्यवसाय
बहुराष्ट्रीय कंपनियां | हॉस्पिटैलिटी
विनिर्माण और खुदरा | वित्तीय संस्थाए
बीमा क्षेत्र | सूचना प्रौद्योगिकी
ई-कॉमर्स | वेयरहाउसिंग
निर्माण | सलाहकारी फर्में